राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

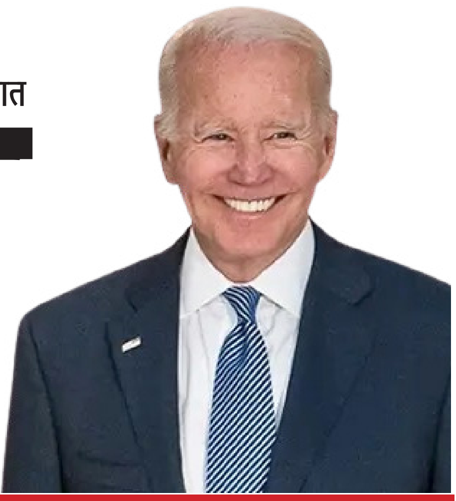

11 भारत-पाक टी20 विश्व कप मुकाबले में इस्तेमाल की गई न्यूयॉर्क की ...

अब गाजा में नहीं रुकी जंग तो तृतीय विश्व युद्ध पक्का, अमेरिका क्यों हो ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 131 | नई दिल्ली, गुरुवार, 22 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03 .00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 36°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 71,105

चांदी 81,500

सेंसेक्स 78,886

निफ्टी 24,117

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक, 31 एजेंडों की मंजूरी

कैबिनेट फैसला : पटना सदर अंचल का चार भागों में बंटवारा

पाटलिपुत्र, पटना सदर, पटना सिटी व दीदारगंज अंचल का गठन

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें 31 एजेंडों पर मुहर लगी। पटना सदर अंचल को विभाजित करने का निर्णय लिया गया है। अब पाटलिपुत्र, पटना सदर, पटना सिटी व दीदारगंज अंचल होंगे। बैठक के बाद राज्य मंत्रिमंडल के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि पटना सदर अंचल को चार अंचल में बांटा गया है। कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव की मंजूदी दी गई। उन्होंने बताया कि पाटलिपुत्र अंचल, पटना सदर, पटना सिटी अंचल व दीदारगंज अंचल का गठन किया गया है।

पटना सदर अंचल को चार भागों में बांटा गया : नव प्रस्तावित पाटलिपुत्र अंचल में दीघा, राजीव नगर, हवाई अड्डा, पाटलिपुत्रा, शास्त्री नगर और गर्दनीबाग थाना को शामिल किया गया है। वहीं, पटना सदर अंचल में बुद्धा कॉलोनी, कोतवाली, श्री कृष्णा पुरी, जक्कनपुर, गांधी मैदान, पीरबहोर, कदम कुआं, कंकड़बाग, पत्रकार नगर और सचिवालय थाना को शामिल किया गया है। जबकि पटना सिटी अंचल में बहादुरपुर, सुल्तानगंज, आलमगंज, खाजेकला, चौक, मालसलामी, मेहंदी गंज और अगम कुआं पुलिस थाना को रखा गया है। प्रस्तावित दीदारगंज अंचल में दीदारगंज, नदी और बाईपास थाना नव प्रस्तावित थाना शामिल में होंगे।

क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से बड़ा होने के कारण विभाजन : राज्य सरकार के मुताबिक पटना सदर अंचल क्षेत्रफल और जनसंख्या के दृष्टिकोण से

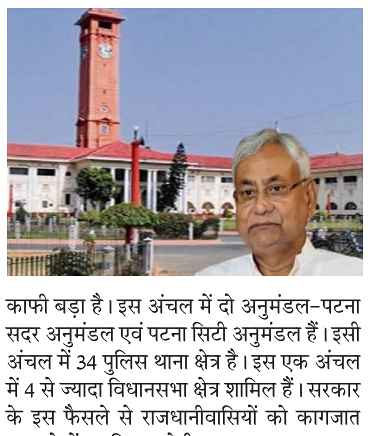

काफी बड़ा है। इस अंचल में दो अनुमंडल-पटना सदर अनुमंडल एवं पटना सिटी अनुमंडल हैं। इसी अंचल में 34 पुलिस थाना क्षेत्र है। इस एक अंचल में 4 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। सरकार के इस फैसले से राजधानीवासियों को कागजात बनवाने में सहुलियत होगी।

आम नागरिकों का अब तैयार होगा सोशल रजिस्टर: नीतीश कैबिनेट ने बुधवार को राज्य के सभी नागरिकों की परिवार आधारित सोशल रजिस्टर तैयार कराने का फैसला लिया है. इसके माध्यम से नागरिकों को सरकार से मिली सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं जैसे फसल योजना, साइकिल व पोशाक योजना, वृद्धा पेंशन आदि की जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर दर्ज की जायेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसके लिए यूनिफाइड सर्विस डिलीवरी प्लेटफार्म बिहार-वन की स्वीकृति दी है। इसके विकास के लिए कैबिनेट ने 85 करोड़ 23 लाख की स्वीकृति दी है। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने बताया कि बिहार वन पोर्टल से आम नागरिक सेवाओं और योजनाओं का लाभ सिंगल विंडो सिस्टम से उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के पास उनके विभाग के माध्यम से दी जा रही योजनाओं के लाभुकों के बारे में जानकारी है। अभी तक सरकार के पास व्यापक डाटाबेस नहीं था, जहां पर सभी प्रकार की सूचना का डाटाबेस हो। एक परिवार के किन-किन सदस्यों को कौन-कौन सी योजनाओं का लाभ दिया गया, इसका डाटाबेस नहीं है।

एक ही व्यक्ति दो लाभ नहीं ले, इसके लिए भी यह प्लेटफार्म काम करेगा। उन्होंने बताया कि इस सिंगल विंडों के माध्यम से किसी योजना का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद उसको एक नंबर दिया जायेगा। उसी नंबर के माध्यम से वह एक योजनाओं के लाभ के लिए निबंधन करा सकेगा। अब इस पोर्टल पर आम नागरिकों के प्रोफाइल और कॉमन डक्युमेंट से संबंधित सभा जानकारी होगी। इसका उपयोग आम नागरिकों द्वारा उपयोग किये जानेवाले सभी चैनल के माध्यम से सेवा दी जायेगी। इससे आम नागरिक के लिए राज्य सरकार द्वारा दिये जानेवाले सेवाओं और योजनाओं की पात्रता एक ही डैसबोर्ड पर उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि बिहार सोशल रजिस्टर के तहत विभिन्न विभागों की योजनाओं के अंतर्गत लाभ लेनेवाले लाभार्थियों का परिवार आधारित व्यापक और विश्वसनीय डेटाबेस तैयार होगा।

अन्य महत्वपूर्ण फैसले : विभिन्न विभागों के करीब साढ़े पंद्रह सौ पदों को मंजूर किया गया है। इन पर नयी बहाली होगी. इनमें स्वास्थ्य विभाग में 770 पद, खेल विभाग में पांच सौ, व्याख्याताओं के 247 और जेल विभाग की 67 पदें शामिल हैं।

सूबे में अब वाहनों का रजिस्ट्रेशन शुल्क होगा सस्ता

बिहार में गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन शुल्क को घटा दिया गया है। कैबिनेट की बैठक में बुधवार को मोटर वाहन के रजिस्ट्रेशन शुल्क को घटाने का फैसला लिया गया। अब बिहार के लोगों को गाड़ी खरीदने के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। ये फैसला बिहार में गाड़ियों की खरीद और रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। पहले बिहार में गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन का शुल्क दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा था, जिसके चलते लोग दूसरे राज्यों से गाड़ियां खरीदना पसंद करते थे। इससे बिहार सरकार को राजस्व की हानि होती थी।

गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन फीस घटाई गई : मोटर वाहन के रजिस्ट्रेशन शुल्क में बदलाव के बाद अब बिहार में मोटर साइकिल के रजिस्ट्रेशन के लिए 1500 रुपए की जगह 1150 रुपए देने होंगे। ऑटो के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 5650 रुपए से घटाकर 1150 रुपए कर दिया गया। कैब के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क में भी भारी कमी की गई है। पहले कैब का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 23650 रुपए देने पड़ते थे, जो अब घटकर मात्र 4150 रुपए हो गया है। अन्य राज्यों में रजिस्ट्रेशन शुल्क कम थे। इस फैसले से बिहार में गाड़ियों की बिक्री में इजाफा होने की उम्मीद है।

रास चुनाव : उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा ने दाखिल किया नामांकन

प्रात : किरण

पटना। बिहार से राज्यसभा उप चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा और मनन कुमार मिश्रा ने बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। श्री कुशवाहा और श्री मिश्रा ने बुधवार को निवार्ची अधिकारी सह विधानसभा सचिव के कक्ष में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय सिन्हा,जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार समुन, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डे, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा सहित बिहार सरकार के मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। दोनों का निर्विरोध जीतना तय माना जा रहा है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के विवेक ठाकुर और राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती को मिली जीत के कारण राज्यसभा की दोनों सीटें रिक्त हो गई थी, जिसके कारण उप चुनाव हो रहा है। श्री ठाकुर 2020 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। जिनका कार्यकाल 2026 तक था। वहीं, श्रीमती भारती 2022 में राज्यसभा की सदस्य बनी थीं और उनका कार्यकाल 2028 तक था। राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने पर श्री कुशवाहा का दो साल जबकि श्री मिश्रा का चार साल कार्यकाल रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपए की सहायता राशि

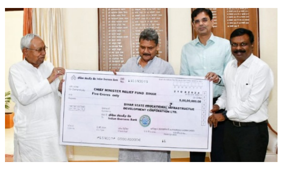

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मुख्य सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में मुख्यमंत्री राहत कोष में बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड की ओर से शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने पांच करोड़ रुपए का चेक सौंपा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी कार्तिकेय धनजी उपस्थित थे।

राजनाथ चार दिन की यात्रा पर अमेरिका जाएंगे

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के निमंत्रण पर 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। श्री सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के सहायक जेक सुलिवन से भी मुलाकात करेंगे। उनकी यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ती गति और कई स्तरों पर रक्षा संपर्कों की पृष्ठभूमि में हो रही है। इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के और घनिष्ठ तथा व्यापक बनने की उम्मीद है। श्री सिंह अमेरिकी रक्षा उद्योग के साथ मौजूदा और भविष्य के रक्षा सहयोग पर एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की भी अध्यक्षता करेंगे।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार दूसरी बार बने दुनिया के शीर्ष बैंकर, पीएम ने दी बधाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2024 में लगातार दूसरी बार ए+ रेटिंग मिलने पर बधाई दी। भारतीय रिजर्व बैंक के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर की गई एक पोस्ट के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा कि आरबीआई गवर्नर श्री शक्तिकांत दास को लगातार दूसरी बार इस उपलब्धि के लिए बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह आरबीआई में उनकी लीडरशिप और देश की आर्थिक वृद्धि दर और स्थिरता बनाए रखने के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य को प्रमाणित करता है। ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड्स 2024 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर को काम के आधार पर ग्रेड दी थी, जिसमें सबसे अच्छी ग्रेड ए+, ए

और ए- हैं। इस रिपोर्ट को 1994 के बाद से हर साल जारी किया जाता है। इसमें करीब 100 देशों के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर को काम के आधार पर ग्रेड दी जाती है। इसमें यूरोपियन यूनियन के अलावा पूर्वी कैरेबियाई सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ सेंट्रल अफ्रीकन स्टेट्स और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स शामिल हैं। इसमें ग्रेड महंगाई पर नियंत्रण, आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने, मुद्रा की स्थिरता और ब्याज दरों के मैनेजमेंट के आधार पर दी जाती है। ग्लोबल फाइनेंस के संस्थापक और एडिटोरियल डायरेक्टर जोसेफ जियारापुटो ने कहा कि पिछले कुछ वर्षो में केंद्रीय बैंकों ने महंगाई को कम करने के लिए अपने प्राथमिक विकल्प अधिक ब्याज दरों को उपयोग किया है, अब पूरी दुनिया में महंगाई में कमी देखने को मिल रही है। दास ने मंगलवार को कहा था कि बैंकों को क्रेडिट और डिपॉजिट में अंतर पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इससे लिक्विडिटी की समस्या पैदा हो सकती है। एनडीटीवी प्रॉफिट को दिए इंटरव्यू में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि उन्होंने बैकों को इस स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए कहा है। एनडीटीवी के एडिटर-इन-चीफ संजय पुगलिया से बातचीत करते हुए दास ने कहा कि बैंकों को युवा भारतीयों की बदलती हुई निवेश रणनीति को सावधानीपूर्वक निगरानी करनी चाहिए। ब्याज दर घटाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरीके से महंगाई पर निर्भर करता है। फल और सब्जियों की कीमतों में जुलाई में आई कमी ब्याज दर घटाने के लिए काफी नहीं है।

सारण में आईडीबीआई बैंक से 19 लाख रुपए की लूट

छपरा। बिहार में सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर में अपराधियों ने आईडीबीआई बैंक से 19 लाख 25 हजार रुपए लूट लिये। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने यहां बताया कि मुख्य बाजार गोला रोड में स्थित आईडीबीआइ बैंक में मोटरसाइकिल से पहुंचे तीन अपराधियों ने हथियार के बल पर बैंक काउंटर से 16.75 लाख और एक ग्राहक से 2.50 लाख कुल 19.25 लाख रुपए लूट लिये। इसके बाद अपराधी मोटरसाइकिल से फरार हो गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की सूचना मिलने मौके पर सोनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर थाना के पुलिस निरीक्षक, सोनपुर थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी के साथ ही विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम पहुंच कर जांच कर रही है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर अपराधियों के पहचान की कोशिश करने के साथ ही संदेह के आधार पर बैंक के सुरक्षाकर्मी को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है।

भारत बंद के दौरान कई राज्यों में प्रदर्शन, सड़कें जाम

सूबे कई जिलों में बंद का व्यापक असर, ट्रेने रोकी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण में क्रीमी लेयर और उपवर्गीकरण के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ देशभर में हो रहे भारत बंद का असर बिहार से लेकर राजस्थान तक देखने को मिला। पटना के महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास भारत बंद समर्थकों ने सड़कों को जाम कर दिया और मार्च निकालकर उच्चतम न्यायालय के इस फैसले का विरोध किया। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य अमर आजाद ने कहा, आज पूरा भारत बंद है। एससी-एसटी आरक्षण के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा, उसे हम लोग छोड़ने वाले नहीं हैं। केंद्र सरकार उच्चतम न्यायालय के फैसले को वापस करे और इस पर कानून बनाए। अमरजीत कुमार ने भी कोर्ट के फैसले की आलोचना करते हुए इसे दलित

समाज को बांटने वाला बताया और इसे घातक निर्णय करार दिया। प्रदर्शनकारियों ने दरभंगा और बक्सर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही बाधित करने के साथ पटना, हाजीपुर, दरभंगा, जहानाबाद और बेगूसराय जिलों में कई स्थानों पर कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सड़क यातायात को अवरुद्ध करने की कोशिश की जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। दरभंगा और बक्सर रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और कुछ समय के लिए बिहार संपर्क क्रांति और फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन को रोक दिया। बाद में, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस के जवानों ने रेलवे स्टेशनों से प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने में कामयाबी हासिल की। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्रा ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने सुबह कुछ समय के लिए आरा, चौसा (बक्सर), दरभंगा, बेगूसराय और राजगीर में रेल यातायात को बाधित किया। प्रदर्शनकारियों को रेलवे ट्रैक और स्टेशनों से हटाकर स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया और अब ट्रेनों की आवाजाही सामान्य है। राज्य की राजधानी पटना के डाक बंगला चौक पर यातायात को अवरुद्ध करने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने कहा, ह्यडाक बंगला चौक पर यातायात को अवरुद्ध करने और पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने हल्का लाठीचार्ज किया।

पोलैंड पहुंचे पीएम मोदी, जोरदार स्वागत

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय पोलैंड यात्रा पर राजधानी वारसॉ पहुंच गए हैं। पीएम मोदी 21 और 22 अगस्त को यूरोपीय देश की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इसके बाद 23 अगस्त को पीएम मोदी युद्धग्रस्त यूक्रेन का दौरा करेंगे। पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का अहम व्यापारिक साझेदार है। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह 45 साल बाद पहली पोलैंड यात्रा है। वारसॉ पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 22 अगस्त तक पोलैंड की यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री का पोलैंड की राजधानी वारसॉ में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। वह राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्जीवित करने का एक अवसर बनना है। प्रधानमंत्री मोदी पोलैंड में भारतीय प्रवासियों की एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

आंध्र प्रदेश : दवा फैक्टरी में विस्फोट से 15 लोगों की मौत !

नई दिल्ली/ एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में बुधवार को दवा बनाने वाली एक फैक्टरी में विस्फोट से 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, हादसे के समय यूनिट में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अच्युतपुरम फार्मा कंपनी दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए है। बुधवार के हादसे के संबंध में अनकापल्ली जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया, जिले के अचुटापुरम स्थित एसेंशिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में दोपहर 2:15 बजे आग लग गई। फैक्टरी में दो शिफ्ट में 381 कर्मचारी काम करते हैं। विस्फोट लंच के समय हुआ। इसलिए, कर्मचारियों की उपस्थिति कम थी। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर जताया दुख :उन्होंने कहा कि धमाका बिजली से संबंधित होने का संदेह है। 40 घायल लोगों को अनकापल्ली और अचुटापुरम के कई अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं इस हादसे की सूचना पर अग्निशमन विभाग, छह दमकल गाड़ियों को मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान में लगा हुआ है। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कंपनी में लोगों की मौत पर दुख जताया है।

बिहार सरकार

श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार

बिहार भवन एव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड

बोर्ड का हाथ, निर्माण श्रमिकों के साथ

निर्माण श्रमिक कौन :- राज मिस्त्री, टाईल्स मिस्त्री, पेंटर, रेजा, हेल्पर, बढ़ई, लोहार, बिजली मिस्त्री, सेंन्ट्रींग मिस्त्री, वेल्डर, कंक्रीट मिक्सर, ईंट निर्माण मजदूर, रोलर चालक, मनरेगा श्रमिक (बागवानी एवं वानिकी छोड़कर) इत्यादि ।

विवाह के लिए वित्तीय सहायता
राशि ₹50,000/- (दो व्यस्क पुत्रियों के लिए)

मातृत्व लाभ
90 दिनों के न्यूनतम मजदूरी के समतुल्य राशि

पितृत्व लाभ
राशि ₹6,000/-

शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता
राशि 5,000/-, 10,000/-, ₹20,000/- एवं ट्यूशन फी

नकद पुरस्कार
राशि ₹10,000/-, 15,000/- और ₹25,000/- प्रत्येक वर्ष अधिकतम दो बच्चों के लिए मैट्रिक एवं इंटर में 60% या अधिक अंक लाने पर

साईकिल क्रय
राशि ₹3,500 /- एक बार

भवन मरम्मति अनुदान
राशि ₹20,000/- एक बार

औजार क्रय
अधिकतम ₹15,000 /- तक के मूल्य का औजार एक बार

वार्षिक चिकित्सा सहायता
राशि 3,000/- प्रतिवर्ष

चिकित्सा सहायता
मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना के समतुल्य राशि

मृत्यु लाभ
2,00,000/- (स्वभाविक मृत्यु)
4,00,000/- (दुर्घटना मृत्यु)

दाह संस्कार हेतु
राशि ₹5,000/-

विकलांगता पेंशन
स्थायी पूर्ण निःशक्तता में रु०- 75,000/- एकमुश्त अनुदान एवं रु०-1000/- प्रतिमाह पेंशन
स्थायी आंशिक निःशक्तता में रु०- 50,000/- एकमुश्त अनुदान

पेंशन
₹1,000/- प्रतिमाह

परिवार पेंशन
पेंशनधारी के मृत्यु के पश्चात पेंशनधारी को प्राप्त राशि का 50% राशि या ₹100/- जो अधिक हो

निबंधित श्रमिक स्वयं या CSC वसुधा केंद्र के माध्यम से बोर्ड के पोर्टल www.bocw.bihar.gov.in पर आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

नोट : किसी तरह के शिकायत अथवा जानकारी के लिए संबंधित प्रखंड के श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी / जिला के श्रम अधीक्षक कार्यालय अथवा बोर्ड (मु0) के फोन नं0- 0612-2525558 / ई मेल ID biharbhawan111@gmail.com पर संपर्क करें।

PR No.- 006555 (LRD)D. 2024-25

संक्षिप्त समाचार

दो कारों और स्कूटी की टक्कर में एक की मौत

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार-देहरादून राजमार्ग पर छिद्दरवाला चेकपोस्ट के समीप दो कारों की टक्कर हो गई। इस दौरान वहां से गुजर रहा एक स्कूटी सवार युवक कार की चपेट में आ गया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। रायवाला थाने के प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र चौहान ने बताया कि शनिवार देर रात करीब 2-30 बजे छिद्दरवाला चेक पोस्ट से कुछ दूरी पर एक कार ने आगे चल रही दूसरी कार को पीछे से टक्कर मार दी। कार की टक्कर एक स्कूटी सवार से भी हो गई। इस हादसे में कुल पांच लोग घायल हो गए। जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय हरिद्वार भिजवाया गया। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार देहराखास थाना पटेलनगर देहरादून निवासी सोहन सिंह (40) की मौके पर ही मृत्यु हो गई। शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बाकी सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

सात करोड़ से 69 विद्यालयों में होंगे कक्ष निर्माण

रुद्रपुर, एजेंसी। जिले के प्राथमिक व इंटर कॉलेजों में भवन निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। सात करोड़ की लागत से कुल 69 स्कूलों के कक्ष-कक्षा आदि का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए निर्माण इकाई को भी नामित कर दिया गया है। जिला योजना के तहत स्कूलों में कक्षा कक्ष आदि का निर्माण किया जाना है। इसके लिए प्राथमिक स्कूलों को चयनित किया गया है। इन स्कूलों में चार करोड़ की लागत से निर्माण कार्य कराए जाने हैं। इन स्कूलों में निर्माण का जिम्मा लघु सिंचाई को सौंपा गया है। इसी तरह माध्यमिक स्कूलों के लिए आरडब्ल्यूडी को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। यह संस्था तीन करोड़ की धनराशि से 19 स्कूलों में निर्माण आदि कार्य कराएगी। जिला योजना के तहत अनुमोदित धनराशि से स्कूलों में कक्ष निर्माण से चहारदीवारी निर्माण, मरम्मत, मिट्टी भरान, शौचालय निर्माण, प्रयोगशाला कक्ष, शेड, फर्श व टाइल्स आदि के निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इधर, निर्माण इकाईयों ने अनुमोदित धनराशि के सापेक्ष पहली किस्त की मांग की है।

देवभूमि में बहनों की रक्षा करने में सरकार नाकाम -बेहड़

किच्छा, एजेंसी। विधायक तिलकराज बेहड़ ने सोमवार को जनसंवाद कार्यक्रम में रक्षाबंधन की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में महिला अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार देवभूमि में बहनों की रक्षा करने में नाकाम हो रही है। आवास विकास स्थित कार्यालय में विधायक ने कहा कि जिस प्रकार एक भाई का कर्तव्य होता है कि वो अपनी बहन की रक्षा करे। ठीक उसी प्रकार सरकारों का भी दायित्व है कि प्रदेशवासियों खासकर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करे। जिस प्रकार दिन-प्रतिदिन प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार की खबरें आ रही है, उससे बड़ा खेद होता है कि सरकार देवभूमि में अपनी बहनों की रक्षा करने में नाकामयाब हुई है। इस दौरान बेहड़ने ने लोगों की समस्याएं सुनकर अधिकतर का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। वहां नजाकत खान, हाजी रहीस अहमद, बबलू चौधरी, दलजीत सिंह, सुनील सिंह आदि थे।

राज्य आंदोलन के नायक बडोनी को याद किया

पंतनगर, एजेंसी। उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं ने शांतिपुरी में उत्तराखंड के गांधी नाम से विख्यात राज्य आंदोलन के नायक इंद्रमणि बडोनी की पुण्यतिथि मनाई। दल के केंद्रीय उपाध्यक्ष आनंद सिंह असगोला ने कहा कि बडोनी ने राज्य के लोगों को नई दिशा देने का काम किया। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेकर राज्य को नई पहचान दिलाने के लिए आगे आना चाहिए। जिलाध्यक्ष एमसी पांडेय ने कहा कि उत्तराखंड सरकार की ओर से वर्ष 2015 में बडोनी की जयंती पर सरकारी कार्यालयों और स्कूल, कॉलेजों में वाद विवाद, भाषण प्रतियोगिता के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कोई कार्यक्रम नहीं हुए। इस दौरान जीवन सिंह नेगी, भानू प्रताप मेहरा, सोनू बिष्ट, रमेश ऐरी, जमुना जोशी, ख्याली सिंह, खजान मठपाल, राजेंद्र बिष्ट आदि मौजूद थे।

उत्तराखंड में 25 अक्टूबर तक संपन्न करा लिए जाएंगे निकाय चुनाव, उत्तराखंड सरकार ने हाई कोर्ट में दिया जवाब

नैनीताल, एजेंसी।
राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने को लेकर राज्य सरकार ने हाई कोर्ट को बताया कि 25 अक्टूबर तक चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति भी अगस्त अंत या सितंबर पहले सप्ताह तक कर ली जाएगी।

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में जसपुर के मोहम्मद अनवर व अन्य की जनहित याचिका पर एक साथ सुनवाई हुई। इस दौरान महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने कोर्ट को बताया कि सरकार की ओर से पूर्व में प्रार्थना पत्र दाखिल कर चुनाव के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया था।

शहरी विकास निदेशक व अपर सचिव नितिन भदौरिया ने कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर जानकारी दी कि इस माह के अंत या सितंबर पहले सप्ताह में राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कर दी जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि दस जुलाई को राज्य निर्वाचन आयुक्त चंद्रशेखर भट्ट का कार्यकाल पूरा हो गया है। कोर्ट ने मामले को सुनने के बाद अगली सुनवाई की तिथि छह सितंबर नियत कर दी। कोर्ट ने पूछा चुनाव के लिए क्या प्लान पेश किया हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से पूछा कि पूर्व के आदेश पर निकाय चुनाव कराने के लिए क्या प्लान पेश किया पिछली सुनवाई में कोर्ट ने यह बताने को कहा था कि कब तक राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करेंगे और निकाय चुनाव कब तक संपन्न हो जाएंगे।इस पर महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने बताया था कि राज्य में तय समय के भीतर निकाय चुनाव लोकसभा चुनाव की वजह से नहीं हो पाए। क्योंकि राज्य का प्रशासन लोकसभा चुनाव कराने में व्यस्त था। उसके बाद मानसूनी वर्षा शुरू हो गई और आधा प्रशासन आपदा प्रबंधन तैयारियों में व्यस्त रहा। ऐसी परिस्थिति में राज्य निकाय चुनाव कराने में सक्षम नहीं था। राज्य अभी भी आपदा की मार झेल रहा है।

अब सरकार 25 अक्टूबर से पहले निकाय चुनाव कराने को तैयार है। अब सरकार घोषित कर रही नए निगम व पंचायतें राज्य चुनाव आयोग के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट को बताया कि स्थानीय निकायों का कार्यकाल दिसंबर 2023 में समाप्त हो गया है। सरकार ने निकायों के संचालन को छह माह के लिए प्रशासक नियुक्त कर दिए। जून 2024 में प्रशासकों का छह माह का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। राज्य सरकार ने चुनाव कराने के बजाय प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ा दिया। अब सरकार ने निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के आठ माह बीत जाने के बाद कई नगर निगम व नगर पंचायतों की घोषणा कर दी है। जो राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत व स्थानीय निकाय के लिए परेशानियां खड़ी कर सकता है। जबकि यह प्रक्रिया दिसंबर 2023 से भी छह माह पहले की जानी थी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत निकायों के कार्यकाल समाप्त होने के छह माह पहले परिसीमन, आरक्षण व अन्य की जांच पूरी कर लेनी चाहिए थी, जो नहीं की गई। दो बार राज्य सरकार पहले चुनाव कराने का बयान दे चुकी है। बार-बार इस तरह के कोर्ट में बयान देने के बाद भी निकाय चुनाव नहीं हुए तो यह राज्य का दुर्भाग्य होगा। यह थी जनहित यााचिका जसपुर निवासी मोहम्मद अनवर ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि नगर निकायों का कार्यकाल दिसंबर 2023 में समाप्त हो गया है लेकिन कार्यकाल पूरा होने के आठ माह बाद भी सरकार ने चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। उल्टा निकायों में प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ा दिया। प्रशासक नियुक्त होने से आमजन को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासक तब नियुक्त किया जाता है, जब कोई निकाय भंग किया जाता है। उस स्थिति में भी सरकार को छह माह के भीतर चुनाव कराना आवश्यक होता है। निकायों ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया है लेकिन अभी तक चुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित तक नहीं किया। न ही सरकार ने कोर्ट के आदेश का पालन किया। इसलिए सरकार को फिर से निकायों के चुनाव कराने के निर्देश दिए जाएं। सूत्रों के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से यह भी बताया गया कि संयुक्त सचिव राहुल कुमार गोयल ने सचिव पंचायती राज को 17 अगस्त को पत्र लिखा था। जिसमें याद दिलाया था कि नगर पंचायत नंदानगर घाट, चमोली, नगर पंचायत गुप्तकाशी, नगरपालिका खटीमा के वार्डों के परिसीमन की अंतिम अधिसूचना व नगरपंचायत मुनस्यारी के वार्डों के परिसीमन की अनंतिम व अंतिम अधिसूचना प्रेषित कर नवगठित शहरी निकायों में निर्वाचन नामावली तैयार किए जाने को आयोग से अपेक्षा की गई है।

वीपीकेएएस ने विकसित कीं मक्के की तीन प्रजातियां, वैज्ञानिकों ने किया दावा; बोले- किसानों की होगी वृद्धि

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने मक्के की तीन नई प्रजातियां विकसित की हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इन प्रजातियों के उत्पादन से किसानों की उपज में वृद्धि होगी। अल्मोड़ा में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने मक्के की तीन नई प्रजातियां विकसित की हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इन प्रजातियों के उत्पादन से किसानों की उपज में वृद्धि होगी। संस्थान के निदेशक लक्ष्मीकांत ने बताया कि कृषि फसल मानक अधिसूचना विमोचन की केंद्रीय उप समिति की बैठक में उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अगेती परिपक्वता एवं अधिक उपज वाली उच्च गुणवत्तायुक्त इन तीन प्रजातियों के विमोचन के लिए अनुशंसा की गई है।

वीएल शिखर : इस प्रजाति का विकास वीबीएल 107 और 108 के संयोजन से किया गया है। यह शरीर में खनिज तत्वों के अवशोषण को बढ़ाती है। यह अगेती प्रजाति है, जिसमें फाइटेड की मात्रा 2.20 माइक्रोग्राम होती है।

वीएल त्रिपोषी : इसका विकास वीबीएल 301 और 302 के संयोजन से किया गया है। क्वालिटी प्रोटीन, कम फाइटेड और अधिक प्रोविटामिन के कारण इसे वीएल त्रिपोषी नाम दिया गया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए यह पहली ट्रिपल बायोफोर्टिफाइड संकर प्रजाति है।

इसका विकास वीक्यूएल 398 और 400 के संयोजन से किया गया है।

अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित होंगे डॉ. सुरेंद्र

खटीमा, एजेंसी। एचएनबी डिग्री कॉलेज के गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ सुरेंद्र विक्रम सिंह पड़ियार को शिक्षक दिवस पर प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार वर्ष 2024 में उनके शोध और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए दिया जाएगा।

डॉ. सुरेंद्र को यह पुरस्कार इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्गनाइज्ड रिसर्च, सेंटर फॉर स्मार्ट मॉडर्न कंस्ट्रक्शन, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया, द इंटेलिजेंट इंडियन और एल्सेवियर मेंडेली की ओर से संयुक्त रूप से प्रदान किया जाएगा

मूल रूप से नैनीताल जिला के ओखलकांडा के नरतोला के रहने वाले डॉ. सुरेंद्र उत्तराखंड उच्च शिक्षा में वर्ष 2014 से गणित के प्राध्यापक के रूप अध्यापन का कार्य कर रहे है। उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार के सभी प्राध्यापकों ने बधाई दी है।

उत्तराखंड विधानसभा सत्र : हरीश रावत ने गैरसैंण में किया उपवास, बाइक पर बैठकर निकाला जुलूस

चमोली, एजेंसी।
पूर्व सीएम हरीश रावत ने एक घंटे का उपवास किया। इसके बाद वह बाइक पर बैठकर जुलूस में शामिल हुए।

उत्तराखंड विधानसभा का मानसून सत्र के पहले दिन पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता हरीश रावत गैरसैंण के रामलीला मैदान पहुंचे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। वह वीर चंद्र सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद उपवास एक घंटे उपवास पर बैठे। इसके बाद उन्होंने गैरसेंण नगर में बाइक पर बैठकर जुलूस निकाला।

उनका कहना है कि वह उपवास के बाद टॉर्च से गैरसैंण की ग्रीष्मकालीन राजधानी को खोजने का काम करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस; स्थानीय लोगों से पूछताछ जारी

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में संदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैली हुई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। हल्द्वानी में संदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव रेलवे ट्रैक के पास पड़ा मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैली हुई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। बहरहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह पुलिस को प्रेम टॉकीज रेलवे क्रॉसिंग के पास शव मिलने की सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। शव कीचड़ में सना हुआ था। चौकी प्रभारी भोटिया पड़ाव देवेंद्र राणा ने बताया कि स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि मृतक नशे का आदी था। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

नैनीताल में उफनाई कोसी नदी, डूबी छह दुकानें; नालों में बही कार-बाइक

नैनीताल, एजेंसी।
उत्तराखंड के नैनीताल में देर शाम हुई भारी वर्षा से कोसी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। इससे गिरिजा मंदिर क्षेत्र में पानी सीढ़ियों तक पहुंच गया और छह अस्थायी दुकानें डूब गई। वहीं, रामनगर से रानीखेत जा रही कार नाले में बह गई।

स्थानीय लोगों ने कार में सवार चार लोगों को बचा लिया। बाइक से कोटाबाग घूमने आए रामनगर के तीन दोस्तों में से दो ने किसी तरह अपनी जान बचा ली, लेकिन तीसरा नाले में बह गया। देर रात तक चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद भी उसका पता नहीं चला।

वहीं, बागेश्वर के कपकोट में अतिवृष्टि से चार मकान क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। मंगलवार सुबह जिला प्रशासन ने स्कूलों को बंद करा दिया। कपकोट में 24 घंटे के भीतर 160 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। मौसम प्रतिकूल होने से केदारनाथ पैदल मार्ग से आज भी यात्रियों को आवाजाही के लिए अनुमति नहीं मिली। चार दिन से पैदल मार्ग से यात्रा बंद है। चमोली में बदरीनाथ राजमार्ग सुबह चार घंटे बाधित रहा। इससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, अगले कुछ दिन राज्य में तेज वर्षा का दौर बना रहेगा। बुधवार को देहरादून, पौड़ी, टिहरी, नैनीताल, चंपावत, बागेश्वर में भारी वर्षा के आसार हैं। अन्य जिलों में तीव्र वर्षा के एक से दो दौर हो सकते हैं।

रक्षाबंधन के दिन गाय चराने जंगल गई थी सातवीं की छात्रा

गरुड़, को चराने के लिए जंगल गई सातवीं की छात्रा के साथ ताऊ ने दुष्कर्म कर दिया। रोते हुए घर पहुंची नाबालिग छात्रा ने मां को आपबीती बताई तो हड़कंप मचा। मंगलवार को बैजनाथ अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छात्रा को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। राजस्व पुलिस ने आरोपित की विरुद्ध पास्को समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता क्षेत्र के ही स्कूल में सातवीं की छात्रा है। राजस्व पुलिस क्षेत्र में रहने वाली छात्रा रक्षाबंधन के दिन सुबह गाय चराने जंगल गई थी।

नदी में नहाने पर टोका तो वनकर्मी को किया लहूलुहान

नैनीताल , एजेंसी।
नदी में नहाने से रोकने पर आधा दर्जन युवकों ने वन आरक्षी को पीटकर लहूलुहान कर दिया। वनकर्मियों ने वन चौकी पर पांच युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रामनगर में नदी में नहाने से रोकने पर आधा दर्जन युवकों ने वन आरक्षी को पीटकर लहूलुहान कर दिया। वनकर्मियों ने वन चौकी पर पांच युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रामनगर वन प्रभाग के देचौरी रेंज स्थित क्यारी गांव की खिचड़ी नदी में कुछ युवक नहाते हुए हुड़दंग कर रहे थे। ग्रामीणों की शिकायत पर वन आरक्षी विजेंद्र सिंह चौहान और वाचर प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने नदी से बाहर निकलने को कहा तो युवकों ने बाहर आकर विजेंद्र सिंह चौहान की लात-घूसों से जमकर पिटाई कर दी। वॉचर ने मारपीट का वीडियो बना लिया। देचौरी रेंज के रेंजर ललित जोशी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वनकर्मियों ने बाइकों से फरार होते पांच युवकों को बेलगढ़ वन चौकी पर पकड़ लिया। युवकों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। उनकी बाइक कब्जे में ले ली है।

देवखड़ी नाले की सुरक्षा दीवार टूटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त, आपदाग्रस्त लोगों का हाल जानने पहुंची सीएम

हल्द्वानी, एजेंसी।
उत्तराखंड के हल्द्वानी जिले में स्थित देवखड़ी नाले पर बनी सुरक्षा दीवार के टूटने से करीब 300-400 घर ऐसे है, जहां पानी और मलबा घुसा है। इसमें लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। साथ ही स्कूली बच्चों को आवाजाही में खासी दिक्कतें हो रही हैं। नाले की दीवार टूटने से गली के अंदर बड़े बड़े बोल्डर लोंगो को मुश्किल में डाल रहे है। वहीं इन परिस्थितियों को देखते हुए डीएम (छ्रू) नैनीताल पीड़ितों का हाल चाल जानने के लिए मौके पर पहुंची।

दरअसल, देवखड़ी नाले के उफान पर आने से सुरक्षा दीवार पूरी तरह से ध्वस्त हो गई और नाले का रुख आवासीय कॉलोनी की तरफ हो गया। लोगों के घरों में जलभराव हुआ और कई घरों में मलवा घुस गया। साथ ही निजी स्कूलों की 2 बसें मलबे में दब गई। जिले में इस आपदा की घड़ी में डीएम (छ्रू) नैनीताल आपदा प्रभावित लोगों को मिलने के लिए पहुंची। डीएम ने कहा कि इस दैवी आपदा के चलते 100 से अधिक प्रभावित लोगों को मुआवजा राशि वितरित की गई है। डीएम ने कहा कि क्षेत्र में सफाई का काम जारी है। नाले के स्थाई समाधान के लिए सर्वे का काम शुरू करवाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मौसम को देखते हुए अधिकारियों की टीम आसपास के इलाकों में नज़र बनाए हुए है, जिससे समय पर राहत बचाव कार्य किया जा सकें। इसके अतिरिक्त नगर निगम आपदा ग्रस्त इलाकों में फॉगिंग और दवाओं का छिड़काव भी किया जा रहा है। वहीं आपदा क्षेत्र में नुकसान का जायजा लेने नैनीताल सांसद अजय भट्ट भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावितों से बातचीत की। इस दौरान लोग आक्रोशित नज़र आए। सांसद भट्ट ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक की लागत से देवखड़ी नाले का ट्रीटमेंट किया जाएगा।

अभी से दम तोड़ती नजर आई 13 करोड़ 5 लाख से बनने वाली पेयजल योजना

अल्मोड़ा, एजेंसी। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद के रानीखेत विधानसभा की दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र की चर्चित बयेड़ी पेयजल पंपिंग योजना आजकल विवादों के घेरे में है। 13 करोड़ 5 लाख से बनने वाली इस योजना से लगभग 14 ग्राम सभाओं को लाभ मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ये पेयजल योजना अभी से दम तोड़ती नजर आ रही है।

दरअसल, कुछ दिन पहले क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक में भी जनप्रतिनिधियों के द्वारा इस मामले को जोर शोर से उठाया गया था। साथ ही जल निगम व जल संस्थान पर कमिशन लेने का आरोप लगाया था। बैठक में ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने पेयजल योजना की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और एक साल बीत जाने के बाद भी कार्य पूर्ण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इस मामले को लेकर जल निगम के अधिशाषी अभियंता हिमांशु वर्मा ने कहा कि ठेकेदार द्वारा जो टैंक बनाया जा रहा था, उसमें अनियमितताएं पाई गई हैं। अब उस टैंक को तुड़वाया जा रहा है।

वहीं हिमांशु वर्मा ने कमिशन लेने के आरोप पर कहा कि इस मामले की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। जैसा उच्च अधिकारियों का आदेश आएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। अब देखने वाली बात ये है कि संबंधित अधिकारियों या ठेकेदार पर कोई कार्रवाई होती है या सरकारी धन का ऐसे ही दुरुपयोग होता रहेगा।

काम पर वापस लौट आइए, मरीज हो रहे परेशान..., एम्स ने डॉक्टरों से की हड़ताल खत्म करने की अपील

डॉक्टर के तौर पर उनका कर्तव्य है कि कोई भी मरीज बिना उपचार के वापस नहीं लौटे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

एम्स प्रशासन ने रेजिडेंट डॉक्टरों से हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने की अपील की है। एम्स के स्वास्थ्य कर्मियों की समस्याओं के समाधान के लिए डीन (अकादमी) की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या के विरोध में एम्स सहित दिल्ली के सभी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर पिछले 10 दिनों से हड़ताल पर हैं।

सरकार से अध्यादेश लाने की मांग

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स गठित करने के आदेश के बाद भी रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल समाप्त नहीं की। ऑल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफएआइएमए) ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत किया है, लेकिन डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए अलग कानून बनाने की मांग को लेकर वह हड़ताल जारी रखने की घोषणा की है। उन्होंने इसे लेकर सरकार से अध्यादेश लाने की मांग की है।

काम पर लौटें डॉक्टर

एम्स प्रशासन बुधवार को पत्र जारी कर कहा, ह्लएम्स परिवार देशभर के सभी स्वास्थ्य पेशवरों की सुरक्षा का पक्षधर है। वह उनके साथ खड़ा है। डॉक्टर के तौर पर उनका कर्तव्य है कि कोई भी मरीज बिना उपचार के वापस नहीं लौटे। भारत सरकार भी स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर सकारात्मक निर्देश दिया है। इसे ध्यान में रखकर सभी रेजिडेंट डॉक्टरों को काम पर लौटना चाहिए, जिससे कि मरीजों की परेशानी दूर हो सके।

साथ ही डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के तत्कालीन चिंता के समाधान के लिए एक कमेटी गठित की है। डीन (अकादमी) की अगुवाई वाली समिति में डीन (अनुसंधान), डीन (परीक्षा), चिकित्सा अधीक्षक (एच) और मुख्य सुरक्षा अधिकारी इसके सदस्य हैं। इससे पहले एम्स प्रशासन ने आंतरिक सुरक्षा ऑडिट करने का निर्णय लिया है।

डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों, मरीजों और उनके तीमारदारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बायोफिजिक्स की प्रोफेसर पुनीत कौर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है।

इसमें प्रोफेसर प्रताप शरण (मनोचिकित्सा विभाग), प्रोफेसर संजय राय (अधीक्षक छात्रावास), प्रोफेसर सुषमा सागर (ट्रामा सर्जरी विभाग), प्रोफेसर गिरिराज रथ (रजिस्ट्रार), कर्नल दिग्विजय सिंह (मुख्य सुरक्षा अधिकारी), दीपक भुटाले (अधीक्षण अभियंता) इसके सदस्य हैं। समिति में रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है।

इस वजह से बुधवार को भी डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। फेडरेशन आफ ऑल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफएआइएमए) ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन ड्यूटी पर वापस लौटने की अपील को मानने से इनकार कर दिया। एसोसिएशन का कहना है कि उनकी मांग डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए अलग कानून बनाने व अध्यादेश लाने की है। अभी यह मांग पूरी नहीं हुई है।

सरकारी अस्पतालों में नहीं सुधरे हालात कोलकाता में जूनियर महिला रेजिडेंट डॉक्टर से दुष्कर्म और फिर हत्या के मामले के बाद भी सरकारी अस्पतालों में हालात सुधरने के नाम नहीं ले रहे हैं। सोमवार रात एलएन और जीबी पंत अस्पताल में पड़ताल की गई, तो देखा गया कि रात में महिला डॉक्टर इमरजेंसी में अपनी सेवाएं दे रही थीं। सुरक्षा में तैनात कर्मी बस नाम के लिए बैठे थे। लोग बिना रोकटोक और बिना जांच के अस्पताल में दाखिल हो रहे थे। रात में महिला चिकित्सक दे रहीं सेवाएंएलएन अस्पताल में सोमवार रात करीब नौ बजे तीन दो महिला चिकित्सक और एक नर्स सेवा दे रही थीं। इस दौरान इमरजेंसी में मरीजों की भीड़ लगी हुई थी। इमरजेंसी के गेट पर दो गार्ड मौजूद थे, जो इक्का-दुक्का मरीजों व उनके परिजनों से पूछताछ के बाद अंदर जाने की इजाजत दे रहे थे।

देशभर में चल रहे हंगामे के बाद भी अस्पताल में रात के समय महिला चिकित्सकों व नर्सों की ड्यूटी लगाई जा रही है। वहीं जीबी पंत अस्पताल की इमरजेंसी में भी रात करीब साढ़े नौ बजे तीन महिला चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रही थीं। यहां गेट पर बैठे सुरक्षाकर्मी अनजान लोगों को अंदर जाने से रोकते दिखाई दिए।

हॉस्टल के गेट पर नहीं दिखे सुरक्षाकर्मी

एलएन अस्पताल के महिला हास्टल में सैकड़ों की संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी व नर्स रहती हैं। सोमवार देर शाम इस हॉस्टल के गेट पर कोई सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं था। जबकि यहां सबसे अधिक कड़ी सुरक्षा की आवश्यकता रहती है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लापरवाही से कोई बड़ा हादसा फिर से घटित हो सकता है।

महिला सुरक्षा पर कड़े कानून बनाने की मांग को लेकर आप महिला इकाई का प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता समेत देश भर में महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार से कड़े कानून बनाने की मांग करते हुए बुधवार को यहाँ विरोध प्रदर्शन किया।

आप की महिला इकाई ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार तथा दुष्कर्म की घटनाओं के खिलाफ और पीड़ित महिलाओं को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी के राजघाट स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रदर्शन किया। इस दौरान ह्यमहिलाओं पर अत्याचार, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान, हत्यारे को फांसी दो, देश की बेटी को न्याय दोह्ल के जमकर नारे लगाए।

आप की महिला इकाई की अध्यक्ष सारिका चौधरी ने कहा कि देश में जिस तरह महिलाओं के साथ घटनाएं बढ़ रही हैं, उससे हम बहुत दुखी हैं। चाहे वह पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार या देश के किसी भी हिस्से में हो रही हो। हम हर रोज अखबार में दुष्कर्म की खबरें पढ़ते हैं। आज छोटी-छोटी बच्चियों के साथ भी दुष्कर्म हो रहा है। केंद्र सरकार को इस पर सख्त कानून बनाना चाहिए। बच्चों के साथ ऐसे जघन्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, और इसे फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द से जल्द निपटाना चाहिए। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। छह महीने के भीतर अपराधियों को मौत की सजा मिलनी चाहिए।

इस दौरान आप विधायक प्रीति तोमर ने कहा कि हमने महात्मा गांधी के सामने अत्याचार की शिकार बेटी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दरिंदों को एक दिन सजा तो मिल ही जाएगी, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि क्या एक मां-बाप की बेटी वापस आ जाएगी। सवाल यह नहीं है कि इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, बल्कि सवाल यह है कि महिलाओं के साथ हो रहे ऐसे अपराधों की गिनती भी पूरी तरह से नहीं हो पाती है क्योंकि न्याय मिलने में वर्षों लग जाते हैं और इतने समय में और कई घटनाएं हो जाती हैं। आज मां-बाप अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कुछ घटनाएं दबा दी जाती हैं और कई मामले सामने भी नहीं आते।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली। कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना को लेकर दिल्ली के डॉक्टरों में गहरी नाराजगी है। आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी है, प्रदर्शन में शामिल डॉक्टर्स अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर अडिग हैं। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों की सरकार से मांग है कि अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि महिला डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। प्रदर्शन में शामिल एक डॉक्टर अन्नपूर्णा ने कहा कि हम लोगों का प्रदर्शन अभी जारी है। इस पूरे मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर हम लोगों का प्रदर्शन जारी रहेगा। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी, इसके बाद हम आगे की रणनीति बनाएंगे। लेकिन, सवाल यह है कि डॉक्टर को अपने वर्कप्लेस पर सेफ्टी मिलेगी या नहीं। उन्होंने कहा कि हम अपनी मांग पर अडिग हैं। हम हर रोज बैठक करके आगे की रणनीति तय करते हैं। सरकार शुरूआत से ही हम डॉक्टरों को काम पर वापस लौटने की बात कह रही है। हमें भी लगता है कि हमें प्रदर्शन को खत्म कर वापस काम पर आ जाना चाहिए। मरीजों के हित को देखते हुए हम लोगों ने अभी इमरजेंसी सेवा को बंद नहीं किया है। उन्होंने आगे कहा कि टास्क फोर्स और कमेटी पहले भी बनती रही है। ऐसा पहले भी होता रहा है, हम लोगों को भरासा चाहिए कि इस बार भी कहीं ऐसा न हो की बस कमेटी बनकर रह जाए। टास्क फोर्स को लेकर हमारे पास फिलहाल जानकारी है कि उसमें सीनियर डॉक्टर को शामिल किया गया है।

चिकित्सक दुष्कर्म-हत्या मामला : चिकित्सकों ने 10वें दिन जंतर-मंतर पर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कोलकाता के एक अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में रेजीडेंट चिकित्सकों ने अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल के 10वें दिन बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों में से एक ने कहा, यह समझना बहुत जरूरी है कि हम अपने कार्यस्थल पर बेहतर कार्य स्थितियों के लिए लड़ रहे हैं। इन प्रदर्शनों के कारण शहर के कई सरकारी अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाएं निलंबित हैं। रेजीडेंट चिकित्सक विरोध प्रदर्शन के लिए पूर्वाह्न 11 बजे जंतर-मंतर पर पहुंचे। शनिवार के बाद यह उनकी दूसरी सभा थी। इस दौरान दोषियों को सजा दो और शौक नहीं, मजबूरी है ये हड़ताल जरूरी है जैसे नारे गूंजते रहे। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की चिकित्सक राधिका शर्मा ने कहा, न केवल एक चिकित्सक के रूप में बल्कि एक महिला के रूप में भी मैं कार्य करते समय अक्सर असुरक्षित महसूस करती हूं। मुझे कार्य के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती है और लगातार अपनी सुरक्षा के बारे में सोचना पड़ता है, अक्सर सुरक्षा के लिए कुछ साथ रखती हूं। एक अन्य प्रदर्शनकारी चिकित्सक ने कहा, हम इसे राष्ट्रीय मुद्दा मानने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आभारी हैं, लेकिन हम हड़ताल जारी रख रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि यह मुद्दा जल्द से जल्द निष्कर्ष पर पहुंचे।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जीटीबी, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और उससे जुड़े अस्पतालों ने मौन प्रदर्शन में भाग लेने का अनुरोध करते हुए अलग-अलग बयान जारी किए हैं। दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के सदस्य, फेडरेशन आफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोरडा) और फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन(एफएआईएमए) के साथ मिलकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को सेमीनार हॉल के भीतर चिकित्सक का शव पाया गया था जिस पर गंभीर चोटों के निशान थे। कोलकाता पुलिस ने इस घटना के संबंध में अगले दिन एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

युवक का शव कमरे से बरामद, हत्या का केस दर्ज

नई दिल्ली। द्वारका के डाबड़ी इलाके में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि युवक का शव सड़ी गली अवस्था में उसके घर से बरामद हुआ। बदबू आने पर मकान मालिक ने मामले की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार देर रात जानकारी मिली कि डाबड़ी के एक बंद घर से बदबू आ रही है, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़ा तो अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। इस मामले में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या की गई। हत्या का शक युवक की पत्नी पर जताया जा रहा है। पुलिस का ये भी मानना है कि घरेलू हिंसा में हत्या का मामला हो सकता है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय सचिन के रूप में हुई है।

शुरूआती जांच में पता चला है कि सचिन ने कुछ समय पहले ही इस मकान को किराए पर लिया था और वो अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। साथ ही लोगों ने ये भी बताया कि कुछ दिन पहले पत्नी को ताला लगा कर जाते हुए देखा गया था। उसके बाद से सचिन को किसी ने नहीं देखा। मौके पर पुलिस द्वारा फॉरेंसिक और क्राइम टीम को बुलवाकर सारे साक्ष्य उठाए गए और जांच की जा रही है। इसके अलावा सचिन के रिश्तेदारों के बारे में भी पुलिस पता लग रही है ताकि पुलिस को जानकारी मिल सके कि सचिन का अपनी पत्नी के साथ कोई झगड़ा चल रहा था क्या। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा में हुई हत्या मामले के तीन अरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में पुरानी रंजिश को लेकर हुई हत्या के तीन आरोपियों को उत्तरी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने दबोचा है। आरोपियों के पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक और एक देसी पिस्तौल बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में नितिन, शेखर और आकाश उर्फ अलीजान शामिल हैं। ये तीनों गौतमबुद्ध नगर के गांव लुक्सर के रहने वाले हैं। जिले के डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि सोमवार को उत्तरी जिले के स्पेशल स्टाफ टीम को गत 17 अगस्त को गौतमबुद्ध नगर के गांव लुक्सर में विनय नामक व्यक्ति की हत्या में वांछित चल रहे तीन आरोपियों के मजनू का टीला इलाके में होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने इन्हें दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी नितिन ने बताया कि उसकी और विनय के बीच आरओ प्लांट के कामकाज को लेकर अनबन हो गई थी। इसके बाद 17 अगस्त को उसने विनय पर पांच राउंड फायर किया और फिर अपने साथियों शेखर और आकाश के साथ भाग गया था।

PUBLIC NOTICE

It is to informed to the public at large that oneMrs. Renu (Adhar-8046 6530 4959) W/o Mr. Jai Dev r/o WZ-104, ChhotiyalMohallaPalam Village, Palam Village South West Delhi-110045, the property i.e.Second Floor (Back side) without roof rights "said floor" part of Plot No. 103, area measuring 80 sq. yrds., out of Khasra No. 400, situated in the colony known as Block-V, Sector-D, Bhagwati Vihar, area of village Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi, hereinafter referred to as "said property", having acquired the same by virtue ofGPA, ATS, Will's dated 15.01.2024 executed by 1) M/s. Sarvshiva Sales & Construction LLP (25% undivided share) through its partner Mr. Amit Mittal 2) Mr. Sunil Kumar (25% undivided share) 3) Mrs. Shakuntala Devi (50% undivided share) in favour of Mrs. Renu in respect of the Second Floor (Back side) without roof rights). Against said Property, Satin Housing Finance Limited. (our client) is giving a Housing Loan to one(Applicant)Mr. Rohit Kumar S/o Mr. Sushil Kumar (Co- applicant) Mrs. Vasanti Deviw/o Sh. Sushil Kumar r/o Babhantoli, Kako, Jehanabad, Bihar-804418 who would purchase the said property from the Present owner i.e. Mrs. Renu W/o Mr. Jai Dev. It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/ right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

DharmenderKamti
AddressA-2/162- 163,
Lower Ground Floor,
Safdarjung Enclave,
Delhi-110029
Mob: No: 7048947032

गरवारे हाई-टेक फिल्म्स ने दिल्ली में पेंट प्रोटेक्शन फिल्म एप्लीकेशन स्टूडियो का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली, 20 अगस्त 2024 गरवारे हाई-टेक फिल्म्स लिमिटेड (GHFL), विशेष फिल्म उद्योग में अग्रणी खिलाड़ी, गर्व से अपने अत्याधुनिक पेंट प्रोटेक्शन फिल्म एप्लीकेशन स्टूडियो का दिल्ली में भव्य उद्घाटन की घोषणा करता है। यह मील का पत्थर GHFL की श्रेष्ठ वाहन सुरक्षा समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण विस्तार को चिह्नित करता है और इसके नवाचार में नेतृत्व को और भी मजबूत करता है। जम्मू स्टूडियो का उद्घाटन श्री धर्मेंद्र कपूर, उपाध्यक्ष GHFL, श्री अर्जुन कपूर सूरी, महाप्रबंधक GHFL द्वारा किया गया, और उनके साथ श्री रतनिश कसाना - क्षेत्रीय प्रमुख GHFL, श्री सुमित मित्तल थ्रोटल स्टूडियो मालिक भी शामिल थे। गरवारे हाई-टेक की 90 वर्षों की शानदार विरासत के साथ, यह भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में उत्कृष्टता का पर्याय बन गया है। दुनिया की नंबर 1* पूरी तरह से एकीकृत चिप से फिल्म प्रौद्योगिकी कंपनी के रूप में, GHFLतकनीकी प्रगति के अग्रिम पंक्ति में खड़ा है, जो भारतीय और वैश्विक बाजार के लिए उच्च-प्रदर्शन वाली फिल्में बनाता है। कंपनी के उत्पाद 100 से अधिक देशों में निर्यात किए जाते हैं, जो इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा और गुणवत्ता के प्रति समर्पण को उजागर करते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री धर्मेंद्र कपूर उपाध्यक्ष, बिक्री और विपणन ने कहा, दिल्ली में गरवारे एप्लीकेशन स्टूडियो का उद्घाटन ग्राहक-केंद्रितता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह अत्याधुनिक सुविधा हमारे नवोन्मेषी उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में कार्य करेगी, जिससे हमारे ग्राहकों को हमारी उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। यह रणनीतिक पहल हमारे बाजार में उपस्थिति को बढ़ावा देने और कुल बिक्री वृद्धि को संचालित करने के लिए तैयार है, जिससे उद्योग में हमारे नेता के रूप में स्थिति को और मजबूत किया जाएगा। नया पेंट प्रोटेक्शन फिल्म स्टूडियो GHFL के नवीनतम उत्पाद पेशकशों को प्रदर्शित करेगा, जो ऑटोमोटिव उद्योग की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये उच्च-प्रौद्योगिकी फिल्में अद्वितीय सुरक्षा प्रदान करती हैं, जिससे वाहनों की स्थायित्व और सौंदर्य में सुधार होता है

हत्या की गुत्थी सुलझी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीमापुरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने महज थप्पड़ मारने पर युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना 16 अगस्त की रात की है। मृतक की पहचान आसिफ उर्फ आशु (24) के रूप में हुई थी। आरोपित की पहचान अजीम आसिफ के रूप में हुई है। आरोपित और मृतक आपस में दोस्त थे। पुलिस के मुताबिक सीमापुरी बस डिपो के पास चाय पीने के दौरान हुए विवाद में आसिफ ने अजीम को थप्पड़ मार दिया था। इस बीच अचानक अजीम ने पिस्टल निकालकर आसिफ पर गोली चला दी। बाद में आरोपित फरार हो गया। पुलिस ने करीब 300 किलोमीटर पीछा करने के बाद आरोपित को दबोचा है। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। शाहदरा जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 16 अगस्त की रात को सीमापुरी बस डिपो के पास आसिफ नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आसिफ परिवार के साथ सीमापुरी इलाके में अपनी मां और छोटे भाई के साथ रहता था। इसकी तीन बहनों की शादी हो चुकी है। वह लोनी में जींस की फैक्टरी में काम करता था। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया है कि बात-चीत के दौरान आशु ने उसे थप्पड़ मार दिया था

दोस्त की गोली मारकर हत्या करने वाला शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के सीमापुरी इलाके में शुक्रवार को एक युवक ने केवल थप्पड़ मारने पर अपने दोस्त की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने मृतक आसिफ उर्फ आशु के दोस्त अजीम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसे करीब 300 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद दबोचा है। अजीम के पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल बरामद कर ली गई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वे दोनों एक दूसरे को पिछले कई सालों से जानते थे। सीमापुरी बस डिपो के पास रात करीब दो बजे चाय पीने के दौरान दोनों के बीच मामूली बहस हो गई थी। इसी दौरान आसिफ ने अजीम को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद अजीम ने गुस्से में पिस्टल निकाली और गोली मारकर आसिफ की हत्या कर दी।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि शुक्रवार की रात सीमापुरी बस डिपो के पास गोली मारकर हत्या की पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान आसिफ के रूप में की। जांच में पता चला कि आसिफ सीमापुरी इलाके में अपनी मां और छोटे भाई के साथ रहता था। इसकी तीन बहनें भी हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। वह लोनी में जींस की एक फैक्टरी में काम करता था। मामले में एक चश्मदीद मुजाहिद अली खान ने बताया कि अजीम और आसिफ में किसी बात पर बहस हुई थी। जांच में पता चला कि आरोपी अजीम मूलरूप से उत्तर प्रदेश के धामपुर का रहने वाला है और वारदात के बाद वह गांव भाग गया है। दिल्ली पुलिस धामपुर स्थित उसके गांव पहुंची। वहां पता चला कि आरोपी नगीना, बिजनौर भाग गया है। इसके बाद पुलिस 300 किलोमीटर तक आरोपी का पीछा करती रही और फिर आरोपी के वापस दिल्ली में पहुंचने की सूचना मिली। इस सूचना के बाद पुलिस ने वारदात के करीब 60 घंटे के भीतर उसे नंद नगरी इलाके से दबोच लिया।

जेल प्रशासन ने सीएम से मिलने की अनुमति नहीं दीः संदीप पाठक

नई दिल्ली । आप के राज्यसभा सांसद संदीप कुमार पाठक ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी कि जेल प्रशासन की ओर से उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने की अनुमति न देने का फैसला मनमाना, अवैध और पूरी तरह अनुचित है। जेल प्रशासन ने अप्रैल में पाठक को दो बार केजरीवाल से मिलने की अनुमति दी थी, लेकिन इस बार उन्हें अनुमति देने से इनकार कर दिया। जेल प्रशासन का दावा है

एक ही टिकट से कर सकेंगे मेट्रो और नमो भारत ट्रेन में सफर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो और नमो भारत ट्रेन की भविष्य में एक टिकट से यात्रा हो सकेगी। इसके लिए डीएमआरसी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। डीएमआरसी और एनसीआरटीसी की टिकटिंग प्रणाली एक होने से से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। समझौता ज्ञापन पर डीएमआरसी के एमडी डॉ. विकास कुमार और एनसीआरटीसी के एमडी शलभ गोयल की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर एनसीआरटीसी और डीएमआरसी क्यूआर कोड टिकट दोनों खरीदने की सुविधा मिलेगी। एनसीआरटीसी टिकट डीएमआरसी सारथी (मोमेंटम 2.0) ऐप पर खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे, और डीएमआरसी क्यूआर टिकट एनसीआरटीसी मोबाइल ऐप के माध्यम से खरीदे जा सकते हैं। अधिकारियों ने कहा, इस पहल से एनसीआरटीसी, डीएमआरसी स्टेशनों पर कतारों को कम कर, यात्रियों का समय बचा सकेंगे। साथ ही डिजिटल लेनदेन और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रणः–

1	कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/दिल्ली के तहत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/कार्य/दिल्ली/लाइन के अनुभाग में पीटीएनआर स्टेशन पर माल शेड का विकास।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु. 5,68,88,958.96 (पाँच करोड़ अड़सठ लाख अट्ठासी हजार नौ सौ अट्ठावन रुपये और छियानवे पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	रु. 4,34,500.00 (चार लाख चौंतीस हजार पांच सौ रूपये मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	13.09.2024 को 15:00 तक
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध
7	आवंटन	20536203

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। सं. 128–W/280/ई–निविदा सूचना/28/2024–25/W–3, दिनांकः 20.08.2024 2607/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आतिशी ने मैदान गढ़ी, छतरपुर में सरकारी स्कूल के नए एकेडमिक ब्लॉक का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार की शिक्षा मंत्री आतिशी ने मैदान गढ़ी, छतरपुर में सरकारी स्कूल के नए एकेडमिक ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस स्कूल के 4 मंजिला नये ब्लॉक में 20 कमरे, नई लैब और लाइब्रेरी समेत कई अन्य विश्वस्तरीय सुविधाएं हैं।

आतिशी ने इस मौके पर कहा कि जिस मैदान गढ़ी गांव में सड़क बनाने तक की जगह नहीं है, वहां दिल्ली सरकार ने शानदार 4 मंजिला स्कूल बनाया है। कुछ साल पहले यहां टूटे हुई टिन के कमरे में स्कूल चलता था। माता-पिता अपने बच्चों को यहां दिल पर पत्थर रखकर भेजते थे। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। मैदानगढ़ी और उसके आस पास के बच्चे यहां विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त करेंगे। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में शिक्षा क्रांति की शुरूआत 2015 से हुई। उससे पहले दिल्ली के सरकारी स्कूल बदहाल थे। हर तरफ बदबू आती थी। शिक्षक नहीं होते थे। स्कूलों की बदहाली की वजह से बच्चे स्कूल नहीं आते थे। माता-पिता भी जर्जर भवनों में चल रहे स्कूलों में बच्चों को भेजने से बचते थे। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था खस्ताहाल थी। आतिशी के मुताबिक दिल्ली में गरीब परिवारों के बच्चे पहले अच्छी शिक्षा से वंचित रह जाते थे, लेकिन 2015 में चमत्कार हुआ और दिल्ली के हाथ की लकीर बदलने वाले अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने राज्य के बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा के लिए दिया। बजट का इतना बड़ा हिस्सा शिक्षा पर देश के किसी और राज्य में नहीं लगाया जाता है। दिल्ली सरकार ने स्कूलों की हालत सुधारने के साथ-साथ अध्यापकों को विदेशों में ट्रेनिंग के लिए भेजा। दिल्ली के सरकारी स्कूल के शिक्षकों को कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और सिंगापुर में ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। इसके अलावा आईआईएम अहमदाबाद में प्रिंसिपल्स को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। शिक्षकों की ट्रेनिंग का बजट 10 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपए कर दिया गया।

आतिशी ने कहा कि केजरीवाल सरकार की शिक्षा क्रांति का असर दिल्ली में दिख रहा है। अब सरकारी स्कूलों में एडमिशन के लिए सिफारिश आती है। सरकारी स्कूलों के नतीजे प्राइवेट स्कूलों से बेहतर आ रहे हैं। पिछले 3 साल में 4 लाख से ज्यादा बच्चों ने प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर सरकारी स्कूलों में एडमिशन लिया है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब जेईई नीट का एग्जाम क्लियर कर रहे हैं। आतिशी के मुताबिक, केजरीवाल ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को सुधार के बच्चों की अच्छी शिक्षा का इंतजाम किया। उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक बनाकर और सरकारी अस्पतालों को अच्छा कर दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारा। उन्होंने बिजली-पानी मुफ़्त कर जनता को महंगाई की मार से बचाया। महिलाओं को मुफ़्त बस यात्रा की सुविधा देकर उन्हें मजबूत बनाया। दिल्ली के लोगों ने एक पढ़े-लिखे व्यक्ति को अपना मुख्यमंत्री चुना है और उनके जनहित के कामों से परेशान होकर बीजेपी ने केजरीवाल को जेल भेज दिया। लेकिन इसके बावजूद आप सरकार दिल्ली वालों के काम करती जा रही

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरूवार, 22 अगस्त, 2024

केंद्र से महिला सुरक्षा पर कड़े कानून बनाने की मांग को लेकर आप महिला विंग का हल्ला बोल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कोतकाता समेत देश भर में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार और बलात्कार की घटनाओं से आहत आदमी पार्टी ने बुधवार को इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार से कड़े कानून बनाने की मांग करते हुए आप दिल्ली महिला मोर्चा के सदस्यों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा की अध्यक्ष सारिका चौधरी और विधायक प्रीति तोमर के नेतृत्व में आप की महिला पार्षद और कार्यकर्ता महात्मा गांधी की समाधि स्थल राजघाट पहुंचकर शांति प्रार्थना सभा में भाग लिया और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान महिला विंग ने कहा कि महिला अत्याचार के मामले में सभी पार्टियों को राजनीति करने के बजाय एकजुट होना चाहिए और महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले दोषियों को सख्त सजा दिलाने पर जोर देना चाहिए। साथ ही, ऐसे जघन्य अपराधों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई होनी चाहिए और दोषित को छह महीने में मौत की सजा दिलाई जानी चाहिए।

कोलकाता में हुई घिनौनी घटना और देशभर में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार तथा बलात्कार की घटनाओं के खिलाफ, पीड़ित महिलाओं को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी की महिला विंग ने राजघाट स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रदर्शन किया। आप की महिला विंग द्वारा आयोजित शांति प्रार्थना सभा में विधायक प्रीति तोमर, धनवती चंदेला और राज्य महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी समेत अन्य महिला पार्षद और कार्यकर्ता शामिल हुईं। इस दौरान महिला विंग ने महिलाओं पर अत्याचार, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान, हत्यारे को फांसी दो, देश की बेटी को न्याय दो के जमकर नारे लगाए। आम आदमी पार्टी महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी ने कहा कि देश में जिस तरह महिलाओं के साथ घटनाएं बढ़ रही हैं, उससे हम बहुत दुखी हैं। चाहे वह पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार या देश के किसी भी हिस्से में हो रही हों। हम हर रोज अखबार में बलात्कार की खबरें पढ़ते हैं। आज छोटी-छोटी बच्चियों के साथ भी बलात्कार हो रहा है। केंद्र सरकार को इस पर सख्त कानून बनाना चाहिए। बच्चों के साथ ऐसे जघन्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, और इसे फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द से जल्द निपटाना चाहिए। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। छह महीने के भीतर अपराधियों को मौत की सजा मिलनी चाहिए, चाहे वह देश के किसी भी हिस्से में हो। हम चाहते हैं कि सीबीआई जल्द से जल्द जांच करके आरजी कर अस्पताल की घटना के तथ्यों का पता लगाए। हमारी मांग है कि जो भी इस घटना में शामिल हो, उन्हें मौत की सजा होनी चाहिए।

इस दौरान आप विधायक प्रीति तोमर ने कहा कि हमने गांधी जी के सामने अत्याचार की शिकार बेटी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दरिंदों को एक दिन सजा तो मिल ही जाएगी, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि क्या एक मां-बाप की बेटी वापस आ जाएगी। इस तरह से रेप की घटना को अंजाम देना और उसके बाद उसकी हत्या कर देना, आज 12 साल बाद दूसरी निर्भया का केस हमारे सामने आया है। फर्क सिर्फ इतना है कि वह डॉक्टर थीं और यह घटना अस्पताल के अंदर हुई। ऐसे दरिंदों की हिम्मत बहुत बढ़ गई है। सवाल यह नहीं है कि इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, बल्कि सवाल यह है कि महिलाओं के साथ हो रहे ऐसे अपराधों की गिनती भी पूरी तरह से नहीं हो पाती है। क्योंकि न्याय मिलने में सालों लग जाते हैं और इतने समय में और कई घटनाएं हो जाती हैं। ऐसे में इन अपराधियों के मन में डर कैसे बैठेगा? पुलिस थानों में रिपोर्ट दर्ज नहीं होती है, और अगर हो भी जाती है तो अपराधी जल्द ही जमानत पर छूट जाते हैं या फिर धमकियों के चलते घटनाओं को दबा दिया जाता है। आज मां-बाप अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कुछ घटनाएं दबा दी जाती हैं और कई मामले सामने भी नहीं आते। प्रीति तोमर ने आगे कहा कि केंद्र सरकार को डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए जल्द से जल्द सख्त कानून बनाकर लागू करना चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर इस तरह की घटनाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहिए। राजनीति बाद में भी हो सकती है, लेकिन सबसे पहले हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने होंगे। हमारे देश में पहले से ही कई कानून हैं, परंतु उन पर अमल नहीं होता है। न्यायालयों को भी इस दिशा में त्वरित न्याय देने की ओर ध्यान देना होगा।

करंट लगने से बच्चे की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर पश्चिमी जिले के शालीमार बाग इलाके में एक सात साल के बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक ई-रिक्शा की अवैध पार्किंग में बच्चे को करंट लगा है। नगर निगम के शौचालय के सामने अवैध तरीके से ई-रिक्शा को चार्ज किया जा रहा था। शालीमार बाग थाना पुलिस ने इस मामले में पार्किंग माफिया समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के वक्त वहां आंगनबाड़ी में काम करने वाली एक महिला और पड़ोस में रहने वाले एक लड़के ने बच्चे को रिक्शे के पास नीचे गिरा पड़ा देखा तो उनको यह समझते देर नहीं लगी कि शायद इस बच्चे को करंट लगा है। उन्होंने तुरंत वहां शोर मचाया और वे बच्चे के हाथ पैर मसलने लगे। उसकी जान बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन उसकी हालत में सुधार न होता देख उसको तुरंत बच्चे के परिजन अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। चश्मदीदों की मानें तो इस अवैध पार्किंग में यह कोई ऐसा पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई लोगों को यहां पर करंट लग चुका है। पहले भी करंट लगने से एक मौत हो चुकी है। इसके बावजूद भी यहां पर प्रशासन की मिलीभगत से अवैध पार्किंग धड़ल्ले से चलाई जा रही है।

सक्सेना ने गोल्डन लाइन पर छतरपुर और छतरपुर मंदिर स्टेशन के बीच बने सुरंग का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को तुगलकाबाद-एयरोसिटी गलियारे (कॉरिडोर) के गोल्डन लाइन पर छतरपुर और छतरपुर मंदिर स्टेशन के बीच बने सुरंग का उद्घाटन किया। इस मौक पर श्री सक्सेना ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम को बधाई देते हुए कहा, मैं इस सफलता के लिए डीएमआरसी और उसकी पूरी टीम को बधाई देना चाहता हूं। आज डीएमआरसी ने छतरपुर और छतरपुर मंदिर के बीच 865 मीटर लंबे रूट का काम पूरा किया है। उन्होंने करीब पांच महीने में इस चैनल को बनाया है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के समारोह लोगों को दिखाए जाने चाहिए, क्योंकि इससे लोगों को पता चलता है कि किसी चीज को बनाने में कितनी मेहनत लगी है। उन्होंने कहा, अगर मैं कहूं कि मौजूदा समय में दिल्ली मेट्रो दिल्ली की जीवनरेखा बन गई है, तो गलत नहीं होगा। हम दिल्ली के अंदर डीएमआरसी के नेटवर्क का जितना संभव हो सके उतना विस्तार करने की कोशिश करेंगे।

दिल्ली मेट्रो ने चौथे चरण में तुगलकाबाद-एरोसिटी गलियारे पर गोल्डन लाइन के निर्माण का काम जोरशोर से चल रहा है। इस गलिया में छतरपुर और छतरपुर मंदिर स्टेशन के बीच सुरक्ष के निर्माण के लिए 97 मीटर लंबी टनल बोरिंग मशीन (टीएमबी) का इस्तेमाल किया गया।

गौरतलब है कि इस लाइन पर आवाजाही के लिए दो सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें से एक काम पूरा हो गया है और दूसरे के निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

डीएमआर से अनुसार इस सुरंग का निर्माण लगभग 15 मीटर की गहराई में किया गया है। सुरंग में लगभग 618 रिंग लगाए गए हैं और इसका व्यास 5.8 मीटर है। डीएमआरसी ने बताया कि सुरंग के निर्माण कार्य में 66 केवी विद्युत एचटी लाइन को स्थानांतरित करने जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, येलो लाइन पर मेट्रो ट्रेन संचालन को बिना बाधित किए मौजूदा येलो लाइन वायाडक्ट के नीचे टीबीएम को पार किया गया। डीएमआरसी के अनुसार इस सुरंग का निर्माण ईपीबीएम (पृथ्वी दबाव संतुलन प्रणाली) की प्रौद्योगिकी के साथ किया गया है। मुंडका में पूरी तरह से मैकेनाइज्ड कास्टिंग यार्ड में सुरंग के रिंग बनाये गये। इन कंक्रीट खंडों को मजबूती प्राप्त करने के लिए भाप शोधन प्रणाली का इस्तेमाल किया गया है।

डीएमआरसी ने बताया कि अब तक मेट्रो के चौथे चरण के तहत 40.109 किलोमीटर भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जाएगा। इस गलियारे में 19.343 किलोमीटर के भूमिगत खंड होंगे।

उल्लेखनीय है कि टीबीएमएस विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में भूमिगत सुरंग निर्माण कार्य के लिए उपयोगी है। डीएमआरसी पहले चरण से ही अपने सुरंग कार्य के लिए टीबीएमएस का उपयोग कर रहा है। तीसरे चरण में जब लगभग 50 किलोमीटर भूमिगत खंड बनाए गए थे, तो लगभग 30 टीबीएमएस को खुदाई के काम में लगाया गया था।

जेएनयू की कुलपति ने प्रदर्शनकारी छात्रों से भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

जेएनयू की कुलपति शांतिश्री डी. पंडित ने छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर विश्वविद्यालय के कथित गैर-जिम्मेदाराना रवैये के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बुधवार को मुलाकात की और उनसे भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया। बुधवार को हड़ताल का दसवां दिन था। छात्र 11 अगस्त से मांग कर रहे हैं कि कुलपति उनसे मिलें और उनकी मांगों पर गौर करें। उनकी मांगों में जाति जनगणना, परिसर में प्रदर्शनों पर प्रतिबंध हटाना और परिसर में प्रदर्शनों में भाग लेने वाले छात्रों के खिलाफ शुरू की गई जांच को वापस लेना भी शामिल है। एक कथित वीडियो में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति प्रदर्शनकारियों को भूख हड़ताल खत्म करने के लिए मनाने की कोशिश करते नजर आ रही हैं।

वीडियो में पंडित को प्रदर्शनकारियों से यह कहते हुए सुना जा सकता है, ह्यह्यमैं आप सभी के लिए जो कुछ भी कर सकती हूं, कर रही हूं। आप सभी मेरे बच्चों की तरह हैं और मैं आपसे इस हड़ताल को समाप्त करने का अनुरोध कर रही हूं। इससे मुझे बुरा लग रहा है। मैं भी पिछड़े वर्ग से आती हूं और मैं जानती हूं कि यहां तक पहुंचने के लिए आपको किस संघर्ष का सामना करना पड़ा वीडियो में कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के अध्यक्ष धनंजय से भूख हड़ताल समाप्त करने का अनुरोध करती नजर आ रही हैं। छात्रों के खिलाफ जांच वापस लेने की मांग पर पंडित ने कहा, मैं अदालत के खिलाफ नहीं जा सकती। मैंने कई छात्रों पर लगाए गए जुमार्ने को वापस ले लिया है। लेकिन आपमें से जो लोग अदालत गए, मैं इस बारे में कुछ नहीं कर सकती क्योंकि मामला अदालत में है ।छात्र डीन मनुराधा चौधरी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी फौजिया फिरदौस ओजैर भी विरोध स्थल पर मौजूद थीं। कई छात्रों को स्वास्थ्य खराब होने के बाद अपनी भूख हड़ताल समाप्त करनी पड़ी। सोमवार को दो छात्रों की हालत बिगड़ने पर जेएनयू के स्वास्थ्य केंद्र ने उन्हें एम्स रेफर कर दिया था। उन्होंने हालांकि अपना विरोध-प्रदर्शन जारी रखने के लिए इलाज कराने से इनकार कर दिया था।

दलित समाज के लोगों ने शांति मार्च निकालकर एसडीएम को सौपा ज्ञापन

अमरोहा/गजरौला।अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण में सुप्रीम कोर्ट द्वारा वर्गीकरण करने के आदेश के विरोध में अखिल भारतीय आंबेडकर युवक संघ के संयोजन में शांति मार्च निकाला गया। दलित समाज से जुड़े कई अन्य संगठन भी शामिल रहे। शांति मार्च के चौपला पहुंचने पर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। शांति मार्च में बसपा और आजाद समाज पार्टी के साथ भीम आर्मी कार्यकर्ता भी शामिल हुए। शांति मार्च नगर के मोहल्ला आंबेडकर नगर स्थित डा. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा से शुरू हुआ, जो शहर के विभिन्न मार्गों अगला से होता हुआ चौपला पहुंचा। वहां एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन लेख वक्ताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ द्वारा अनुसूचित जाति 5 जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण करने के निर्णय को केंद्र सरकार को कानून बनाकर शून्य कर देना चाहिए। कहा कि इस विषय को संविधान की नौंवी अनुसूची के तहत भेजना चाहिए। शांति मार्च में ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग ट्रैक्टर-ट्रालियों में सवार होकर भी पहुंचे। इस दौरान बसपा के उत्तराखंड प्रभारी जाफर मलिक, मुरादाबाद मंडल कोआर्डिनेटर व पूर्व विधायक हरपाल सिंह, अखिल भारतीय आंबेडकर युवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मौर्य, अखिल भारतीय आंबेडकर युवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मौर्य, प्रोफेसर ओमकार सिंह, करन सिंह, जयवीर सिंह, विकेश कुमार, नेता होरी सिंह, प्रीतम सिंह, पनवेश्वरी लाल, चंद्रपाल सिंह, किरनपाल सिंह, विजयपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, गोपाल सिंह आदि मौजूद रहे। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस की भी कड़ी चौकसी रही। ज्ञापन सौंपने के बाद शांति मार्च निकालने वाले लोग रैली की शक्ल में वाहनों से अमरोहा की ओर रवाना हो गए।

तिलक विहार दंगा पीड़ित कालोनी के लोग गुस्से में?

- पुलिस के साथ अजर बिजली मीटर उतारने का आरोप
- लोगों का कहना 2017 में उट ने की थी माफी की घोषणा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

तिलक विहार इलाके में लगभग 40 साल से रह रहे दंगा पीड़ित कॉलोनी के लोग खासकर बुजुर्ग महिलाएं। आजकल काफी गुस्से में हैं। क्योंकि यहां पर हर एक कुछ दिन के बाद बिजली कंपनी के कर्मचारी पुलिस को लेकर पहुंचते हैं और लोगों का मीटर काटकर ले जाते हैं। मंगलवार को भी ऐसा ही हुआ, जब बिजली कंपनी के कर्मचारी पुलिस के साथ पहुंचे और कई लोगों के घरों का मीटर काटकर ले जाने लगे। जैसे ही लोगों को बिजली कटने की जानकारी मिली, लोग इकट्ठा हो गए और हंगामा करना शुरू कर दिया। महिलाओं ने विरोध करना शुरू कर दिया। जिसके बाद मामला बिगड़ता देख बिजली के कर्मचारी वहां से निकल गए। लोगों ने स्थानीय विधायक को फोन करके मामले की सूचना दी। बुजुर्ग महिलाओं का गुस्सा इसको लेकर था, की इतनी परेशानी होने के बाद भी विधायक इस समस्या का हल नहीं करवा रहे हैं। दिलेर सिंह ने कहा की रविवार को इसी मामले को लेकर विधायक के यहां मीटिंग भी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कोई भी मीटर नहीं काटा जाएगा। लेकिन दो दिन बाद फिर से बिजली का मीटर काटने आ गए पुलिस को लेकर। दंगा पीड़ित परिवार से जुड़े रिपन सिंह ने बताया कि उनके दादाजी की दंगे में हत्या कर दी गई थी और उनके पिताजी अब तक लापता हैं। उनके घर का मीटर उतार लिया गया, उन्हें बाद में पता चला। प्रधान आत्मा सिंह लुभाना ने मौके पर बताया की बेबी कौर, अमरजीत कौर, अत्र कौर, जानकी कौर और राजू के घरों के मीटर को काट लिया गया। इनका कहना है कोई भी इनफॉरमेशन नहीं दी गई ना ही कालोनी में आकर उन्होंने कुछ बताया। घरों के बाहर लगे मीटर को वह काटने लगे, जब घर में लाइट गई तब पता चला। तिलक नगर विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी राजीव बब्बर ने बताया 2017 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां आकर इसकी घोषणा की थी कि दंगा पीड़ित का बिजली का बिल माफ होगा। लेकिन बाद में जांच के नाम पर काफी नाम को कैंसिल कर दिया गया और जो बचा उसके साथ भी यह लोग मुश्किल पैदा कर रहे हैं। जिसकी वजह से लोगों के सामने बड़ी समस्या पैदा हो गया है। इस मामले को लेकर तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह से बात करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन पिक नहीं किया। बाद में सभी पांचों मीटर वापस लगाया गया।

बदमाशों ने जबरन ऑनलाइन ट्रांसफर करवाई रकम, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली । दक्षिणी पश्चिमी जिले के स्पेशल स्टाफ और वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने बुधवार को तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों ने मिलकर भरथल गांव में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इन्होंने एक व्यक्ति से जबरन मोबाइल फोन से ऑनलाइन सात हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए थे। इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार और मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान यूपी के बुलंदशहर निवासी सचिन शर्मा, विष्णु और किलोकरी निवासी रोहित के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 14 अगस्त को वसंत कुंज साउथ थाने में लूट की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता बृजेश ने बताया कि वह द्वारका के भरथल गांव का रहने वाला है। 13 अगस्त की रात कार सवार बदमाशों ने उसकी गर्दन पर चाकू रखकर सात हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए थे। इस दौरान वह रेडिशन ब्लू होटल, महिपालपुर के पास अपने भाई का इंतजार कर रहा था। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी टीम की मदद से आरोपियों की तलाश में लाजपत नगर, ईस्ट ऑफ कैलाश, तुगलकाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, जिरोली और यावापुर में छापेमारी की और आरोपियों को उत्तर प्रदेश के जिरोली और यावापुर गांव से गिरफ्तार कर लिया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिले वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक डॉ सुधीर गिरि

अमरोहा। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान एवं वेंकटेश्वर समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ सुधीर गिरि ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें आगामी 6 सितंबर को होने जा रहे विश्वविद्यालय के ह्लदसवें दीक्षांत समारोहह्व में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इसके साथ ही श्री सुधीर गिरि ने वेंकटेश्वरा समूह द्वारा पिछले ढाई दशक में उत्कृष्ट शिक्षा के साथ-साथ अंतोदय तक चलाई जा रही शानदार निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केंद्रीय मंत्री को विस्तार से बताया। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने वेंकटेश्वरा शैक्षिक समूह द्वारा गरीब और साधनविहीन बच्चों को दी जा रही शानदार उच्च शिक्षा एवं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा हर संभव मदद दिलाने का भी भरोसा दिया गया ।ह्लकेंद्रीय मंत्री भारत सरकार श्री नितिन गडकरी से संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरी हुई खास मुलाकात के बारे में विस्तार से बताते हुए समूह अध्यक्ष डॉ सुधीर गिरी के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने बताया कि आदरणीय समूह अध्यक्ष ने श्री गडकरी जी को आगामी सितंबर माह में होने जा रहे विश्वविद्यालय के ह्लदसवें दीक्षांत समारोहह्व में समारोह अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया है, जिस पर उन्होंने श्री सुधीर गिरी को आने के लिए आश्वस्त किया है। इसके साथ ही डॉ राजीव त्यागी ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे हैं शानदार कार्यों की, विशेष रूप से कोविड में किए गए असाधारण कार्यों से हजारों लोगों की जान बचाने पर उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया है, इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आने के लिए भी आश्वासन दिया है। वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरी की केंद्रीय मंत्री भारत सरकार श्री नितिन गडकरी से हुई इस शानदार शिष्टाचार भेंट पर श्री सुधीर गिरी को बधाई देने वालों का तांता लग गया। उनको बधाई देने वालों में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के सलाहकार डॉ नवल कुमार वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद डॉ ललित भारद्वाज, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुनील जिंदल, डॉ राजीव अग्रवाल, डॉ नीरज कंबोज, विश्वविद्यालय के प्रधान सलाहकार प्रो वीपीएस अरोड़ा, कुलपति प्रो डॉ कृष्णकांत दबे, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो पीयूष पांडे, डॉ राजेश सिंह, डॉ दिव्या गिरधर, डॉ वीएन झा, डॉ योगेश्वर शर्मा, डॉ तेजपाल सिंह, डॉ मोहित शर्मा, अरुण गोस्वामी, व मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि ने बधाइयां प्रेषित की हैं।

दिल्ली सरकार से वित्त पोषित 12 कॉलेजों में स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग को लेकर डूटा का धरना- प्रदर्शन कल

दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति न होने पर फोरम ने कुलपति से की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों के सामने पिछले कई साल से जहाँ सैलरी , शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति न होना व पदोन्नति के बाद उनका एरियर न मिलना , समय पर मेडिकल बिल पास न होना आदि समस्याओं से शिक्षक जूझ रहे हैं । वहीं इन 12 कॉलेजों में एक दशक से शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू न होने के कारण छात्रों की शिक्षा पर असर पड़ रहा है । बता दें कि जो तदर्थ शिक्षक लंबे समय से सरकार के इन कॉलेजों में पढ़ा रहे थे इन दो सालों में वे दूसरे कॉलेजों में स्थायी होकर चले गए है । दिल्ली सरकार के 12 कॉलेजों से शिक्षकों की संख्या लगातार घट रही है और यहाँ पर स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं हो रही है । बताया जा रहा है कि 200 से अधिक शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों व दिल्ली से बाहर के विश्वविद्यालयों / कॉलेजों में हो जाने के कारण बहुत कम तदर्थ शिक्षक बचे है । स्थिति यहाँ तक पहुंच गई है कि अतिथि शिक्षकों (गेस्ट टीचर्स) के सहारे कॉलेज चल रहे है । फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह से कॉलेजों में पुनः एडहॉक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है ताकि छात्रों की शिक्षा पर असर न पड़े । साथ ही फोरम ने दिल्ली सरकार से शत प्रतिशत वित्त पोषित 12 कॉलेजों में भी रोस्टर रजिस्टर विश्वविद्यालय प्रशासन से पास कराकर स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की है ।

फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन का कहना है कि दिल्ली सरकार का उच्च शिक्षा मॉडल एक दिखावा बनकर रह गया है ।दिल्ली सरकार की फंड कटौती , निजीकरण/स्व-वित्त पोषण नीति के खिलाफ लड़ने के लिए कमर कसने का समय आ गया है। इस नीति ने दिल्ली सरकार द्वारा वित्तपोषित 12 कॉलेजों को वित्तीय दृष्टि से दयनीय स्थिति में बदल दिया है। उन्होंने बताया है कि पिछले पांच वर्षों में 50 प्रतिशत तक फंड कटौती के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि इन कॉलेजों को बंद होने का सामना करना पड़ सकता है। डीयू के ये कॉलेज 10 साल या उससे अधिक समय से शिक्षकों या गैर-शिक्षण कर्मचारियों की एक भी स्थायी नियुक्ति नहीं कर सके। जबकि डीयू के अन्य 53 कॉलेजों ने पिछले दो वर्षों में नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इन कॉलेजों में लगभग 4700 शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति हो चुकी है और अभी भी नियुक्ति प्रक्रिया जारी है । उन्होंने बताया है कि अदिति महाविद्यालय , दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज , भाष्कराचार्य कॉलेज व आचार्य नरेन्द्रदेव कॉलेज आदि कॉलेजों ने शिक्षकों के स्थायी पदों का विज्ञापन जारी कर दिया है लेकिन बाकी 8 कॉलेजों ने अभी तक रोस्टर रजिस्टर तैयार नहीं किया है और न ही विज्ञापन जारी किए है। डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि इस शैक्षणिक सत्र में छात्रों की लगभग 50 प्रतिशत कक्षाएं प्रभावित होने या बिल्कुल भी आयोजित नहीं होने की संभावना जताई है। उन्होंने यह भी बताया है कि इन कॉलेजों में 1512 शिक्षकों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 824 शिक्षक (528 स्थायी और 296 तदर्थ शिक्षक) हैं। इन कॉलेजों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भी यही स्थिति है, 1366 की आवश्यकता के स्थान पर केवल 483 स्थायी और 285 संविदा कर्मचारी (कुल 728) हैं। इन कॉलेजों में प्रयोगशालाएँ, कार्यालय, पुस्तकालय, सामान्य रखरखाव आदि सभी बुरी तरह प्रभावित हैं और इन संस्थानों को चलाना भविष्य में असंभव होता जा रहा है। इन कॉलेजों में छात्र, शिक्षक , कर्मचारी सबसे अधिक प्रभावित हैं। शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है । जबकि कॉलेज लगभग आधी क्षमता पर चल रहे हैं। अगर सभी शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति समय पर होती तो सरकार अनुदान न देने के नाम पर कॉलेजों से पल्ला झाड़ लेती । उन्होंने यह भी बताया है कि शिक्षकों और कर्मचारियों को फंड की कमी के कारण लंबे समय से लंबित बकाया, मेडिकल बिल, एलटीसी आदि का भुगतान नहीं किया जाता है। समस्या विकराल होती जा रही है इसीलिए दिल्ली विश्वविद्यालय को दिल्ली सरकार द्वारा अनुचित फंड कटौती के मुद्दे पर अकादमिक परिषद व कार्यकारी परिषद की विशेष बैठक बुलाई जाने को लेकर फोरम कई बार लिख चुका है ।

परम संत कृपाल सिंह जी महाराज ने लाखों लोगों के जीवन को रूहानियत की ओर किया - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा 21 अगस्त, 2024 को परम संत कृपाल सिंह जी महाराज के 50वें बरसी भंडारे के अवसर पर कृपाल बाग, दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भाई-बहन उन्हें अपनी भाव-भीनी श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठे हुए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सावन कृपाल रूहानी मिशन के वर्तमान अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज का विडियो सत्संग प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि, ह्लपरम संत कृपाल सिंह जी महाराज ने विश्व शांति और मानव एकता के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने विभिन्न धर्मों, भाषाओं और आस्थाओं से संबंध रखने वाले लोगों को इकट्ठा कर यह समझाया कि हम सब पिता-परमेश्वर के एक बड़े परिवार के सदस्य हैं। उन्होंने हमें अध्यात्म के मार्ग पर चलना सिखाया और अपनी दिव्य शिक्षाओं को दूर-दूर तक फैलाकर लाखों लोगों के जीवन को रूहानियत की ओर मोड़ दिया परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चाहते थे कि हम शांति, खुशी और सदभाव का जीवन जियें। छोटी उम्र से ही उनका ध्यान पिता-परमेश्वर की ओर था। वो चाहते थे कि हम सब अपने जीवन के मुख्य ध्येय जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को इसी जीवन में पूरा करें।

आखिर में संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने दिव्य-प्रेम और आध्यात्मिकता से भरपूर अपने विश्व-व्यापी संदेश में कहा कि, ह्लयह परम संत कृपाल सिंह जी महाराज की वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण का ही परिणाम है कि आज दुनियाभर में लाखों लोग रूहानियत के मार्ग पर चल रहे हैं और प्रतिदिन ध्यान-अभ्यास में भी समय दे रहे हैं।

इस अवसर पर उनके जीवन से संबंधित अनेक फिल्में भी दिखाई गई, जिनमें यह दर्शाया गया कि किस प्रकार उन्होंने लाखों लोगों का ध्यान प्रभु की ओर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अनेक लोगों ने अपने साथ बीते रूहानी अनुभव सभी को बताए।

परम संत कृपाल सिंह जी महाराज के 50वें बरसी भंडारे के अवसर पर उनकी प्यार भरी याद में भारत के अनेक राज्यों के अलावा दिल्ली के 115 प्रमुख स्थानों पर हजारों की संख्या में लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा इसके साथ ही उन्हें मिशन का साहित्य भी निःशुल्क दिया गया। इस अवसर पर शांति अवेदना सदन, राज नगर, नई दिल्ली में कैंसर से पीड़ित भाई-बहनों को मिशन की ओर से दवाईयाँ, फल व अन्य उपयोगी वस्तुओं का मुफ्त वितरण किया गया।

विभिन्न धर्मों के संत-महात्माओं को एक ही मंच पर बिठाने का श्रेय परम संत कृपाल सिंह जी महाराज को ही जाता है। जिसके परिणामस्वरूप उनकी अध्यक्षता में चार विश्व धर्म सम्मेलन (1957, 1965, 1969, 1970) में आयोजित किए गए। जिसमें विभिन्न धर्मों के अनेक संत-महात्माओं ने भाग लेकर आपस में विचार-विमर्श कर यह अनुभव किया कि भले ही हम अलग-अलग धर्मों से संबंध रखते हों पर एक ही पिता-परमेश्वर की संतान होने के नाते हम सब आपस में भाई-बहन हैं। उनके इस महान योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

फरवरी 1974 में उन्होंने मानव एकता सम्मेलन आयोजित किया, जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गाँधी जी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा था कि, सम्राट अशोक के बाद यह पहला सम्मेलन है जो कि परम संत कृपाल सिंह जी महाराज द्वारा मानव जाति के कल्याण के लिए आयोजित किया जा रहा है। वे पहले ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने भारतीय संसद को 1 अगस्त, 1974 को संबोधित किया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 22 अगस्त, 2024

संक्षिप्त खबरें

भारत बंद का मिलाजुला रहा असर, आरा टाटानगर एक्सप्रेस पहुंची ढाई घंटा लेट

जमुई [झाझा] सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी एसटी आरक्षण में क्रिमीलियेर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ मोर्चा के द्वारा बुधवार को किए गए भारत बंद का समर्थन झाझा में एससीट एसटी के लोगों के द्वारा किया गया। अंबेडकर विचार मंच स्थल पर बड़ी तादाद में जुटे लोग का जूलूस निकला और मुख्य बाजार, पुरानी बाजार, बसस्टैंड होते हुए एनएच 333 स्थित कपूर्री चैक पहुंचा जहां लोगों ने लगभग तीस मिनट तक अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान दोनो दिशाओं में छोटी बड़ी वाहन का जाम लग गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत बताते हुए इसे वापस लेने की मांग कर रहे थे। वही दूसरी तरफ भारत बंद का असर झाझा स्टेशन पर पहुंचने वाली एकमात्र गाड़ी आरा टाटानगर एक्सप्रेस पर पड़ी जो अपने निर्धारित समय से ढाई घंटा यानि 12:30 बजे पहुंची। भारत बंद के दौरान रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ, जीआरपी मौजूद रहे तो वही दूसरी ओर झाझा में भी शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस लगातार गश्ती करते रहे। भारत बंद का यानि प्रखंड क्षेत्र में मिलाजुला असर देखने को मिला।

सावन के समापन के बाद जोर पकड़ा मीट,मुर्गा,मछली व अंडा का कारोबार

गिद्धौर। पवित्र सावन माह के समापन के बाद मीट,मुर्गा,मछली व अंडा का कारोबार फिर जोर पकड़ने लगा है। हालांकि मंगलवार को कारोबार मंदा रहा। लेकिन बुधवार दिन को उम्मीद से ज्यादा का कारोबार हुआ। गौरतलब हो की पवित्र समान माह में 80 से 90 प्रतिशत लोग पूर्णताः शाकाहारी हो जाते है। ऐसे में मीट,मुर्गा,मछली व अंडा का कारोबार करीब 90 प्रतिशत ठप पड़ जाता है। इस वजह से प्रतिदिन करीब 1लाख रुपये का कारोबार ठप हो गया था। कारोबार प्रभावित होने से मुर्गा,मछली,मीट व अंडा कारोबारियों के चेहरे पर लाली गायब हो गई थी।बताया जाता है कि गिद्धौर के व्यवसायिक मंडी और आसपास के बाजारों में मुर्गा,मछली, मीट व अंडा का प्रतिदिन करीब 1 से 2 लाख का कारोबार होता है। इस व्यवसाय से जुड़े थोक व्यवसायियों का कहना है की गिद्धौर प्रखंड में प्रतिदिन खुदरा में करीब 1 लाख का मुर्गा, मीट, मछली व अंडा का कारोबार होता है। पोल्ट्री फार्म संचालक राजेश मंडल ने बताया कि सावन माह में 90 प्रतिशत मुर्गा का कारोबार ठप हो जाता है।

अलीगंज में आरक्षण को ले भारत बंद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सड़क पर उतरे एससी एसटी समुदाय के लोग

अन्य पार्टियों का भी मिला समर्थन, बंद का दिखा असर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान के दौरान अलीगंज में विरोध प्रदर्शन का असर देखा गया। आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को एससी-एसटी, ओबीसी और आदिवासी संगठनों के द्वारा 21 अगस्त को भारत बंद किया गया है। जिसका व्यापक असर अलीगंज में भी देखा गया। बुधवार को अलीगंज में एससी-एसटी, ओबीसी और आदिवासी संगठनों के द्वारा पूर्व मुखिया नगीना रविदास की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण तरीके से अलीगंज बाजार अम्बेडकर चौक में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया । वहीं भारत बंद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई दल भी अपना समर्थन दिया। बंद की वजह से बाजार के साथ-साथ यातायात व्यवस्था पर असर पड़ा है।आपातकालीन सेवा को छोड़ सभी वाहन की लम्बी कतारें लगगई।,सुबह 8 बजे से 3 बजे अपराह्न तक मुख्य सड़क मार्ग जाम रहा ।वहीं सभा को सम्बोधित करते हुए नगीना रविदास ने कहा की माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा आरक्षण उपवर्गीकरण के विरोध में सभी वर्ग का सहयोग मिल रहा है, उन्होंने कहा की आरक्षण बचेगा तभी दलित शोषित वंचित का हक अधिकार बचेगा,अन्यथा समाजिक न्याय के विरुद्ध शोषण होगा। एससी एसटी सहित निचले वर्गो को हक अधिकार से वंचित होना पड़ेगा।, इस लिए हमलोग सभी एक जुट होकर सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं एवं इस आरक्षण में छेड़छाड़ का विरोध कर रहे हैं। वहीं संजय रविदास ने कहा की जो हमारे संबिधान निमार्ता बाबा भीमराव अम्बेडकर जो गरीबों एवं शोषितों को संविधान में जो अधिकार दिया उसे हम खोने नहीं देंगे ना ही आरक्षण उपवर्गीकरण करने देंगे। ये संविधान के खिलाफ है। वहीं जगजीवन राम ने कहा की जो संविधान अधिकार दिया है उसे हमलोग बदलने नहीं देंगे । इसके लिए हमलोग अपनी जान की बाजी भी लगा देंगे। आरक्षण के उपवर्गीकरण वापस ले नहीं तो हमलोगों का यह प्रदर्शन और तेज होगा।,हमारी 8 मांगे है जो सरकार पूरा नहीं किया तो आंदोलन तेज होगा। मौके पर सेवानिवृत शिक्षक शिव शंकर पासवान, मोहम्मद फखरुद्दीन, सेवानिवृत शिक्षक लाल किशोर चौधरी, संजय कुमार, रंजीत पासवान,बालेश्वर चौधरी, विजय पासवान, जसपाल कुमार, साहूल कुमार, राम सरोवार पासवान, उदय रविदास,जितेंद्र पासवान, उमेश रविदास, अरुण चौधरी, बिक्की कुमार,रोहित कुमार सहित अंवेदकर वादी उपस्थित थे ।

अभाविप छात्र नेता ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाया

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] एक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के तहत पूरे देश में हो रहे वृक्षारोपण के अंतर्गत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के छात्र नेता कार्तिक कुसुम यादव ने अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाना है। योजना के अनुसार, मार्च 2025 तक पूरे देश में 140 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे। इसके लिए ह्लसंपूर्ण सरकारह्व और ह्लसंपूर्ण समाजह्व की नीति अपनाई जा रही है। इस अभियान के तहत, न केवल व्यक्तिगत तौर पर, बल्कि सरकारी विभागों, गैर सरकारी संस्थाओं और समुदाय आधारित संगठनों द्वारा भी वृक्षारोपण किया जा रहा है। इस अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कार्तिक कुसुम यादव ने बताया कि पेड़ हमारी धरती के फेफड़े हैं और इन्हें बचाना हमारी जिम्मेदारी है। माँ के नाम पर पेड़ लगाकर उन्होंने न केवल अपनी माँ के प्रति सम्मान व्यक्त किया बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी अपनी प्रतिबद्धता को दशार्या। यह पहल संपूर्ण समाज के लिए एक उदाहरण है, जहां व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों से एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण किया जा रहा है। पेड़ों के माध्यम से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि यह अगली पीढ़ियों को एक सुंदर और सुरक्षित भविष्य भी प्रदान करेगा। माँ के नाम एक पेड़,ह्व अभियान, पर्यावरण संरक्षण और मातृत्व सम्मान का प्रतीक है।

उपभोक्ताओं को नही मिल पा रहा है गैस सिलेंडर, लोगों में बढ़ रही है आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों गैस सिलेंडर उपभोक्ता गैस सिलेंडर नही मिलने से परेशान है। बीते पांच दिनों से भारत गैस एजेंसी के द्वारा उपभोक्ताओं को सिलेंडर नही मिलने से घरों का चूल्हा पूरी तरह बुझ चुका है जिसके कारण लोग लकड़ी या फिर अन्य किसी संसाधन से खाना बनाने को मजबूर है। सुबह से लेकर देर शाम तक गैस उपभोक्ता इस आश पर है कि गैस सिलेंडर मिले पर लोगों को बीते चार दिनों से निराशा ही हाथ लग रही है। बीते पांच दिनों से भारत गैस एजेंसी के द्वारा उपभोक्ताओं के बीचा सिलेंडर उपलब्ध नही कराए जाने से उपभोक्ताओं में रोष उत्पन्न हो रही है। उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस ऑफीस में पूछे जाने पर लोग यह बोलते है कि गाड़ी खराब है आज शाम तक आ जाएगा लेकिन सिलेंडर उपलब्ध नही हो रहा है। कई महिलाओं ने कहा कि गैस सिलेंडर खत्म हो जाने से सुबह बच्चों को स्कूल जाने के लिए नाश्ता भी बनाकर नही दे पा रहे है जिसके कारण बच्चों को बाजार की सामग्री मजबूरन दिलवाना पड़ रहा है। गैस एजेंसी के मैनेजर कृष्णा पासवान ने बताया कि कुछ कारण से गैस सिलेंडर वाहन नही पहुंच पा रहे है। उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करने की कोशिश में जुटे हुए है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में एससी-एसटी का धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई संवाददाता सुप्रीम कोर्ट ने 01 अगस्त को कहा था कि राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति के रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेंगी।इस फैसले के विरोध में नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एण्ड आदिवासी ऑगेर्नाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासीयों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताते हुए 21 अगस्त बुधवार को भारत बंद करने का आह्वान किया था। जिसमें कांग्रेस, टीएमसी,सपा, बसपा,राजद, झामुमो,भीम आर्मी सहित कई संगठनों एवं दलों ने बंद का समर्थन किया है। जमुई जिले में भी दिखा बंद असर जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में प्रमुख बाजारों एवं चौक- चौराहों में दलित, आदिवासी एवं ओबीसी के सैकड़ों कार्यकताओं ने सुबह 08: 00 बजे से मुख्य मार्ग को अवरूद्ध कर घंटों जाम कर दिया। जिला मुख्यालय में अंबेडकर चौक पर विभिन्न संगठनों एवं दलों के कार्यकताओं ने टेन्ट लगाकर धरना प्रदर्शन किया और बाजारों को भी बंद कराते हुए नारेबाजी की। वहीं लक्ष्मीपुर प्रखंड मुख्यालय में दलित, आदिवासी (एससी एसटी) ओबीसी के सैकड़ों कार्यकताओं ने एन एच 333 मुख्य सड़क मार्ग पर चारों तरफ बांस बल्ला से घेर कर थाना रोड और गोड्डी रोड को अवरूद्ध करते हुए टेन्ट लगाकर धरना पर बैठ गए। जिससे थाना की गाड़ियां और टू व्हीलर से जरुरी कामों से निकलने वाले राहगीरों को काफी परेशानी हुई। हालांकि थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने शांति और सोहार्दपूर्ण ढंग से बंद करने का अनुरोध प्रदर्शन कारियों से किया।इस दौरान दर्जनों पुलिस पदाधिकारी सशस्त्र बल के साथ रोड के दोनों साइड ड्यूटी पर तैनात थे। वहीं मटिया बाजार में मुख्य मार्ग को अवरूद्ध कर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं एम्बुलेंस सेवा को बंद से मुक्त रखा गया है। वहीं सरकारी स्कूलों और बैंक, दवा दुकान,चाय दुकान,फल और सब्जी विक्रेताओं को भी बंद से मुक्त रखा गया है। लक्ष्मीपुर चौक पर बंद के दौरान जिला पार्षद प्रतिनिधि रामोतार पासवान, जदयू अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष ललन दास,राजद एससी एसटी के प्रदेश सदस्य केदार मूर्मू, पूर्व उप प्रमुख रंजीत पासवान, महेश दास, रामविलास दास, नरेश राणा, पूर्व मुखिया गणेश दास, रविन्द्र दास सहित भीम आर्मी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

घर में करंट की चपेट में आने से 18 वर्षीय किशोर की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के शैर गांव में करंट की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान शैर गांव के रहने वाले ब्रहमदेव मंडल का 18 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार के रूप में हुई है। करंट लगने के बाद परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां डयूटी पर तैनात डॉक्टर सदाब अहमद ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि विशाल अपने घर में था और वह घर में बने लोहे की खिड़की खोल रहा था कि तभी खिड़की में बिजली का तार का संपर्क हो गया जिससे विशाल करंट की चपेट में आ गया। घर वालों को थोड़ी देर के बाद जब नजर पड़ी तो लोगों ने उसे करंट से किसी तरह छुड़ाते हुए तुरंत अस्पताल लाया। मृत किशोर अपने घर का छोटा पुत्र था और नगर क्षेत्र स्थित महात्मा गांधी प्लस टू उच्च विद्यालय का छात्र था। डॉक्टर ने बताया कि जिस वक्त अस्पताल लाया था वह मृत था। घटना की जानकारी ग्रामीणों को मिलने के ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल में जुट गई।

आरक्षण एससी-एसटी के विकास का एक शक्तिशाली अस्त्र: प्रो.गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-भारत में अनुसूचित जाति एवं जन जातियों को संविधान के माध्यम से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान किया है। अब आजादी के 77 साल बाद आरक्षण के भीतर आरक्षण और क्रीमी लेयर लागू करने का फरमान माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी हो चुका है। इस मुद्दे को लेकर देश भर के अनुसूचित जाति / जन जाति संगठन के साथ-साथ जन प्रतिनिधियों ने भी विरोध जताया है. आज 21 अगस्त को इस मुद्दे को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन जारी है। अनुसूचित जाति /जन जाति समुदाय के लिए आरक्षण का औचित्य एवं महत्त्व विषय पर स्थानीय केकेएम कॉलेज जमुई के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि आरक्षण एससी-एसटी के उन्मेष व विकास का एक बहुत शक्तिशाली अस्त्र है। इसके बिना इन जातियों का उद्धार संभव नहीं। अतः आरक्षण में छेड़छाड़ करना और एससी-एसटीके लिए क्रीमी लेयर के कंसेप्ट को लागू करने का ना कोई औचित्य है और नहीं तो किसी को स्वीकार्य एवं शिरोधार्य है। आरक्षण स्वतंत्रता से पूर्व का अन्वेषण है। यह आजादी के बाद दलितों के लिए संवैधानिक आश्वासन है और वर्तमान समय की अनिवार्यता भी है.152 वर्ष पूर्व सन 1882 में हंटर आयोग की गर्भ से आरक्षण का जन्म हुआ था। 19वीं सदी के महान भारतीय विचारक और समाज सुधारक ज्योति वा फूले अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग अंग्रेजों से की थी। अंग्रेजों ने फूले की मांग पर ही अस्पृश्य और पिछड़े लोगों के हित में हंटर आयोग स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद 1950 में भारतीय संविधान लागू होने के साथ ही एससी एसटी के लिए बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के अनुच्छेद 15 एवं 16 के तहत शैक्षणिक संस्थानो और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था दी थी। आरक्षण का लाभ एससी एसटी के लोगों को जरूर मिला है। लेकिन यह मुट्ठी पर लोगों तक ही सीमित रह गया है। आजादी के 78 साल बाद भी ऊंचे पदों पर आसीन दलितों और आदिवासियों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। ऐसे में एससी एसटी समुदाय में क्रीमी लेयर लागू करने की आवश्यकता नहीं है। चुकी सामाजिक न्याय और समता स्थापित करने में आरक्षण शत प्रतिशत सफल नहीं हो सका है। आज भी अनुसूचित जाति, जनजातियों के साथ भेदभाव सामाजिक अन्याय जारी है और आर्थिक असमानता भी व्याप्त है। इसीलिए एससी एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना उचित नहीं जान पड़ता है। एक तरफ अन्य के लिए सभी सिद्धियों के द्वार खुले हैं। नव निधियां उनकी पांव चूमती हैं। उनके पास सारी सुविधाएं हैं। लेकिन दूसरी ओर युगों- युगों से उपेक्षित एससी-एसटी हैं, जिनका शोषण नियति और रूदन संस्कृति है। तन ढकने को कपड़े नहीं. दाने-दाने को मोहताज हैं। इस स्थिति में एससी /एसटी जाति के लिए क्रीमी लेयर लागू करने के निर्णय पर पुनर्विचार करना जरूरी है। सन 1932 में आरक्षण का कंसेप्ट और स्पष्ट हो गया था, जब गांधी जी और अंबेडकर के बीच दलितों के लिए विधानसभाओं में सीटों का आरक्षण सुनिश्चित किया गया था। यही नहीं सन 1921 में मद्रास प्रेसीडेंसी में अनुसूचित जाति के लिए आठ प्रतिशत आरक्षण हेतु सरकारी आज्ञा पत्र जारी किया गया था। माननीय उच्चतम न्यायालय को एससी / एसटी में क्रीमी लेयर लागू करने के निर्णय को वापस लेना चाहिए। इससे दलितों का हित होगा।

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क आवासीय विद्यालय हेतु करें आवेदन : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई किशनगंज एवं दरभंगा अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में जिला जमुई सहित पूरे प्रदेश से वर्ग 9 एवं वर्ग 11 के लिए बिहार सरकार की तरफ से अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को चयनित कर उनको सर्वगिण विकास हेतु उन्हें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं भावनात्मक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने जारी किया विज्ञापन। जिला पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम सिख ईसाई बौद्ध जैन पारसी) के ऐसे छात्र-छात्रा जो किशनगंज एवं दरभंगा के आवासीय विद्यालय में पढ़ने के इच्छुक हैं। उनके द्वारा कक्षा 9 एवं 11 में नामांकन हेतु 05 अगस्त से 05 सितम्बर 2024 तक अपना आवेदन समर्पित किया जा सकता है। कक्षा 9 एवं 11 में चयनित विद्यार्थियों को निशुल्क (भोजन, वस्त्र, दवा, पुस्तक) आदि की आधुनिकतम सुविधा एवं आधुनिक सुविधायुक्त प्रयोगशाला की उपलब्धता कराई जाएगी। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा अधिक जानकारी के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय जमुई से संपर्क किया जा सकता है। मौके पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी जे. एस. पांडेय एवं जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी मौजूद रहे।

जमीन विवाद में दंपति के साथ कि गई मारपीट

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के गोंगाझरना गांव में दपंति के साथ गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया, जो इलाज के लिए रेफरल अस्पताल पहुंचा जहां घायल दंपति का इलाज डॉक्टर के द्वारा किया गया। घायल दंपति की पहचान दिलीप राय और उसकी पत्नी चंपा देवी के रूप में हुई है। घायल महिला ने बताया कि मेरा केवाला किया हुआ जमीन पर गोतिया सुरेश राय जबरन कब्जा करना चाहता है जिसका विरोध लगातार हमलोग कर रहे है। बुधवार को भी वे मेरे जमीन को अपना जमीन बताते हुए विवाद शुरू कर दिया जिसका विरोध मै और पति किया तो सुरेश राय अपनी पत्नी के साथ मिलकर लाठी, डंडा से मारपीट करना शुरू कर दिया।

पीडीएस पॉश मशीन समस्या को लेकर अलीगंज प्रखंड मे लगाया मरम्मती शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज प्रखंड के कई पीडीएस दुकानदारों का पॉश मशीन की छोटी बड़ी समस्या हेतु एमओ सन्नी कुमार दिवारकर की देख रेख में बुधवार को प्रखंड संवाद कक्ष में पॉश मशीन मरम्मती का शिविर लगाया गया।,वहीं एमओ सन्नी कुमार दिवाकर ने जानकारी देते हुए बताया की प्रखंड के कई पीडीएस डीलर की पॉश मशीन में छोटी मोटी कई समस्या उत्पन्न हो गई थी।,मशीन की समस्या समाधान हेतु प्रखंड मे मरमती शिविर लगाया गया जिसमे डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मिथुन कुमार राय एवं प्रखंड कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार के द्वारा दर्जनों पीडीएस दुकानदार की पॉश मशीन मरम्मती की गई। वहीं डिस्ट्रिक्ट कोडिनेटर मिथुन कुमार राय एवं दीपक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की प्रखंड में कई डीलर का पॉश मशीन में छोटी मोटी समस्या जैसे बैटरी,नेटवर्क प्रॉब्लम,प्रिंटर एवं कई मशीन का बटन की समस्या को शिविर लगा कर समाधान किया गया।,मौके पर रिया राय , दिलीप कुमार ,सुरेश चौधरी, सियाशरण यादव , सुबोध सिंह , अनिल कुमार , मोड्ड नेहाल , संजय कुमार , धर्मेंद्र कुमार , रामसरुप यादव , कलीम उद्दीन,नरेश प्रसाद , संतोष कुमार , शालिग्राम मंडल, रेखा देवी, सहित अन्य डीलर के मशीन की समस्या का समाधान किया गया।

भारत बंद का मिलाजुला रहा असर

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी एसटी आरक्षण में क्रिमीलियेर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ मोर्चा के द्वारा बुधवार को किए गए भारत बंद का समर्थन गिद्धौर में मिला जुला असर रहा।तकरीबन प्रखंड भर में बाजार, दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान आम दिनों की तरह खुले रहे। सरकारी दफ्तरों में भी कामकाज सामान्य रूप से चला। शिक्षण संस्थानों पर बंद का असर देखा गया।दरअसल एससी एसटी आरक्षण में क्रिमीलियेर के विरोध स्वरूप आहूत भारत बंद को लेकर इसे सफल बनाने के लिए आयोजक संगठनों द्वारा काफी प्रचार प्रसार किया गया था। लेकिन इन सबके बावजूद गिद्धौर में इसका बहुत असर नहीं देखा गया। जनजीवन आमतौर पर सामान्य रहा। सुबह- सबेरे हालांकि बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान कुछ देर से खुले। व्यापारी वर्ग शायद बंद समर्थकों का रुख भांपने की कोशिश में कुछ देर के लिए अपने व्यवसाय शुरू करने से रुके रहे। लेकिन सब कुछ सामान्य देखने के बाद उन्होंने अपना कामकाज भी सामान्य रूप से चालू कर दिया।बाजारों में हालांकि चहल पहल बहुत कम रही।बंद के आह्वान को देखते हुए हालांकि यातायात अपेक्षाकृत प्रभावित हुई। लेकिन टेंपो व अन्य वाहन का परिचालन आमतौर पर सामान्य रहा।बंद के आह्वान को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह चुस्त और चौकस रहा। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या बंद समर्थकों के दबाव आदि की आशंका को देखते हुए प्रखंड भर में सुरक्षाबलों की गश्ती काफी तेज रही। सरकारी दफ्तरों, विभिन्न चौक चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं प्रमुख मार्गों पर सुरक्षाबलों की दंडाधिकारी के नेतृत्व में तैनाती रही। बंद को लेकर कहीं से किसी प्रकार गड़बड़ी या अशांति की सूचना नहीं है।

युवा आयोग की रूपरेखा के लिए बिहार प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली रवाना हुए प्रभाकर कुमार

युवा शक्ति के बल पर आजादी पलती है...उस ओर जमाना चलता है,जिस ओर जवानी चलती है...

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः-जमुई जिले के ई० अलीगंज प्रखंड के उभरते सितारे बुलन्द आवाज के साथ युवा प्रभाकर कुमार दिल्ली के भारत मण्डपम में युवा वाहिनी भारत के द्वारा आयोजित युवा आयोग की रूपरेखा को तैयार करने के लिए बिहार प्रतिनिधि के रूप में दिल्ली रवाना हुए। यह कार्यक्रम 23 से 25 अगस्त को होने जा रहा है। जिसमें देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधि मिलकर युवा आयोग के प्रारूप को तैयार करेंगे... राज्य के प्रतिनधि के रूप में प्रभाकर का चयन हुआ है..गौरतलब हो कि राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव में भी प्रभाकर कुमार ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए संसद भवन में अपनी बात रखी थी,जिनके वक्तव्य को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला और अनुराग सिंह ठाकुर ने सराहा था। सीमित संसाधनों में असीमित की प्राप्ति की चाह रखने वाले प्रदीप कुमार के पुत्र प्रभाकर कुमार एक साधारण मध्यम वर्गीय परिवार से आते हैं...बचपन से ही अपनी वक्तव्य शैली की उत्कृष्टता से पूरे प्रखंड को गौरवान्वित करते आ रहे हैं.. अपनी स्कूल की पढ़ाई इन्होंने तीर्थंकर महावीर विद्या मंदिर,लछुआड़ से अर्जित किया,जहां इन्हें इनकी अद्भुत प्रतिभा के लिए स्कूल कप्तान बनाया गया था..दशम वर्ग में 95%अंक लाकर जिला टॉपर बने प्रभाकर कुमार की 12वीं की शिक्षा एस. के.कॉलेज लोहंडा से हुई...प्रभाकर ने प्रभात खबर की टीम से बातचीत में कहा कि बिहार के प्रगति में सबसे बड़ी बाधा ह्यब्रेन ड्रेनह्ल है, यहां की प्रतिभाएं रोजगार और बेहतर अवसर की तलाश में दूसरे राज्यों में चली जाती है.. इन्हें बिहार के विकास में भागीदार बनाने के लिए हमें बिहार में बड़े स्तर पर लघु उद्योग और स्टार्ट अप पर जोर देना होगा. अपने ह्यसड़क से संसदह्ल की यात्रा पर प्रभाकर कहते हैं कि ये उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में भी राज्य में प्रथम लाकर उन्होंने एक लाख की ईनामी राशि जीती है. क्षेत्र के सभी लोग उन्हें एक उत्कृष्ट वक्ता के रूप में स्वीकार करते है... अभी वर्तमान में दीप आर्ट्स क्लासेज के कोचिंग संचालक के रूप में ये क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे...बच्चों को शिक्षित कर सशक्त बनाना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण ध्येय है..प्रभाकर कुमार अपने जीवन के संघर्ष के दौर में अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए अपनी माँ को श्रेय देते हैं.. प्रदेश के युवाओं के प्रतिनिधि के तौर पर इस युवा आयोग के रूपरेखा निर्माण प्रक्रिया में शामिल होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है...युवाओं की समस्याएं विशेषकर बेरोजगारी के लिए हुनरमंद रोजगारपरक शिक्षा के पैरोकार प्रभाकर का मानना है कि बिहार की अनदेखी अब और नहीं होनी चाहिए.. कलम से क्रांतिह्न के पक्षधर प्रभाकर कुमार कहते हैं कि बिहार ने अब करवट बदल लिया है, बिहारी होना अब कोई शर्म नहीं बल्कि गर्व का विषय बनता जा रहा ,बिहार के युवा बिहार को पुनः विश्व पटल पर उसी गौरव के साथ पुनः स्थापित करने के लिए संकल्पित है.. वहीं प्रखंड क्षेत्र के लोगो का आशीर्वाद एवं प्यार प्रभाकर कुमार के साथ है और सभी को उम्मीद है की इस बार युवा आयोग की रूप रेखा निर्मित में इनका महत्वपूर्ण योगदान होगा।

सम्पादकीय

किसानी, बेरोजगारी का चुनाव

हरियाणा में किसान और बेरोजगारी निर्णायक चुनावी मुद्दे साबित हो सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी।
संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं। हरियाणा की फसलों की खरीद सीमित है तथा हरियाणा के किसानों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री की गारंटी को ह्यचुनावी स्टंटह्न करार दिया है। किसानों का दावा है कि मुख्यमंत्री सैनी के घोषित नए एमएसपी से उन्हें 3851 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। नुकसान का यह आंकड़ा किस आधार पर तय किया गया है, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि किसान आंदोलन में हरियाणा अपेक्षाकृत सक्रिय नहीं था और न ही आंदोलन के बाद किसान नेताओं को कोई राजनीतिक सफलता मिली। पंजाब और हरियाणा में जिन किसान नेताओं ने चुनाव लड़े, वे पराजित हुए और जमानतें भी जब्त हुईं।

हरियाणा में सबसे अधिक करीब 24 फीसदी आबादी जाटों की है। वे ही अधिकतर किसानी से जुड़े हैं। उनका समर्थन भाजपा, कांग्रेस, इंनेलो, जेजेपी आदि दलों के लिए विभाजित है। सत्ता-विरोधी लहर होने के बावजूद भाजपा 5 लोकसभा सीटों पर जीती और 5 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। अब भी यही सीधा मुकाबला रहना है, क्योंकि अन्य दल बहुत कमजोर हो चुके हैं अथवा टूट-फूट कर बिखर चुके हैं। फिर भी यह चुनाव आसान नहीं होगा। हरियाणा में भाजपा सरकार और पार्टी के खिलाफ जबरदस्त लहर है। यह लहर पार्टी के भीतर भी महसूस की जा सकती है। भाजपा नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव से पूर्व ही इसे पढ़ लिया था, लिहाजा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया। वह 12 मार्च, 2024 से मुख्यमंत्री हैं। नायब सैनी ने ह्यनॉन स्टॉपह्न बैनर से अपनी सरकार का अभियान शुरू किया। अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपवाए गए और दावे किए गए कि हरियाणा हर क्षेत्र में अब ह्यनॉन स्टॉपह्न है। एमएसपी का जिक्र भी किया गया। उसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कांग्रेसी धड़े ने चुनौती दी, जिसका नारा है-ह्यहरियाणा मांगे हिसाब। ह्न कांग्रेस में शैलजा के नेतृत्व वाला भी धड़ा है और आलाकमान इस धड़ेबाजी को खत्म नहीं कर पाया है। हालांकि बेरोजगारी, किसान-संकट और रुकी, स्थिर, गतिहीन अर्थव्यवस्था आदि मुद्दे हरियाणा में अच्छी तरह परिचित रहे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के आते-आते विपक्ष ने उन्हें गरमा दिया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के डाटा के अनुसार, हरियाणा में बेरोजगारी दर सर्वाधिक है, जबकि सरकार का डाटा इसके बिल्कुल उलट है और वह बेरोजगारी के मामले में हरियाणा को चौथे स्थान पर मानती है। राज्य की औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं व रोजगार प्रभावित है।

अब पहले जैसी नहीं होगी जम्मू-कश्मीर विधानसभा

कृष्णमोहन झा

चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा की विधानसभाओं के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव तो पांच साल बाद ही हो रहे हैं लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोगों को दस साल बाद अपने राज्य की विधानसभा चुनने का अवसर मिल रहा है। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण के बाद पहली बार वहां होने वाले इन विधानसभा चुनावों पर सारे देश की नजरें टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि इस अनुच्छेद को हटाने के लिए केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को संसद में बिल पेश किया था जिसके माध्यम से सरकार ने जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया था। जाहिर सी बात है कि आसन्न चुनावों के बाद गठित होने वाली विधानसभा का स्वरूप दस वर्ष पूर्व निर्वाचित विधान सभा से काफी अलग होगा। यह भी यहां विशेष उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल अब पांच वर्षो का होगा जबकि इसके 2014 के चुनावों तक यह 6 वर्षों का हुआ करता था। चूंकि जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है इसलिए वहां वहां राज्यपाल की जगह अब उपराज्यपाल होंगे।

वर्तमान में मनोज सिंहा जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल हैं। 2014 में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 87 सीटों के लिए मतदान हुआ था जिनमें जम्मू की 37, कश्मीर घाटी की 46 और लद्दाख की 4 सीटें शामिल थीं। परिसीमन के बाद हो रहे जम्मू-कश्मीर विधानसभा के इन चुनावों में अब 90 सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान कराया जाएगा। इनमें जम्मू की 43 और कश्मीर की 47 सीटें शामिल हैं। लद्दाख अब जम्मू-कश्मीर का हिस्सा नहीं होगा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पहली बार उपराज्यपाल दो कश्मीरी प्रवासियों और एक पीओके से विस्थापित किसी व्यक्ति का मनोनयन करेंगे। कश्मीरी प्रवासी उसे 1 नवंबर 1989 के बाद राज्य के किसी भी हिस्से से पलायन करने वाले व्यक्ति को कश्मीरी प्रवासी माना जाएगा बशर्ते कि उसका नाम रिलीफ रजिस्टर में दर्ज हो। 90 सदस्यों वाली जम्मू-कश्मीर की न ई विधानसभा में अनुसूचित जाति के लिए 7 और अनुसूचित जनजाति के लिए 9 सीटें आरक्षित होंगी। पिछली विधानसभा की भांति जम्मू-कश्मीर की नयी विधानसभा में भी 24 सीटें पीओके के लिए रिजर्व रखी गई हैं जहां चुनाव नहीं कराए जा सकते।

परिसीमन के बाद जिस जम्मू-कश्मीर विधानसभा का स्वरूप बदल गया है उसी तरह जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक समीकरण भी बदल चुके हैं। 2014 में भाजपा ने जिस पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी उसकी मुखिया मेहमूदा मुफ्ती अब भाजपा की कट्टर विरोधी बन चुकी हैं। गौरतलब है कि 2014 में भाजपा और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी)की संयुक्त सरकार में मुफ्ती मोहम्मद सईद को मुख्यमंत्री पद से नवाजा गया था। जनवरी 2016 में उनका निधन हो जाने के बाद जम्मू-कश्मीर चार महीने तक राष्ट्रपति शासन के आधीन रहा। तत्पश्चात मेहबूबा मुफ्ती ने भाजपा और पीडीपी की संयुक्त सरकार की मुख्यमंत्री की शपथ ली परंतु जून 2018 में भाजपा ने मेहबूबा मुफ्ती की सरकार से समर्थन वापस ले लिया और तब से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल 30 सितंबर तक राज्य विधानसभा के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे।

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू कश्मीर की राजनीति में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अब काफी हद तक हाशिए पर जा चुकी है। राज्य में उसे अपना जनाधार सिमटने का अहसास भी हो चुका है। यही स्थिति नेशनल कांफ्रेंस की है हालांकि हाल के लोकसभा चुनावों में वह राज्य की 6 लोकसभा सीटों में से 2 सीट जीतने में कामयाब हो गई थी जबकि दो सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी और दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे। भाजपा ने जिन दो सीटों पर जीत हासिल की उन सीटों पर 2019 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए थे। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने कश्मीर की दो सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े नहीं किए थे। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के इन चुनावों में भाजपा अगर शानदार जीत हासिल करने में सफल होती है तो उसकी जीत राज्य में संविधान के अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण के उस फैसले पर भी मुहर होगी जिसके माध्यम से जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया गया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि विपक्ष में बिखराव की स्थिति का लाभ भाजपा को मिलना तय है। राज्य में कुछ छोटी छोटी पार्टियां भी अस्तित्व में आ चुकी हैं जो भाजपा का समर्थन कर सकती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने भी कांग्रेस से अलग होने के बाद अपनी एक पार्टी बना ली थी जिसके कुछ नेता फिर से कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं।

योजनाओं के समुचित लाभ से वंचित क्यों रह जाते हैं ग्रामीण?

जरूरतमंदों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजना का उन्हें बहुत अधिक पता नहीं है। वह कहती हैं कि बीमारी के कारण मैं चलने फिरने से मजबूर हूं। लोग कहते हैं कि घर बनाने के लिए सरकार से पैसा मिलता है। लेकिन इसके लिए कहां जाना होगा? किसे आवेदन देनी होगी? यह बताने वाला कोई नहीं है। पति या बेटा इसके लिए दौड़ भाग नहीं कर सकते क्योंकि वह दोनों दैनिक मजदूरी करते हैं। जिस दिन आवेदन के लिए भाग दौड़ करेंगे तो उस दिन की मजदूरी कहां से आएगी? सीता देवी कहती हैं कि हम साक्षर नहीं है इसलिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने से पीछे रह जाते हैं। वह कहती हैं कि हमारे कालबेलिया समुदाय में पहले की तुलना में सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक रूप से काफी बदलाव आया है। लेकिन अभी भी शिक्षा के प्रति बहुत अधिक गंभीरता नहीं है। जिसके कारण हमारा समाज विकास की दौड़ में पीछे रह जाता है। गौरतलब है कि जिला के घूघरा पंचायत स्थित नाचनबाड़ी गांव में कालबेलिया समुदाय की बहुलता हैं। इन्हें सरकार की ओर से अनुसूचित जनजाति समुदाय का दर्जा प्राप्त है। यहां की पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार गांव में लगभग 500 घर हैं। गांव के अधिकतर पुरुष और महिलाएं दैनिक मजदूरी करने अजमेर जाते हैं। कुछ स्थानीय चूना भट्टा पर काम करते हैं। यहां से मिलने वाली मजदूरी इतनी कम होती है कि उनके परिवार का मुश्किल से गुजारा चलता है। यही कारण है कि इस समुदाय के कई बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं आसपास के गांवों से भिक्षा मांगकर गुजारा करते है। यह समुदाय कई दशकों तक खानाबदोश जीवन गुजारता रहा है।

राकेश प्रजापत

देश के विकास में सभी नागरिकों की एक समान भागीदारी बहुत मायने रखती है। केवल शहरी और औद्योगिक क्षेत्र ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका भी विकास में प्रमुख रूप से होती है। फिर चाहे वह कृषि क्षेत्र हो या लघु उद्योग, देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सभी का बराबर का योगदान रहता है। इसके बावजूद शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रकार की बुनियादी सुविधाओं का अभाव देखने को मिलता है। हालांकि सरकार की ओर से गांव के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जाती हैं। लेकिन जागरूकता और संसाधनों का अभाव समेत कई अन्य कारणों से ग्रामीण जनता इसका लाभ उठाने से पीछे रह जाती है। राजस्थान के अजमेर का नाचनबाड़ी गांव भी ऐसा ही एक उदाहरण है, जहां ग्रामीण सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से न केवल वंचित हैं, बल्कि कई स्तरों पर उन्हें इसकी जानकारियां तक नहीं है। जिस कारण यहां के लोग विकास की दौड़ में पिछड़ते जा रहे हैं। इस संबंध में गांव की 55 वर्षीय सीता देवी अपने घर की हालत बयां करते हुए कहती हैं कि पति और बेटा दैनिक मजदूर है। प्रतिदिन मजदूरी करने अजमेर शहर जाते हैं। आमदनी इतनी ही होती है कि किसी प्रकार गुजारा चल जाए। मकान आज तक पक्का नहीं बन सका है। न ही इसमें बिजली की व्यवस्था है। घर में शौचालय तक नहीं है। जरूरतमंदों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजना का उन्हें बहुत अधिक पता नहीं है। वह कहती हैं कि बीमारी के कारण मैं चलने फिरने से मजबूर हूं। लोग कहते हैं कि घर बनाने के लिए सरकार से पैसा मिलता है। लेकिन इसके लिए कहां जाना होगा? किसे आवेदन देनी होगी? यह बताने वाला कोई नहीं है। पति या बेटा इसके लिए दौड़ भाग नहीं कर सकते क्योंकि वह दोनों दैनिक मजदूरी करते हैं। जिस दिन आवेदन के लिए भाग दौड़ करेंगे तो उस दिन की मजदूरी कहां से आएगी? सीता देवी कहती हैं कि हम साक्षर नहीं है इसलिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने से पीछे रह जाते हैं। वह कहती हैं कि हमारे कालबेलिया समुदाय में पहले की तुलना में सामाजिक, आर्थिक और वैचारिक रूप से काफी बदलाव आया है। लेकिन अभी भी शिक्षा के प्रति बहुत अधिक गंभीरता नहीं है। जिसके कारण हमारा समाज विकास की दौड़ में पीछे रह जाता है।

गौरतलब है कि जिला के घूघरा पंचायत स्थित नाचनबाड़ी गांव में कालबेलिया समुदाय की बहुलता हैं। इन्हें सरकार की ओर से अनुसूचित जनजाति समुदाय का दर्जा प्राप्त है। यहां की पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार गांव में लगभग 500 घर हैं। गांव के अधिकतर पुरुष और महिलाएं दैनिक मजदूरी करने अजमेर जाते हैं। कुछ स्थानीय चूना भट्टा पर काम करते हैं। यहां से मिलने वाली मजदूरी इतनी कम होती है कि उनके परिवार का मुश्किल से गुजारा चलता है। यही कारण है कि इस समुदाय के कई बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं आसपास के गांवों से भिक्षा मांगकर गुजारा करते है। यह समुदाय कई दशकों तक खानाबदोश जीवन गुजारता रहा है। जिसके कारण इनका कोई स्थाई ठिकाना नहीं रहा था। लेकिन अब बड़ी संख्या में इस समुदाय के लोग नाचनबाड़ी और उसके आसपास के गांवों में स्थाई रूप से आबाद हो चुके हैं। हालांकि पूर्व में विस्थापन वाला जीवन गुजारने के कारण वर्तमान में किसी के पास भी खेती के लिए अपनी जमीन नहीं है। इस समुदाय में बालिका शिक्षा की स्थिति अब भी बहुत अच्छी नहीं है। वहीं योजनाओं से लाभ प्राप्त करने की बात की जाए तो इसका स्तर भी बहुत कम नजर आता है।

इसी समुदाय की एक अन्य महिला चरमू देवी कहती हैं कि हमने सुना है कि घर बनाने के लिए सरकार पैसा देती है। इसके लिए पंचायत में आवेदन देनी होती है। लेकिन हमारे समुदाय में बहुत कम लोग साक्षर हैं। इसलिए हमें आवेदन लिखने की जानकारी नहीं है। वह कहती हैं कि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है? इसका मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं है। साक्षर नहीं होने का समुदाय को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। वह कहती हैं गांव में एक स्कूल है। जहां पांचवी तक पढ़ाई होती है। इसके आगे की शिक्षा के लिए दो किमी दूर घूघरा जाना होता है। जहां लड़के तो चले जाते हैं लेकिन माता-पिता लड़कियों की शिक्षा बंद करवा देते हैं। वहीं दिव्यांग पप्पू नाथ कालबेलिया बताते हैं कि उनका पूरा परिवार एक छोटी झोपड़ी में रहता है। न तो उसमें बिजली और न ही पानी की व्यवस्था है। किसी प्रकार गुजारा चलता है। उन्होंने दिव्यांग पेंशन स्कीम और प्रधानमंत्री आवास योजना के अतिरिक्त अन्य किसी योजनाओं का नाम भी नहीं सुना है। वह कहते हैं कि ह्नदिव्यांग होने के कारण गांव के कुछ लोग उन्हें इन योजनाओं की जानकारियां देकर चले गए लेकिन इसे कैसे शुरू कराया जाए और कहां आवेदन जमा किया जाए? इस संबंध में मदद करने वाला कोई नहीं है।

रमेश नाथ कालबेलिया कहते हैं कि उनकी तीन बेटी और एक बेटा है। सभी को उन्होंने उच्च शिक्षा दिलाया है। हालांकि 12वीं के बाद ही उन पर समुदाय की ओर से लड़कियों की शादी कराने का दबाव बढ़ने लगा था। ऐसा नहीं करने पर उन्हें समुदाय से बेदखल करने की बात भी कही गई थी। लेकिन उन्होंने इसकी परवाह किये बिना अपनी सभी लड़कियों को कॉलेज तक की शिक्षा दिलाई है। वह कहते हैं कि मैं स्वयं साक्षर नहीं हूं। लेकिन शिक्षा की महत्ता को खूब समझता हूं। इसलिए अपने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके अनुसार सरकार की ओर से किसी भी पिछड़े समुदाय के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की जाती हैं। जिसका लाभ उठाने के लिए हमें जागरूक होना आवश्यक है। जो शिक्षा से ही संभव है। इसीलिए मैंने अपने बच्चों को पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित किया। रमेश कहते हैं कि मैं अपने समुदाय में भी बच्चों की शिक्षा के लिए सभी को प्रेरित करता रहता हूं। हालांकि वह मानते हैं कि कई बार केवल जागरूकता की कमी ही नहीं, बल्कि संसाधनों तक पहुंच का अभाव भी विकास में रुकावट बन जाता है। रमेश कहते हैं कि मैं लकड़ी से सामान बनाने का काम करता हूं। लेकिन समय निकाल कर गांव की पंचायत सभा में भी न केवल नियमित रूप से शामिल होता हूँ बल्कि योजनाओं के लिए आवाज भी उठाता हूं। वह कहते हैं कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदाय के विकास के लिए सरकार की कई योजनाएं संचालित हैं, जिससे लाभान्वित होकर समुदाय न केवल अपना बल्कि गांव का विकास भी संभव बना सकता है। इसके लिए स्वयं समुदाय को पहल करनी होगी।

राशन से पोषण तकः पोषण सुरक्षा के लिए उचित दर की दुकानों का पुनर्अभिविन्यास (री-ओरिएंटिंग)

संजीव चोपड़ा

चमन प्रकाश, एक उचित दर दुकान (एफपीएस) डीलर हैं जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के प्रताप विहार ब्लॉक में पिछले 11 वर्षों से खाद्यान्न वितरित कर रहे हैं। इस क्षेत्र में एक मात्र एफपीएस डीलर होने के कारण वे 1,500 से अधिक परिवारों को सेवा प्रदान करते हैं। समुदाय में एक विश्वसनीय व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो गई, जब लाभार्थी अपनी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़ी पात्रताओं पर बहुत अधिक निर्भर थे। प्रकाश, देश भर के उन 5.3 लाख डीलरों में से एक हैं, जो अंतिम छोर तक खाद्यान्न वितरण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं और पीडीएस के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इन एफपीएस को राज्य सरकारों द्वारा लाइसेंस दिया जाता है और इनका प्रबंधन भी किया जाता है तथा डीलरों को अपनी दुकानों पर प्रति क्विंटल लेन-देन के आधार पर डीलर मार्जिन के माध्यम से मुआवजा मिलता है। तथापि, एफपीएस के माध्यम से खाद्यान्न वितरण प्रत्येहक माह 7-10 दिनों की अवधि में केंद्रित होता है। माह के शेष दिनों में, ये दुकानें कम उपयोग में रहती हैं, जिससे डीलरों को कोई अतिरिक्त आय का अवसर नहीं मिलता है। एफपीएस में भौतिक और मानव संसाधनों का इस प्रकार से उपेष्टीतम उपयोग से, आवश्यक अंतिम छोर तक वितरण नेटवर्क की आर्थिक व्यवहार्यता और स्थिरता को खतरा पहुंचता है।

पिछले एक दशक में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने एफपीएस को आधुनिक बनाने के लिए विभिन्न क्रियाकलाप लागू किए हैं। सभी एफपीएस में इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइस लगाए गए हैं, और लगभग 100% लेन-देन अब आधार द्वारा बायोमेट्रिक रूप से प्रमाणित होते हैं। खाद्यान्नों का सही वजन सुनिश्चित करने के लिए ई-पीओएस उपकरणों को इलेक्ट्रॉनिक तराजू से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, जिसे 2024 के अंत तक पूरा किया जाना है। राज्यों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत मॉडल एफपीएस विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिसमें लाभार्थियों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और पीने के पानी जैसी सुविधाएं हों। राज्य सरकारों को एफपीएस डीलरों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत सृजित करने हेतु कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवाओं और बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) सेवाओं जैसी अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए सशक्त बनाया गया है। जनवरी, 2024 में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में एफपीएस को ऑनबोर्ड करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है।

इस पहल का उद्देश्य एफपीएस के ग्राहक आधार को विस्ताकर देना और उसकी व्यहवहार्यता को बढ़ाना है। यद्यपि, एफपीएस की आर्थिक स्थिरता डीलरों और सरकार दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। एक अन्य गंभीर चुनौती लाभार्थियों की पोषण सुरक्षा रही है। वर्तमान में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग केवल पीडीएस के माध्यम से ऊर्जा देने वाले (एनर्जी रिच) अनाज (चावल और गेहूं) प्रदान करता है, जबकि आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पोषण संबंधी कमियों का सामना कर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े उच्च एनीमिया दरों को दशार्ते हैं: 6 से 59 महीने की आयु के बच्चों में 67.1%, 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में 57% और 15 से 49 वर्ष की आयु के पुरुषों में 25%। इसके अतिरिक्त, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजन के मुद्दे बने हुए हैं। अतः, एफपीएस डीलरों के लिए आय के अवसरों को बढ़ाने के साथ-साथ आहार विविधीकरण के माध्यम से जनसंख्या के पोषण संबंधी परिणामों में सुधार लाने जैसे दोहरे दृष्टि कोण (डुअल अप्रोच) की आवश्यकता है। इन दो चुनौतियों पर काबू पाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 60 एफपीएस- गाजियाबाद, जयपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद प्रत्येक में 15 एफपीएस कोह्यजनपोषण केंद्र(जेपीके) में परिवर्तित करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है। ये केंद्र, अन्य मदों के अलावा, खुले बाजार की तुलना में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर पोषक तत्वों से भरपूर वस्तुओं जैसे मिलेट्स (श्री अन्न), दालें, खाद्य तेल और सोयाबीन की एक विविध रेंज पेश करेंगे। जेपीके का उद्देश्य लाभार्थियों और स्थानीय आबादी के बीच पोषण संबंधी अंतर को दूर करते हुए डीलरों के लिए अतिरिक्त राजस्व स्रोत और बेहतर मार्जिन प्रदान करना है।

एफपीएस का जेपीके में बदलाव चार प्रमुख स्तंभों पर निर्भर करता है:) एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण,) चालान वित्तसपोषण (इन्वॉइस फाइनैन्सिंग) के माध्यम से एफपीएस डीलरों के लिए कार्यशील पूंजी तक पहुंच,) बी2बी एग्रीगेटर्स के माध्यम से बाजार संपर्क, और ५) पोषण संबंधी साक्षरता को बढ़ावा देना एफपीएस डीलरों की क्षमता बढ़ाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कौशल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है। इस साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, पोषण संबंधी साक्षरता और व्यवसाय प्रबंधन पर केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करना है। प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम में भाग लेने वाले एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण सत्र मई और जून 2024 के दौरान दो बैचों में आयोजित किए गए थे।

इसके अतिरिक्त, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने एफपीएस-सहाय, एक मोबाइल एप्लिकेशन जो एफपीएस डीलरों को गैर-पीडीएस वस्तुओं की खरीद के लिए इन्वॉइस फाइनैन्सिंग की अनुमति देता है, को बनाने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के साथ एक और अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। प्रमुख बी2बी एग्रीगेटर्स को इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि एफपीएस डीलरों के लिए आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चैन) लिंकेज स्थापित करने में सहायता की जा सके। इसके अलावा, एफपीएस डीलरों को पोषण मित्र के रूप में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो लाभार्थियों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के सेवन और संतुलित भोजन बनाने के लाभों पर बुनियादी मार्गदर्शन प्रदान कर रहें हैं। इन चार स्तंभों के माध्यम से, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग एक स्थायी मॉडल के लिए आधार तैयार कर रहा है जो डीलरों और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों दोनों को लाभान्वित करता है।

इस पहल के साथ, चमन प्रकाश का पेशेवर जीवन परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे उन्हें अपनी पेशकशों में विविधता लाने, अपनी आय बढ़ाने और समुदाय के पोषण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायता मिलेगी। यह विकास न केवल उनकी आजीविका को बढ़ाएगा बल्कि पूरे भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने में एफपीएस की महत्वपूर्ण भूमिका को भी सुदृढ़ करेगा।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए ह्यप्रतिभाशाली भारतीय नागरिकोंह्न की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है। न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया ह्यपीछे के दरवाजे से भर्तीह्न है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी? अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके। यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थी: संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना। आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं।

'गीता' ज्ञान के पश्चात 'अर्जुन' की स्थिति

अवधेश झा

गीता ज्ञान परमतत्व का ज्ञान है! अर्थात आत्म स्थिति की समस्त ज्ञान है। गीता प्रसाद ग्रंथ है इसे ग्रहण करने वाले को ब्रह्म पुष्टि, संतुष्टि और ब्रह्म की प्राप्ति होती है। गीता समस्त वेदांत दर्शन का सार है। गीता ज्ञान यज्ञ है, इसमें हवन करने वालों का समस्त संशय रूपी अज्ञानता शीघ्र भस्म हो जाता है और पूर्ण ज्ञान का उदय होता है। इस पावन गीता में समस्त उपनिषदों के ज्ञान का समग्र और संग्रह स्वरूप उपस्थित है, जिसमें आत्मा के विषय में सूक्ष्मता से बताया गया है, तथा आत्मा अमर है, शाश्वत, नित्य, अविनाशी है और यही परम सत्य है।
दर्शन शास्त्र के ज्ञाता जस्टिस राजेंद्र प्रसाद (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय, पटना) ने कहा कि ह्लश्रीकृष्ण ने स्पष्ट कह दिया कि ह्लजिस आत्मा में मृत्यु का कोई स्थान नहीं है (अर्थात दृश्य जगत में मृत्यु से बड़ा भय कुछ भी नहीं है), उस आत्मा में शोक, मोह, आसक्ति आदि का कैसे स्थान हो सकता है। जिस अज्ञानता के वशीभूत होकर तुम मृत्यु के भय का शोक अपने मन में धारण कर लेते हैं, वास्तव में उसका कोई स्थान ही नहीं है। आत्मा तो जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त है। इसी शोक से निकालने के लिए श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान स्वरूप इस प्रसाद ग्रंथ ग्रहण करने के लिए दिया है। श्रीकृष्ण परमात्मा थे। इसलिए, गीता का समस्त ज्ञान आत्मा का ही ज्ञान है।

गीता प्रसाद है; यहां प्रसाद से आशय है सर्वोत्तम भोग, जिससे उत्तम कुछ नहीं है। अर्थात, जो प्रसाद या भोग आत्मा या ब्रह्म को अर्पित किया गया है उससे उत्तम प्रसाद नहीं हो सकता है। वह आत्म प्रसाद, अगर ज्ञान का हो तो; वह ब्रह्मज्ञान स्वरूप प्रसाद ही है। अब, जिस प्रसाद को हम ग्रहण करते हैं। ग्रहण उपरांत उसकी दो स्थिति होती है। प्रथम कि, यह प्रसाद ठीक से ग्रहण

होकर, सुपाच्य और पुष्टिवर्धन हुआ अथवा अनपच ही रह गया। प्रथम स्थिति तो उत्तम स्थिति है, जिसका सार्थक और उत्तम परिणाम होता है, दूसरी स्थितिः कई अन्य परिस्थिति का निर्माण कर दे सकता है।

इसलिए, श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान देने के उपरांत, अर्जुन की स्थिति जानने के लिए पूछाः
कच्चिदेतच्छ्रुतं पार्थ त्वयैकाग्रेण चेतसा। कच्चिदज्ञानसम्मोहः प्रनष्टस्ते धनञ्जय॥ भावार्थः हे पार्थ! क्या इस (गीताशास्त्र) को तूने एकाग्रचित्त से श्रवण किया? और हे धनञ्जय! क्या तेरा अज्ञानजनित मोह नष्ट हो गया?॥

अर्जुन का उत्तर सुन श्रीकृष्ण का उद्देश्य पूर्ण हुआ। वास्तव में आत्मज्ञानी, जो ज्ञान का प्रसाद देते हैं; ग्रहणकर्ता से उसकी स्थिति का परख भी कर लेते हैं। अब, अर्जुन एकाग्रता से संपूर्ण ज्ञान को ग्रहण किया तो उसका शुभ परिणाम तत्क्षण ही प्रकट हो गया और बहुत हर्ष के साथ, अर्जुन ने कहाः अर्जुन उवाचः
नष्टो मोहः स्मृतिर्लब्धा त्वत्प्रसादान्मयाच्युत । स्थितोऽस्मि गतसंदेहः करिष्ये वचनं तव ॥ भावार्थ : अर्जुन बोले- हे अच्युत! आपकी कृपा से मेरा मोह नष्ट हो गया और मैंने स्मृति प्राप्त कर ली है, अब मैं संशय रहित होकर स्थिर हूँ, अतः आपकी आज्ञा का पालन करूँगा॥

अर्जुन ने कहा; आपकी कृपा से मेरा मोह नष्ट हो गयाह्व। वास्तव में; मोह, का स्वरूप में कहीं स्थान नहीं है। जिसका स्थान नहीं है, उसको स्थान देकर हम उसी भाव के ग्रसित होकर दुःखी थे, स्वाभाविक है कि उसका नष्ट होते ही अपने स्वरूप स्थिति का ज्ञान हो जाता है। जिस स्मृति का अर्जुन को ज्ञान हुआ, वह स्वरूप स्थिति का ज्ञान है और स्वरूप तो ब्रह्म ही है। ब्रह्म की प्राप्ति के उपरांत चित स्वतः शांत हो जाता है अर्थात आत्मा में लीन हो जाता है। स्वयं ब्रह्म स्वरूप आत्मा स्वतः ही परमात्मा के आदेश के अनुभूत सक्रिय हो जाता है और अर्जुन ने वही किया!

आत्म ज्ञान या स्वरूप की प्राप्ति के उपरांत भी पुरुषार्थ कर्म शेष रहता है, लेकिन उसके बाद, पुरूषार्थ का स्वरूप अलग हो जाता है। अब, अर्जुन का उद्देश्य युद्ध में हार - जीत से नहीं, नाहि किसी राग - द्वेष से युद्ध करना था, बल्कि, सत्य स्वरूप धर्म की स्थापना करना था और किया।
जीवन के निर्णय में संशय बहुत बड़ी रुकावट है, संशय का अंत होते ही साध्य सदृश्य प्रकट होने लगता है।

श्रीकृष्ण ने गीता ज्ञान के बारे में कहें हैंः श्रद्धावाननसूयश्च शृणुयादपि यो नरः।
सोऽपि मुक्तः शुभाँल्लो कान्प्राप्नुयात्पुण्य कर्मणाम्॥
भावार्थ : जो मनुष्य श्रद्धायुक्त और दोषदृष्टि से रहित होकर इस गीताशास्त्र का श्रवण भी करेगा, वह भी पापों से मुक्त होकर उत्तम कर्म करने वालों के श्रेष्ठ लोकों को प्राप्त होगा॥

इस श्लोक के माध्यम से श्रीकृष्ण कहे हैं कि जो मनुष्य अर्थात आत्मा का व्यक्त भाव मनुष्य रूप में; श्रद्धायुक्त, अर्थात मन की पूर्ण अवस्था जो आत्मोन्मुख दृष्ट हो, अंतमुर्खी हो, जिसमें इंद्रिय आदि का दोष या विषय न हो। अहंकार का आत्मा के प्रति समर्पण भाव हो तथा चित बुद्धि उन्मुख हो और बुद्धि आत्मोन्मुख हो; तो इस स्थिति में श्रवण किया गया यह गीताशास्त्र तत्क्षण फलदायी है। यहां पापों से मुक्त अर्थात चित के वृतियों के निरोध से है अर्थात आप आत्म स्थिति की यात्रा पर हैं तथा असत्य और अंधकार रूपी पाप का नाश हो चुका है।

संक्षिप्त खबरें

अपर समाहर्त्ता-सह- सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा किया जा रहा है सेवा संबंधित शिकायतों का निवारण

छपरा कार्यालय। बिहार सरकारी सेवक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत सेवा संबंधित शिकायतों के निवारण का प्रावधान है। इसके लिये सारण जिला में अपर समाहर्त्ता, सारण सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में प्राधिकृत हैं। प्रभुनाथ नगर, छपरा निवासी परिवादी शंभू नाथ सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक द्वारा उनके लंबित भविष्यनिधि भुगतान के संबंध में परिवादपत्र दिया गया। सेवा शिकायत पदाधिकारी सह अपर समाहार्त्ता द्वारा इस मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान ही शिक्षा विभाग के स्थापना शाखा द्वारा परिवादी के सामान्य भविष्य निधि की राशि का भुगतान कर दिया गया। सुनवाई के क्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना, शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि परिवादी का लंबित भुगतान कर दिया गया है जिसकी पुष्टि परिवादी द्वारा की गई।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर द्वारा आज दरियापुर प्रखंड के देवती अवस्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक की गई। उन्होंने विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर व्याप्त त्रुटियों के निराकरण हेतु सम्बन्धित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ संवाद कर उनके द्वारा पूछे गये विभिन्न विषयों से सम्बन्धित प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए उन्हें समाज में प्रतिष्ठित बनने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया तथा पठन पाठन की तरफ संपूर्ण ध्यान लगाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर, विद्यालय के प्राचार्य सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खैरा में आर्या हॉस्पिटल का भव्य हुआ उद्घाटन,समारोह में सैकड़ो लोग हुए शामिल

नगरा ।प्रखंड क्षेत्र के खैरा भट्ठी के समीप आर्या हॉस्पिटल का भव्य उद्घाटन समाजसेवी इसरार अहमद खान और राजद नेता सुधांशु रंजन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर डॉ. अभिनाश, डॉ. शोभा सिंह, डॉ. मसरूर अहमद खान, और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।वहीं समाजसेवी इसरार अहमद खान ने कहा कि यह हॉस्पिटल खैरा और आसपास के क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगा।साथ ही, जनप्रतिनिधियों के अनुशंसा पत्र पर आने वाले मरीजों को 20% तक की छूट मिलेगी। हॉस्पिटल में 24/7 आपातकालीन सेवाओं के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उपलब्ध रहेगी,जिससे स्थानीय लोगों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी।वहीं इस अवसर पर उद्घाटन समाज सेवी इसरारा अहमद खान,पूर्व एम एलसी प्रत्याशी सह राजद नेता सुधांशु रंजन ,डॉक्टर अभिनाश, डा. शोभा सिंह , डा.मसरूर अहमद खान , आर्यन खान, गुड्डू सिंह ,नबी अहमद ,गुड्डू खान ,मिथलेश राय,मुकेश राय , मो. कौसर ,मो. रेयाजूदिन ,रवि प्रकाश ,रंजन यादव ,सहित अन्य सैकड़ो गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

एकमा में भारत बंदी का दिखा असर

एकमा । आंदोलनकारियों ने सुबह से ही मुख्य मार्ग पर आगजनी कर कुछ घण्टों के लिये सड़क जाम कर शांति पूर्ण रूप से प्रदर्शन किया. एससी /एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने सम्बन्धी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध भारत बंद के आह्वान पर बुधवार को तमाम एससी एसटी बहुजन वर्ग के लोग सड़क पर उतर एकमा में जमकर प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने एकमा में बाजार में मार्च किया फिर छपरा सिवान मुख्य मार्ग के पारसा जाने वाली गतीन मुहानी पर सड़क जाम कर दिया। आंदोलनकारियों ने मुख्य मार्ग पर आगजनी कर केंद्र सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी कर रहे थे।आंदोलन करियो का कहना है कि आरक्षण हमारा संबैधानिक अधिकार है।केंद्र सरकार आरक्षण समाप्त करने की कोशिश कर रही है।नियुक्तियों में आरक्षण समाप्त की जा रही है।दलितों पिछड़ो के।अधिकारियों को छीना जा रहा है।इस मौके पर भारी संख्या में आंदोलन कारी शामिल थे। वही सुरक्षा को लेकर एकमा थाना अध्यक्ष उदय कुमार ने दल बल के साथ पहुंचकर सड़क जाम छुड़ाए ।

आरक्षण को ले दलित सेना द्वारा भारत बंद का असर आंशिक रहा

बंद का असर वाहनों का परिचालन व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी दिखा

- सड़कों पर मार्च करते दलित सेना कार्यकर्ता, टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन करते कार्यकर्ता, सड़कों पर मुस्तैद दिखी पुलिस प्रशासन

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा । आरक्षण के मामले पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिए गए निर्णय के विरोध में दलित सेना द्वारा किया गया भारत बंद का असर आंशिक रहा ' सड़कों पर वाहनों का परिचालन भी कम देखा गया । व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर भी भारत बंद का असर आशिक रहा । दलित सेना के कार्यकताओं ने शहर के म्युनिसिपल चौक, प्रभूनाथ नगर सहित और स्थान पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया ' भारत बंद को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद देखी गई । दलित सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष बिगन मांझी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय को असंवैधानिक बताते हुए भारत बंद कर दलित सेना कार्यकताओं ने अपनी नाराजगी जताया । तथा सरकार से संविधान के 9वे अनुसूची में शामिल कर दलितों को मान -सम्मान बरकरार रखने की बात कही। बताते चलें कि अनुसूचित जनजाति के उप वर्गीकरण एवं अन्य आरक्षण के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लिए गए संवैधानिक निर्णय के विरोध में दलित सेना द्वारा भारत बंद का आयोजन किया गया था । दलित सेना द्वारा आरक्षण के मामले पर किया गया भारत बंद के तहत कार्यकर्ताओं ने दलित सेना के बैनर तले पशु पशुपति कुमार पारस जिंदाबाद, दलित सेना जिंदाबाद के नारों के साथ शहर में जुलूस निकालकर आरक्षण के मामले पर विरोध जताया ' शहर के म्युनिसिपल चौक पर दलित सेना के कार्यकताओं एवं समर्थकों ने सड़कों पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन जताया ' भारत बंद के आह्वन को लेकर सड़कों पर वाहनों का परिचालन आंशिक रूप से देखा गया । जबकि भारत बंद का असर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर आंशिक रहा । हालांकि सरकारी दफ्तरों एवं बैंकिंग संस्थानों पर इसका कोई असर नहीं देखा गया ' भारत बंद का असर सुदूर ग्रामीण क्षेत्र पर भी आंशिक देखा गया । शहरी इलाकों में सड़कों एवं सरकारी दफ्तर में सामान्य दिनों की तरह भीड़ कम देखा गया । ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति भारत बंद को लेकर जिला मुख्यालय में कम देखी गई ' वहीं वाहन मालिक भी भारत बंद को लेकर वाहनों को सड़कों पर निकालने से परहेज करते देखे गए । भारत बंद को लेकर जिला प्रशासन पूरी मुस्तादी के साथ डटी रही, शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती देखी गई ' जिला भर में भारत बंद का असर आंशिक रहा ।

परसा में भारत बंद का देखा व्यापक असर

प्रात : किरण, संवाददाता

परसा ।एससी /एसटी आरक्षण लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरुद्ध में परसा दरोगा राय चौक,हाई स्कूल चौक पर जमकर प्रदर्शन किया गया। आंदोलनकारी परसा बाजार में मार्च कर दुकानों को बंद कराया ।उसके उपरांत दरोगा राय चौक,हाई स्कूल चौक पर आगजनी कर केंद्र,राज्य सरकार व आरएसएस प्रमुख के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया गया ।प्रदर्शन के दौरान पूर्व शिक्षक सीता राम मांझी,नागेंद्र मांझी का कहना है कि आरक्षण हमारा संबैधानिक अधिकार है ।केंद्र सरकार कोटा में कोटा लाकर आरक्षण समाप्त करने की कोशिश कर रही है ।नियुक्तियों में आरक्षण समाप्त की जा रही है ।दलितों पिछड़ो को फंसाया जा रहा है ।प्रदर्शन के दौरान थानाध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस बल तैनाथ किया गया था ।परसा थाना से आ रही पुलिस के वाहन को प्रदर्शनकारी ने दरोगा राय चौक पर रोक कर जय भीम की नारेबाजी करने लगे ।काफी समझाने के बाद भी प्रदर्शनकारी एक भी बात नही माने तो पुलिस को वाहन लेकर वापस लौटना पड़ा ।कुछ देर बाद 112 कि आपातकालीन सेवा वाहन दरोगा राय चौक पहुँची ।उस वाहन को भी प्रदर्शनकरी ने दरोगा राय चौक पर रोक दिया ।एसआई संजीव कुमार द्वारा काफी समझाने बुझाने के बाद पुलिस वाहन को जाने दिया गया ।छपरा से सोनपुर के तरफ जाने के दौरान दरोगा राय चौक पर प्रदर्शनकारी ने डीएम की वाहन को रोक दिया ।और जमकर जय भीम की नारेबाजी करते रहे ।परसा थानाध्यक्ष सुनील कुमार,सीओ चंदन कुमार पहुँच ।जाम को हटाने के लिए प्रयास कर रहे थे ।लेकिन प्रदर्शनकरी डीएम को पास कराने के लिए राजी नही थी ।सैकड़ो की संख्या में शामिल प्रदर्शन में शामिल लोगों ने डीएम के वाहन को लगभग 15 मिनट तक रोक रखा ।काफी मस्कत के बाद पुलिस ने डीएम के वाहन को पास आउट कराया ।और डीएम की वाहन बनकेरवा बांध होकर सोनपुर के लिए प्रस्थान किया।

हथियार के बल पर आईडीबीआई बैंक से 19.25 लाख की लूट, दहशत फैलाने के लिए अपराधियों ने किया फायरिंग

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला के सोनपुर थाना क्षेत्र से इस समय की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बेखौफ अपराधियों ने हथियार के बल पर आईडीबीआई बैंक से करीब 19.25 लाख लूट की घटना को अंजाम दिया है. वही इस घटना के बाद बैंक के बाद भीड़ जमा होने लगी, जिसको देखते हुए अपराधियों ने दनादन फायरिंग करना शुरू कर दिया और फायरिंग करते हुए अपराधी आराम से फरार हो गये. घटना सोनपुर थानान्तर्गत गोला रोड स्थित आईडीबीआई बैंक की है. जहां एक बाइक सवार तीन हथियारबंद अपराधियों द्वारा पिस्टल का भय दिखाकर बैंक काउंटर से लगभग 16 लाख 75 हजार एवं बैंक में मौजूद ग्राहकों से लगभग 2.50 लाख रुपये यानि कि कुल 19 लाख 25 हजार रुपए लूट की पटना को अंजाम दिया गया है. इस सूचना के बाद सोनपुर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन प्रारंभ कर दी है. इस घटना की पुष्टि करते हुए सारण एसपी डॉक्टर कुमार आशीष ने बताया कि सोनपुर थाना अंतर्गत गोला रोड स्थित आईडीबीआई बैंक से 19.25 लाख की लूट हुई है. सूचना के बाद वह स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुटे हैं. उनके साथ मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर, अंचल निरीक्षक सोनपुर एवं सोनपुर थानाध्यक्ष घटनास्थल पर मौजूद हैं. मामले के त्वरित उद्वेदन को लेकर एफ एस एल टीम को भी बुलाया गया है. एफ एस एल टीम घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है. वहीं संदेह के आधार पर बैंक गार्ड को पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया है. घटना से संबंधित अन्य साक्ष्यो की जांच एवं उउळश फुटेज का अवलोकन किया जा रहा है. वह इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

आरक्षण के विरोध आयोजित संपूर्ण भारत बंद सफल बताया

प्रात : किरण, संवाददाता

बनियापुर। बनियापुर मे माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति जाति के आरक्षण मे क्रीमी लेयर लागू कर वर्गीकरण करने कोटा में कोटा के फैसले के विरोध में पहले से ही आह्वान पफ बुद्धवार को भारत बंद का असर सड़को पर देखा गया ।जहा हजारों भारी संख्या में अंबेडकरवादी संविधान में आरक्षण समर्थक सुबह से ही बनियापुर मुख्य बाजार के एन एच 331 पर बने पुल को जाम कर दिया, सिवान की तरफ से आने वाली गाड़ियां और छपरा की तरफ से आने वाली गाड़ियां दोनों तरफ खड़ी की खड़ी रही बाजार की दुकानों मे सन्नाटा छाया रहा ,निजी स्कूल प्रखंड कार्यालय आदि बंद करने में आंदोलनकारी सफल रहे ,अंत में भारत के राष्ट्रपति के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी बनियापुर को ज्ञापन सौपा गया जिसमें निम्नलिखित मांगों केंद्र सरकार लोकसभा राज्यसभा में अध्यादेश लाकर उच्चतम न्यायालय के फैसले को रद्द करें। आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल करें भारत के न्यायालय में कॉलेजियम सिस्टम को समाप्त किया जाए, जोजो की नियुक्ति राष्ट्रीय प्रतियोगित परीक्षा मे सभी वर्गो के आरक्षण आधार पर किया जाय।

भारत की जातीय और आर्थिक जनगणना कराया जाए सभी वर्गों की जनसंख्या के आधार पर 100% आरक्षण लागू किया जाए भारत की तमाम जल जंगल जमीन भू संपदा को और भारत की प्रतिवर्ष राष्ट्रीय आय को भारत के जनता की परिवार में बराबर बराबर हिस्से में बांट दिया जाए जिससे भारत में सामाजिक और आर्थिक विषमता समाप्त हो. भारत एक पूर्ण समाजवादी समता मूलक शांति एवं सद्भावना पूर्ण विकसित भारत बन सके। बनियापुर में भारत बंद आंदोलन में मुख्य रूप से भाग लेने वालों मे रमेश कुमार मांझी सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम चौधरी प्रभुनाथ मांझी राजीव कुमार राम डॉ विक्रमाराम आदि शामिल थे।

जेपीयू के द्वारा जारी किया गया अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के तिथि व स्थान

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा सदर । बुधवार को जे पी यू द्वारा अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के तिथि व स्थान की घोषणा कर दी गई । बताते चले कि सत्र 2024-25 के लिए जयप्रकाश विश्वविद्यालय का खेल कैलेंडर जारी कर दिया गया है। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर क्रीड़ा निदेशक डॉ राजेश नायक द्वारा जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार विभिन्न स्पद्धाओं में अन्तरमहाविद्यालय खेल प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग महाविद्यालयों का चयन किया गया है। महिला एवं पुरुष वर्ग की अन्तरमहाविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता 03 से 05 सितंबर, 2024 तक राजेंद्र कॉलेज, छपरा में आयोजित की जाएगी। वहीं, महिला एवं पुरूष वर्ग में अन्तरमहाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता 06 एवं 07 सितंबर, 2024 को गंगा सिंह महाविद्यालय में आयोजित होगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरूष खो-खो प्रतियोगिता 12 एवं 13 सितंबर, 2024 को जगलाल चौधरी कॉलेज, छपरा तथा अन्तरमहाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता 13 एवं 14 सितंबर, 2024 को जयप्रकाश महिला महाविद्यालय, छपरा में आयोजित की जाएगी। अन्तरमहाविद्यालय महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता 16 से 18 सितंबर, 2024 तक जगदम कॉलेज, छपरा, अन्तरमहाविद्यालय महिला एवं पुरूष वॉलीबॉल प्रतियोगिता 19 से 21 सितंबर, 2024 तक रामजयपाल कॉलेज, छपरा तथा अतरमहाविद्यालय पुरुष व महिला एथलेटिक्स ट्रैक की स्पद्धाएं 23 एवं 24 सितंबर, 2024 को डीएवी कॉलेज, सीवान में आयोजित की जाएंगी ।एथलेटिक्स की फील्ड स्पद्धाएं 25 एवं 26 सितंबर, 2024 को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में होंगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरूष व महिला योग प्रतियोगिता 10 अक्टूबर, 2024 को पीसी विज्ञान कॉलेज, छपरा तथा महिला व पुरूष वर्ग की अन्तरमहाविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता 30 सितंबर, 2024 को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में आयोजित की जाएगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरुष व महिला वर्ग की बॉक्सिंग एवं किक बॉक्सिंग की प्रतियोगिताएं 27 एवं 28 सितंबर, 2024 को यदुनंदन महाविद्यालय, दिघवारा में आयोजित की जाएंगी। अन्तरमहाविद्यालय पुरुष व महिला वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता 04 से 07 अक्टूबर, 2024 तक कमला राय कॉलेज, गोपालगंज में तथा अन्तरमहाविद्यालय पुरुष व महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता 03 अक्टूबर, 2024 को नंदलाल सिंह कॉलेज, दाउदपुर, सारण में आयोजित की जाएंगी।

भारत बंद के समर्थक सड़कों पर उतर घंटों अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग को रखा बंद

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल। अंतर्राष्ट्रीय शहर रक्सौल में भारत बन्द का मिलजुला असर रहा। जहां बाजार की दुकानें खुली रही वहीं देशव्यापी भारत बंद का आयोजन अम्बेडकर ज्ञान मंच, रक्सौल के तत्वावधान में बुधवार को अनुमंडल अध्यक्ष प्रकाश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर हजारों की संख्या में मंच के कार्यकताओं ने सुबह दस बजे से ही बारिश में भीगते हुए दिल्ली काठमांडू अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग को घंटों जाम रखा तथा संविधान और आरक्षण के समर्थन में जबरदस्त नारेबाजी करते रहे। अंबेडकर चौक पर स्थित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर संयुक्त माल्यार्पण के बाद कार्यकताओं ने एससी, एसटी आरक्षण में वर्गीकरण, क्रीमीलेयर लागू करने व आरक्षण को संविधान के नौवीं अनुसूची में शामिल करने, अंतर्राष्ट्रीय शहर रक्सौल को जिला घोषित कर बौद्ध सर्किट से जोड़ने सहित ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में नारेबाजी किया तथा शहर में में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए हजारों की संख्या में कार्यकताओं का जुलूस प्रधान पथ के रास्ते अपनी आवाज बुलंद करते हुए अनुमंडल मुख्यालय पहुंच सभा में तब्दील हो गया ।तत्पश्चात, महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ग्यारह सूत्री मांगों के समर्थन में चार सदस्यीय शिष्टमंडल के सदस्य प्रकाश कुमार, दिनेश कुमार, कमोद राम, रामपुकार भारती के नेतृत्व में एक स्मार पत्र एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित व एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार को समर्पित किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगन राम, रविंद्र कुमार राम,सुरेंद्र राम, रविशंकर राम, रुदल राम, पंकज पासवान, पासवान, छोटेलाल राम, मनोज पासवान, रवि कुमार, मुन्ना कुमार, कपिलदेव राम, जयमंगल राम, पंकज कुमार, सोहन राम, सैफुल आजम, सुनील राम, सुनील कुशवाहा, सौरंजन यादव, संजय यादव सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

आरक्षण के विरोध में भारत बंद के दौरान चार घंटे जाम रहा सड़क

प्रात : किरण, संवाददाता

तरैया सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागु करने के आदेश पर अनुसूचित जाति, जनजाति के समर्थकों ने नाराजगी जताते हुए सरकार और कोर्ट के प्रति नारेबाजी किया। भारत बंद के दौरान एससी/एसटी समुदाय के विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने तरैया बाजार के विभिन्न चौक चौराहों को जाम कर प्रदर्शन किया ।सुबह में नौ बजे से लेकर एक बजे तक तरैया बाजार पूर्णतःबंद रहा। तरैया मढ़ौरा एसएच 73 मुख्य सड़क,तरैया अमनौर एनएच 104 मुख्य सड़क,तरैया प्रखंड मुख्यालय जाने वाली सड़क,चंचलिया तरैया सड़क सहित अन्य सड़को को बंद समर्थको ने जाम कर प्रदर्शन किया ।जिससे आवागमन लगभग चार घंटे तक पूर्ण बाधित रहा ।धरना प्रदर्शन का नेतृत्व देवनाथ राम,चंदेश्वर राम,अजय पासवान, कमलेश राम,राजबल्म राम,दरोगा राम,शंकर राम सहित अन्य शांतिपूर्ण कर रहे थे।

इसी दौरान भूतनाथ चौक पर प्रदर्शनकारी और बाजारवासियों के बीच झड़प व पथराव हो गया ।जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग घायल है ।जिसमें गंभीर रूप से घायल तीन लोगों का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया है ।स्थानीय बुद्धिजीवियों व पुलिस प्रशासन तथा थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह,अपर थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी विभु विवेक सहित अन्य के सहयोग से मामला शांत हुआ ।चार घंटे बाद आवागमन बहाल हुआ।

20 साल बाद आया फैसला, आवेदक थक हार कर 16 साल से छोड़ दिया था केस में पैरवी

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कोपा थाना के हसूलाही निवासी लोकनाथ गिरी ने 14 अगस्त 2004 को अपनी पत्नी एवं अपने बच्चे के इलाज के दौरान मृत्यु हो जाने और महिला चिकित्सक द्वारा लापरवाही बरतने को लेकर के क्षतिपूर्ति हेतु डॉक्टर श्रीमती संगीता चौधरी छपरा के विरुद्ध एक वाद संख्या 189/04 दाखिल किया था। आवेदक ने अपने पत्नी प्रतिमा देवी को गंभीर हालत में डॉक्टर संगीता चौधरी के नर्सिंग होम में 7 अगस्त 2004 को बच्चा जनने होने के लिए भर्ती कराया था। जांच के बाद महिला चिकित्सक ने सिजेरियन ऑपरेशन करने को कहा परंतु ऑपरेशन के दौरान बच्चों के सर में चोट लग गई और उसका सर कट गया। जिसके कारण वह अनेक रोगों से ग्रसित हो गया। जिसका उचित इलाज हेतु उषा चाइल्ड न्यू बॉर्न हेल्थ केयर सेंटर छपरा में भर्ती कराया गया। जहां जांच के दौरान पाया गया कि आपरेशन के दौरान बच्चे के सर में चोट लगी हुई है और सर कट भी गया है। जिसको लेकर उसने यह बाद दाखिल किया था ।वर्ष 2008 तक उसने केस में उचित पैरवी किया परंतु न्याय मिलने में देरी होते देख वह थक हार कर केस में पैरवी करना भी छोड़ दिया ।वर्तमान आयोग अध्यक्ष बीरेंद्र प्रताप सिंह एवम सदस्य मंजू सिंह के द्वारा कोरम पुरा होने पर उभय पक्षों के बहस हेतु अनेकों मौका दिया। परंतु आयोग में कोई उपस्थित नहीं हुआ ।अंत में आयोग ने अभिलेख में उपस्थित साक्ष्य के आधार पर आदेश पारित कर दिया। जिसमें विपक्षी डॉक्टर संगीता चौधरी पर नवजात शिशु की मृत्यु के लिए 3 लाख रुपए क्षतिपूर्ति वाद दाखिल करने की तिथि से 6% सूद के साथ देने का आदेश दिया गया है साथ ही मानसिक तथा शारीरिक परेशानी के लिए 10 हजार रुपए भुगतान करने का आदेश भी दिया गया है ।अगर निर्धारित दो माह की अवधि में भुगतान नहीं किया जाता है तो 9% सूद के साथ राशि का भुगतान करना होगा। आयोग के फैसला आने के बाद आम जनता में चर्चा का विषय बन गया है।

चिरान्द विकास परिषद ने किया पौधारोपण

प्रात : किरण, संवाददाता

डोरीगंज ।गुरू पुर्णिमा से रक्षाबंधन तक के बीच पौधे लगाने की दिलवाई शपथ, लोगों को किया जागरूक चिरान्द विकास परिषद के तत्वावधान में धार्मिक नगरी चिरांद ,धर्मपुरा रसलपुरा में पौधरोपण व पौध-वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर परिषद के कार्यकताओं ने अधिक से अधिक पौधे लगाने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में परिषद के सचिव श्रीराम तिवारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती को बचाना है तो हमें पौधरोपण को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। उन्होने कहा कि केवल पौधे लगाना आपकी जिम्मेवारी नही बल्कि उसे संरक्षित करना भी आपकी जवाबदेही है। श्री तिवारी ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के तहत उनके सदस्यों द्वारा छह फीट उपर के पौधे बंगाल से मंगवाए गए थे जिसका नतीजा आज 99%पौधे लग गए। परिषद के कोषाध्यक्ष राशेश्वर सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति में वृक्ष को देवता कहा गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करना व उसकी देखभाल कर उसे बड़ा करना एक यज्ञ है। परिषद के संस्थापक सदस्य तारकेश्वर सिंह,हरिद्वार सिंह रघुनाथ सिंह ने सभी विद्यार्थियों को पाँच-पाँच पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने की शपथ दिलवाई। चिरांद विकास परिषद द्वारा विद्यार्थियों को घर पर लगाने के लिए नीम, करंज,अर्जुन,शहतूत,जामुन,महोगनी पौधे लगाने की अपील की गई। परिषद के सदस्य चंदन कुमार बीपीन बिहारी रमन जयदिनेश पाण्डेय ने एक पेड़ मां तथा बच्चों के जन्मदिन पर एक एक पौधा लगाने की अपील की गई। पौधरोपण कार्यक्रम के तहत अयोध्या मठिया चिरांद मे 100पेड़ महोगनी तथा बरगद, पीपल और पाकर के वृक्ष लगाए गए वही धर्मपुरा रसलपुरा फुलचक मे बरगद पीपल पाकर के 25पौधे लगाए गए वहीं चिरांद तिवारीघाट पर 40पौधे महोगनी के लगाए गए। इस अवसर पर श्रीकांत पांडेय शुशील पाण्डेय,हरिमोहन जी उदय चौधरी,राजकिशोरबिपिन बिहारी रमण, मनीष कुमार सिंह, मोहन सिंह,सरोज कुमार सिंह, परमोद सिंह, मनु सिंह, सतनारायण महतो प्रसाद,राजकिशोर चौरसिया मुकेश सिंह विकास मिश्रा,सुमन साह,उमेश कुमार,जजन प्रसाद यादव,मोहन पासवान,गिरजन पासवान मौजूद रहे।

आश्रय स्थल में हेल्थ कैंप का हुआ आयोजन, 91 आश्रय विहिनों का हुआ जांच

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा । शहर के सदर अस्पताल कैंपस में अवस्थित आश्रय विहीनों के आश्रय स्थल में हेल्थ कैंप का उद्घघाटन नगर निगम के महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, नगर आयुक्त सुमित कुमार,उप महापौर रागनी देवी एवं वार्ड पार्षद संतोष कुमार उर्फ मंटूजी सह रूबी कल्याण समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ' जिसमें आश्रय विहीनों के लिए आँख जाँच, बी. पी., शुगर एवं दर्द सहित अन्य बीमारियों की जाँच की व्यवस्था शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज के माध्यम से कराई गई ' इस अवसर पर महापौर ने आश्रय स्थल में स्वास्थ्य शिविर आयोजन को सराहनीय कदम बताया ' उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंप होने से हमारे आश्रय वीहिनों को स्वास्थ्य सम्बंधित सुविधाएं देने से हमें खुशी मिलती है । जबकि उप महापौर रागनी देवी ने कहा कि आश्रय स्थल के आश्रय विहिनों के लिए हमेशा नगर निगम हर सुविधाएं देने को लेकर तत्पर है । नगर निगम के नगर मिशन प्रबंधक सुधीर कुमार हिमांशु ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से बताया कि आश्रय विहिनों को विभागीय दिशा- निर्देश के आलोक में 11 आश्रय विहीनों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया । जिससे आश्रय विहीन मुफ्त में 5 लाख तक का इलाज करा सकते है । वहीं 32 आश्रय विहीनों का आयुष्मान पोर्टल पर चेक किया, जिसमें 11 आश्रय विहिन लाभ के पात्र पाए गए और उनका आयुष्मान कार्ड बनवा दिया गया ' आश्रय विहिनों के लिए प्रत्येक माह सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत वृद्धा पेंशन, बैंकों में खाता खोलवाना, आधार कार्ड बनवाना,विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाना तथा राशन कार्ड बनवाना इत्यादि का कार्य किया जाता है । सामाजिक सुरक्षा कोषांग के माध्यम से हेल्प डेस्क लगाया जाता है । आश्रय स्थल का संचालन 2019 से शुरू किया गया था ' अभी तक 12 हजार से ऊपर लाभुकों के द्वारा आश्रय स्थल का लाभ प्राप्त कर लिया गया है । नगर आयुक्त सुमित कुमार के द्वारा प्रति माह औचक निरीक्षण किया जाता है ' जिससे आश्रय स्थल में सारी सुविधाएं दे दी गई है । आश्रय विहिनों को मनोरंजन के लिए टेलीविजन, कॉल करने के लिए टेलीफोन, पीने के लिए आर. ओ. की व्यवस्था सहित लॉकर की व्यवस्था की गई है ' मेडिकल कैंप में 91 आश्रय विहिनों का हेल्थ की जाँच की गई ' कैंप में डॉक्टर एच एन प्रसाद , एएनएम प्रियंका, पुष्पा कुमारी, रंजन कुमारी, माला कुमारी,एलटी प्रतिभा , आदर्श कुमार,नगर मिशन प्रबंधक सुधीर कुमार हिमांशु, सिटी मैनेजर वेद प्रकाश वर्णवाल,सामुदायिक संघटक नितेश चौहान, आश्रय स्थल प्रबंधक अर्चना कुमारी, केयर टेकर, संगीता देवी, मुनि देवी, बिनु देवी,, एवं आश्रय विहीन उपलब्ध थे ।

देशव्यापी बन्द का असर माँझी और दाउदपुर मे रहा मिलाजुला असर

प्रात : किरण, संवाददाता

माँझी। आरक्षण के मुद्दे पर दलित संगठनों द्वारा प्रायोजित देशव्यापी आंदोलन के तत्वाधान में माँझी और दाउदपुर में आयोजित बन्द का मिलाजुला असर रहा। बुधवार की सुबह स्थानीय दलित नेताओ ने दर्जनों कार्यकताओं के साथ माँझी के मियाँपट्टी तिमुहानी पर जाम कर माँझी एकमा तथा माँझी ताजपुर सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया। बाद में जुलूस की शक्ल में पहुँचे कार्यकताओं ने माँझी चट्टी के समीप भी सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। वही दाउदपुर में अम्बेडकर युवा जन मोर्चा के कार्यकताओं ने छपरा-सीवान मुख्य मार्ग के दाउदपुर चट्टी के समीप सड़क जाम कर दिया। झंडा बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसी एसटी आरक्षण में किए गए वर्गीकरण खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। और इसे वापस करने की मांग की। सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने वालों में सुरेश प्रभु, मनोज आजाद ,शशिकांत चौधरी ,सुरेंद्र शाह,सरयू प्रधान ,साहिल सम्राट आदि लोग शामिल थे। आंदोलन का नेतृत्व बहुजन समाज के प्रदेश कार्यकारिणी का मेंबर लक्ष्मण मांझी कर रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

निर्माणाधीन उच्च विद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

आरा। बुधवार को कोईलवर पहुंचे जिलाधिकारी राजकुमार ने निर्माणाधीन तारामणि भगवान साह उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। स्थानीय पत्रकारो की निर्माण में देरी और गुणवत्ता की कमी की शिकायत पर दोपहर साढ़े 12 बजे निर्माण स्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी राजकुमार ने एसडीएम के साथ स्कूल का निर्माण देखा। औचक निरीक्षण के दौरान काम बंद देख वे बिफर पड़े और वहां के गार्ड से इसकी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ही उन्होंने ठेकेदार को फोन कर जमकर फटकार लगाई और हर हाल में गुरुवार को डीएम कार्यालय में उपस्थित होने का आदेश दिया। इस दौरान उन्होने कहा कि निर्माणाधीन उच्च विद्यालय को पूर्ण कराना उनकी प्राथमिकता में है। वे इसे भव्य और अद्वितीय बनवाना चाहते हैं इसके लिए हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। ठेकेदार द्वारा कार्य में कोताही कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। गुणवत्ता के साथ छेड़छाड़ करने पर संवेदक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

भारत बंद के दौरान डीएम की गाड़ी फंसी

आरा। सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के खिलाफ दलित संगठनों की ओर से बुधवार को भारत बंद बुलाया गया था इसका असर कोइलवर में भी देखने को मिला। बुधवार 21 जून को आहूत भारत बंद का प्रखण्ड में मिला जुला असर रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कोईलवर और चांदी में सड़क जाम कर अपना विरोध प्रकट किया। जाम को लेकर कोईलवर गीधा और चांदी पुलिस ने एहतियातन अपनी ओर से पूरी चौकस दिखी। चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। साथ ही गश्ती दल के साथ डायल 112 भी सक्रिय दिखी। इसी बीच विभागीय छापेमारी में कोईलवर पहुंचे जिलाधिकारी और एसडीएम की गाड़ी भी शहीद कपिलदेव चौक पर जाम में फंस गई। माले समर्थित जाम में फंसे जिलाधिकारी के काफिले को निकालने में एसडीएम सीओ और आरओ के पसीने छूट गए। बाद में काफी समझाने के बाद कामरेड विशाल और उनके साथियों ने अधिकारियों की गाड़ियों को जाने दिया।

नेता शैलेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया सड़क जाम

आरा। अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण के सवाल पर राजद द्वारा सम्पूर्ण समर्थन व भारत बंद को सफल बनाने हेतु निर्देश पर उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु युवा राजद भोजपुर के अध्यक्ष सह दलित नेता शैलेंद्र कुमार के नेतृत्व मे युवा राजद के तमाम पदाधिकारी सुबह सात बजे से रेलवे परिसर आरा सहित शहर चौक, कोर्ट को शांतिपूर्ण बंद कराए। वही युवा राजद भोजपुर के अध्यक्ष सह दलित नेता शैलेंद्र कुमार ने बताया की मोदी सरकार ने आरक्षण को खत्म करने का सुनियोजित साजिश रचा और माननीय न्यायालय के गोद मे पाला फेका। वही श्री शैलेंद्र कुमार ने कहा की माननीय न्यायालय को अपने दिए गए आदेश को वापस लेना चाहिए हम न्यायालय से आग्रह करते है। वही प्रधान महासचिव रजनीश यादव ने बताया की माननीय न्यायालय का आदेश एक कानून बन जाता है और कानून को मौखिक रूप से कह देने से खत्म नही होता। मोदी सरकार से आग्रह करना चाहते है कि आपकी सरकार है आप सदन मे अध्यादेश लाओ और कानून को निरस्त करे।

वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एक व्यापक मॉक ड्रिल का किया गया आयोजन

गया। बोधगया के महाबोधी सांस्कृतिक केंद्र में बुधवार को आतंकी घुसने की सूचना मिलते हीं बिहार एटीएस और एनएसजी कमांडो दौड़ते दिखाई देने लगे। कन्वेंशन सेंटर की घेराबंदी कर तैयार प्लान के तहत कार्रवाई शुरु की जाती है। वहीं मेडिकल टीम और डॉग स्क्वायड की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच जाती है। एटीएस और एनएसजी कमांडो को दौड़ते देख कुछ देर के लिए लोग सहम जाते है। एटीएस और एनएसजी कमांडो के द्वारा कार्रवाई की जाती है। तभी दोनो ओर से फायरिंग की जाती है। जिसमे कुछ लोग घायल हो जाते है और कुछ आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया जाता है। उसके बाद अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो के द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। यह एटीएस, एनएसजी और गया पुलिस के जवानों के द्वारा आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने का मॉक ड्रिल था। वर्ष 2013 में महाबोधी मंदिर सहित बोधगया में अलग अलग 10 स्थानों पर 10 सीरियल बम ब्लास्ट की घटना हुई थी। जिसके बाद गया पुलिस और पुलिस मुख्यालय के द्वारा महाबोधी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है।

आरक्षण बचाओ संविधान बचाओ संघर्ष मोर्चा द्वारा भारत बंद को लेकर किया गया प्रदर्शन

रोहतास के डेहरी शहर में बन्द का दिखा असर प्रदर्शनकारियों ने डेहरी शहर को कराया बंद

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास (बिहार)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के विरोध में आज विभिन्न संगठनों के द्वारा भारत बन्द का ऐलान किया गया था।

जिसका असर रोहतास जिले के डेहरी में भी देखा गया आरक्षण बचाओ संविधान बचाओ संघर्ष मोर्चा के हजारों कार्यकर्ताओं ने डेहरी शहर को पूरी तरह से बंद कराया एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विरोध किया इसके साथ ही केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मोर्च कि

जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण यानी कोटे में कोटा का उपवर्गीकरण एवं क्रिमीलियर लागू करने का आदेश दिया गया है वो पूर्णतः असंवैधानिक है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वर्तमान भारत सरकार के इशारे पर भारतीय संविधान में छेड़छाड़ करने की कोशिश की जा रही है। अंग्रेजो के नक्शे कदम पर भारत सरकार चल रही है फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाई जा रही है इसलिये हमें वर्गीकरण में बाँटकर अनुसूचित जाति-जनजाति में भेदभाव कराकर हमारी एकता को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। इसीलिए हम एससी-एसटी के सभी लोग इनके बहकावे में नहीं आएंगे और सभी लोग एकजुट होकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पुरजोर विरोध करेंगे। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

आरा में रेलवे ट्रैक से लेकर बस स्टैंड तक प्रदर्शन, जमकर किया बवाल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा:भोजपुर में दिखा भारत बंद का असर इसके अलावे कोईलवर में भी सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया आरा में भारत बंद का व्यापक असर देखने को मिला प्रदर्शनकारियों ने रेल से लेकर सड़क मार्ग तक जामकर यातायात को बाधित कर दिया। भारत बंद को सफल बनाने के लिए आरा शहर के प्राइवेट बस स्टैंड से लेकर रेलवे ट्रैक पर भी विरोध-प्रदर्शन किया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने नवादा, बड़ी मठिया, शिवगंज, जेल रोड, गोपाली कुआं, टाउन थाना होकर आरा सिविल कोर्ट के बाद अंबेडकर चौक के पास त्रिमुहानी जाम कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने शहर में खुली दुकानों को बंद कराया।

वहीं, प्रदर्शनकारियों की वजह से सीजेएम की गाड़ी के रूट को बदलकर दूसरे रूट से कोर्ट जाना पड़ा। इस प्रदर्शन में लोजपा (रामविलास) की पार्टी ने भी समर्थन किया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर जमकर नारेबाजी की। पुरे आरा शहर में चौक चौराहे पर पुलिस बल तैनात किया गया था

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमिरा में किया गया प्रसव कार्य का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमिरा में प्रसव कार्य का शुभारंभ किया गया। प्रसव कक्ष और नवनिर्मित वार्डों का उद्घाटन स्थानिय जिला पार्षद धनंजय यादव और मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से किया।

ज्ञात्वय हो कि भोजपुर जिला परिषद के प्रस्ताव पर जमिरा में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिये ध्येय भवन का निर्माण हुआ था जिसमें आज से प्रसव कार्य संपन्न होना संभव हो गया है। उक्त अवसर पर धनंजय यादव ने कहा कि प्रसव कार्य के शुभारंभ होनें से जमिरा गांव और इसके आस-पास के गांवों में महिलाओं की एक बहुत बड़ी आबादी को बहुत लाभ मिलेगा। अब उन्हें इसके लिये आरा सदर अस्पताल जानें की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रसव कार्य के शुरूआत के साथ ही साथ नवजात शिशुओं के टीकाकरण और देखभाल की

व्यवस्था भी उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होनें कहा कि बहुत जल्द इस अस्पताल की चहारदिवारी का निर्माण भी कराया जायेगा और आवश्यकतानुसार इसकी मरम्मती भी करायी जायेगी। उन्होनें जिला पदाधिकारी से इस अस्पताल के तत्काल एक एम्बुलेंस की मांग भी किया। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि जमिरा पंचायत के जमिरा-अलीपुर हाई स्कूल जिसका भवन धिरे-धिरे जर्जर हो रहा था निरंतर प्रयास करते हुये उसकी मरम्मती कराते हुये उसमें शिक्षण कार्य का भी शुभारंभ करा दिये हैं आगे इस विद्यालय के एक एकड़ जमिन का भी चहारदिवारी निर्माण कराया जायेगा जिसके लिये लगातार प्रयास कर रहा हूं। इसके सिवाय जमिरा गांव को आस-पास के सभी गांवों से सड़कों से जोड़नें की दिशा में भी प्रयास कर रहा हूं। जिसके लिये न्ये सड़कों के निर्माण की योजनायें चयनित कर ली गयीं हैं बरसात के मौसम के बाद ईनके सर्वे का कार्य संपन्न हो जायेगा। प्रसव कार्य के शुभारंभ होनें से ग्रामिणों विशेषकर महिलाओं में काफी हर्ष का वातावरण है। उक्त अवसर पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, अति प्रा स्वा केंद्र के चिकित्सक, एक एन एम और अन्य मेडिकल स्टाफ सहित गांव के बहुत सारे बुद्धिजीवी और जागरूक नौजवान साथी सुरेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, बुटेश्वर यादव उर्फ पिंटू यादव, चंदन यादव, लल्लू यादव, शंकर यादव, अमरजीत यादव, दीपक पाल, और भारी संख्या में महिलायें भी उपस्थित थी।

राजस्व कर्मियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर डीएम का औचक निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर अंचल कार्यालय से अलग अपना प्राइवेट कार्यालय चलना राजस्व कर्मियों को भारी पड़ गया। बुधवार को डीएम राजकुमार ने खुद कोईलवर पहुंच राजस्व कर्मी के आवासीय कार्यालय और अंचल स्थित कार्यालय में छापेमारी कर दी। डीएम के इस तरह अप्रत्याशित रूप से छापेमारी से राजस्व कर्मियों में हड़कंप मच गया और वे अपना मोबाइल बन्द कर आवास और कार्यालय छोड़ फरार हो गए। राजस्व कर्मियों की मनमानी और अंचल कार्यालय से बाहर प्राइवेट कार्यालय चलाने की शिकायत के बाद जिलाधिकारी राजकुमार एसडीएम सदर, बीडीओ, सीओ, आरओ को साथ लेकर बुधवार को कोईलवर पहुंचे। आते ही उन्होंने राजस्व कर्मी के किराए के मकान पर छापेमारी कर दी गाड़ी से उतरते ही उन्होंने कुल्हड़िया पंचायत के राजस्वकर्मी हरेंद्र सिंह को खोजना

शुरू किया। वह कोईलवर पीएनबी के समीप ही किराए के मकान में रहता है और अधिकांश समय वहीं से अपना कामकाज निपटाता है। तकरीबन 45 मिनट तक वहां उसका इंतजार करने के बाद जिलाधिकारी ने उसके किराए वाले आवास पर रखे कागजातों को जब्त करते हुए उसका कमरा सील कर दिया। छापेमारी के दौरान ही उन्होंने राजस्वकर्मी हरेंद्र सिंह को बुलवाया लेकिन वह फोन बंद कर फरार हो गया। प्राइवेट कार्यालय को सील करने के बाद जिलाधिकारी लाव लश्कर के साथ अंचल कार्यालय पहुंचे और सीधा राजस्व कर्मी हरेंद्र सिंह के हल्का कार्यालय में जा पहुंचे। वहां ताला बंद देख उसे खुलवाया और अंदर के कमरे में रखे एक एक फाइल को बारीकी से देखा।

तकरीबन दस मिनट तक जांच पड़ताल करने के बाद हरेंद्र सिंह के बक्से और उसके कार्यालय को भी सील करने का आदेश दिया। इधर हरेंद्र सिंह को खोजने में लगी कोईलवर पुलिस को उन्होंने उसे खोजकर 24 घण्टे में जिलाधिकारी कार्यालय में उपस्थित करने का आदेश दिया। इन छापेमारी के सबंध में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि कोईलवर अंचल में कार्यरत कुल्हड़िया हल्का के राजस्वकर्मी के खिलाफ व्यापक शिकायत मिल रही थी। उसी सन्दर्भ में बुधवार को उनके प्राइवेट आवास सह कार्यालय एवं अंचल के हल्का कार्यालय में मेरे और एसडीएम द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान वे गायब पाए गए और उनका फोन भी बंद पाया गया है। इस दौरान उनके प्राइवेट और अंचल परिसर स्थित कार्यालय को सील कर दिया गया है। जैसे ही वे आएंगे उनके सामने कार्यालय और वहां रखे बक्से को खोला जाएगा और उसकी विधिवत जांच की जाएगी। जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर दोषी कर्मी पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सीओ प्रियंका कुमारी, बीडीओ वीरबहादुर पाठक, आरओ राजभूषण सिंह समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी और दलबल मौजूद रहे।

सावन खत्म होने के साथ ही नॉनवेज की मांग बढ़ी

आरा। सावन के खत्म होने के साथ ही नॉनवेज की डिमांड बढ़ गई है। नॉनवेज दुकानदारों की माने तो सावन होने के कारण नॉनवेज की डिमांड करीब पचास फीसदी तक कम हो गई थी। हालांकि सावन खत्म होने के बाद एक बार फिर डिमांड बढ़ने लगी है। इसी कड़ी में भोजपुर में सावन के खत्म होने के साथ ही बुधवार को मछली-चिकन और मटन की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। जिले के कोइलवर सोन नदी का मछली खाने वाले व चिकेन के चहेते लोगों की भारी भीड़ सुबह से मछली मंडी में उमड़ पड़ी जो देर शाम तक चलता रहा। बुधवार को चिकन 200 रुपये प्रतिकिलो, सोन नदी की मछली 300 से 400 रुपये प्रति किलो बिकी वहीं बर्फ वाली मछली 200 रुपये प्रति

कोइलवर चौक पर मछली खरीदने के लिए उमड़ी भीड़

किलो बाजारों में बिकी। जबकि मटन 700 रुपये प्रतिकिलो से लेकर 750 रुपये प्रति किलो लोगों ने खरीददारी की। अकेले कोइलवर प्रखंड की बात करें तो मछली करीब 2-3 क्विंटल, चिकेन करीब 10 क्विंटल, मटन 2 क्विंटल बिका। अगर जिले की बात करें तो औसतन करीब 200 क्विंटल चिकेन, 40 क्विंटल मछली और 30 क्विंटल मटन की बिक्री हुई। दुकानों पर भीड़ इतनी रही कि लोगों को मछली, चिकेन खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ा। सावन खत्म होते ही शहर में मटन, चिकेन व मछली की मांग बढ़ गयी है। चिकेन के दुकानदार गुड्डू ने बताया कि सावन के दौरान चिकेन कि बिक्री काफी कम हो गई थी। दाम में भी करीब 50 रुपये तक की कमी थी, लेकिन सावन खत्म होने के साथ ही दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी है। बुधवार को लोगों ने जमकर चिकेन की खरीददारी की। वहीं मछली विक्रेता बिरजू में बताया कि कोइलवर प्रखंड में करीब 10 क्विंटल मछली की बिक्री हुई। उधर, अंडा कारोबारी इरसाद ने बताया कि वो कई होटलों में अंडा सप्लाई करते हैं। सावन के दौरान ऑर्डर पचास फीसदी तक कम हो गया था। वहीं, अब ऑर्डर फिर बढ़ने लगे हैं। इससे उनके चेहरे पर एक बार फिर से खुशी है।

जिलांतर्गत संचालित होने वाले सभी आवासीय छात्रावासों में बंपर रिक्तियां :उप विकास आयुक्त

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। उप विकास आयुक्त भोजपुर के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में मीडिया कॉन्फ्रेंस (प्रेस वार्ता) आयोजित किया गया। जिसमे जिलांतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय छात्रावास, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण छात्रावास और अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास के आवंटन, वर्तमान आवासित रिक्तियों एवं छात्रावास की व्यवस्था के बारे में जानकारी मीडिया कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिया गया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि वर्तमान समय वित्तीय वर्ष 2024- 25 में जिले पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास जो जिले में दो है 1अन्य

पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास जीरो माइल आरा, 2 जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास धनुपरा इन दोनों छात्रावास में अभी कुल 149 रिक्त है। जिसके लिए प्रवेशिकोतर कक्षाओं में अध्यनरत छात्रों के नामांकन हेतु दिनांक 14 8.2024 से दिनांक 29.8.2024 के अपहरण 5:00 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है। अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास के तहत डॉ अब्दुल अलीम अल्पसंख्यक कल्याण छात्रावास मझौआ, आरा में जो संचालित हो रहा है उसमें कुल 92 छात्रों की अवसान की सुविधा है वर्तमान में इसमें कुल 35 छात्र आवासित है जो की 57रिक्त है, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण छात्रावास में जिले में कुल 249 सीटे रिक्त है जिसमे 8 महिला कल्याण छात्रावास जो महिला कॉलेज में संचालित होता ओ रिक्त है। शेष 241 रिक्तियां जिले के विभिन्न कल्याण छात्रावास में रिक्त हैं। और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जिले के 14 प्रखंडों में संचालित किया जा रहा है जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं बीपीएल समुदाय की बालिकाओं का नामांकन किया जाता है जो इस वर्ष सितंबर 2024 तक किया जाएगा।

नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में एक बैठक आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

आरा भोजपुर 400 साल पुरानी संस्था नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में जगदीश बाबू का गोला पुरानी अदालत पड़ाव मोड पर प्रधान कार्यालय में समिति के सदस्यों द्वारा रामलीला को सफल बनाने के लिए एक बैठक किया गया समिति के सदस्यों के द्वारा अपना-अपना विचार प्रकट किया गया और सब के सहमति से पुरानी कमेटी को भंग कर दिया गया और सभी पदाधिकारी पदरहित इस संस्था को अपनी सेवा प्रदान करेंगे प्रधान कार्यालय स्वर्गीय जगदीश बाबू का गोला पुरानी अदालत पड़ाव में सभी सदस्यों द्वारा यह फैसला लिया गया, समिति के सदस्यों में उपस्थित

लोगों में महंत श्री रामकिंकर दास जी, रामजी प्रसाद, दिलीप कुमार गुप्ता, शंभू नाथ प्रसाद, निर्मल जी, मदन प्रसाद, शंभूनाथ केसरी, संजीव गुप्ता, पंकज प्रभाकर, अश्वनी कुमार, सनी शाहबादी, गौतम उर्फ. राजा, अनिल कुमार केसरी, रंजन जी और अमित राज शामिल थे।

मोदी सरकार आरक्षण को खत्म करना चाहती है : माले

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरक्षण का वर्गीकरण करने, दलितों में फूट डालने के खिलाफ, दलितों के सबसे कमजोर हिस्से के विकास की गारंटी करने के सवाल पर आज 21 अगस्त को भारत बंद के भाकपा-माले ने बस स्टैंड आरा में सुबह से ही सड़क जाम किया गया! भारत बंद के दौरान भाकपा-माले के नेता व कार्यकताओं ने पूरे ज़िले में भर में जगह-जगह सड़क पर उतर कर जुलूस निकाल कर सड़क जाम किया! भाकपा-माले कार्यकताओं ने आज सुबह से ही सड़क जाम करने के बाद जुलुस निकाला अम्बेडकर चौक भी महागठबंधन के मिलकर सड़क जाम किया! भारत बंद के दौरान आइसा ने रानी कमलापति समर स्पेशल ट्रेन को एक घंटा रोककर

वहां आयोजित किया! सड़क जाम इस दौरान भाकपा-माले कार्यकताओं जमकर नारेबाजी की!

सड़क जाम को सम्बोधित माले नेताओं ने कहा कि देश में मोदी द्वारा हमेशा आरक्षण को खत्म करने की कोशिश रही है और इस बार सुप्रीम कोर्ट के बहाने आरक्षण का वर्गीकरण करके दलितों के बीच विभाजन करना चाहती है! जब संविधान में दलितों के लिए आरक्षण को आर्थिक आधार नहीं बनाया गया है जबकि यह मोदी सरकार लगातार आरक्षण को खत्म करने पर तुली हुई है जो इस देश के दलित इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे! आगे माले नेताओं कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दलितों के बीच क्रिमिलेयर कानून को मोदी सरकार अध्यादेश लाकर वापस करे नहीं तो इससे भी बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा! भारत बंद में भाकपा-माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य राजू यादव, आरा मुफ्फसिल प्रखंड सचिव विजय ओझा, नगर सचिव सुधीर सिंह, राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, आइसा राज्य सचिव शब्बीर कुमार, जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम, जिला कमेटी सदस्य राजनाथ राम, आइसा जिला सचिव विकास कुमार, नगर कमेटी सदस्य सुरेश पासवान, संतविलास राम, राजू प्रसाद, छोटे लाल सिंह अवधेश पासवान, आइसा नेता रौशन कुशवाहा, सागर कुमार, जयशंकर कुमार, सियाकांत बैठा, राजन कुमार, गोल्डेन कुमार, लव-कुश कुमार, सुरेन्द्र पासवान, बबान शर्मा, मुन्ना कुमार, संजीव कुमार, हिरोज कुमार, सरीन कुमार, संजीत पासवान, लालजी शर्मा आदि कई लोग शामिल थे!

ओबीसी मोर्चा शहिद रामफल मंडल का शहादत दिवस कल

भोजपुर। कोईलवर प्रखंड के गीधा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीरमपुर गांव के एक निजी भवन में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा ने एक अहम बैठक किया। मिली जानकारी के अनुसार दिन बुधवार को ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ऋतुराज के नेतृत्व में यह बैठक किया गया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के तत्वाधान मे 23 अगस्त को पटना में एसके मेमोरियल सभागार में शहिद रामफल मंडल का शहादत दिवस मनाया जाएगा, इसे लेकर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा कार्यकताओं के साथ एक अहम बैठक हुआ, जिसकी अध्यक्षता ऋतुराज ने किया वहीं बैठक में 23 अगस्त को भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता विभिन्न वाहनों के द्वारा अधिक से अधिक हजारों हजार भाजपाई कार्यकर्ता शहिद रामफल मंडल के शहादत दिवस में शामिल होगें।

संविधान और आरक्षण के रक्षक है नरेंद्र मोदी: राजेश्वर पासवान

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। लोजपा रामविलास भोजपुर द्वारा आरा के श्री टोला में प्रेस वार्ता करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग से लेटरल एंट्री के माध्यम से सीधे भर्ती का विज्ञापन का विरोध जैसे ही लोजपा रामविलास सुप्रीमो चिराग पासवान ने की तथा अपना सुझाव प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को दी कि इस नियमवाली से भारत के सभी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, पिछड़ा अति पिछड़ा सहित मेधावी लोगो को इस लाभ से वंचित रहना पड़ेगा, यह न्याय प्रिय लोगो के खिलाफ है। प्रधान मंत्री जी संघ लोक सेवा आयोग का उस विज्ञापन पर रोक लगा दी जिसे सीधे बहाली की प्रक्रिया थी। राजेश्वर पासवान ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी संविधान के रक्षक और आरक्षण के पक्षधर है देश के दलितों शोषितों, वंचितों के

मसीहा है, वे कहते नही करते है। पूरे देश में विपक्षियों द्वारा एनडीए सरकार के खिलाफ अफवाह फैलाया गया कि नरेंद्र मोदी जी लोक सभा में चार सौ से पार सीट लायेंगे तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण बदल देंगे। मैं उन विपक्षियों से कहना चाहता हु कि नरेंद्र मोदी जी पिछले बार पूर्ण बहुत में थे फिर क्या आरक्षण समाप्त हो गया? संविधान बदल गया? विपक्ष पार्टियां भोली भाली जनता को गुमराह कर रही है।

दूसरे तरफ विगत दिन माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति /जन जाति में ही उपवर्ग कर लाभ देने का सुझाव राज्य सरकारें को दिया गया था जिसे हमारे नेता चिराग पासवान ने आपत्ति जताते हुए भारत का संविधान का हवाला देते हुए माननीय सर्वोच्च न्यायालय से पुर्नविचार करने का आग्रह किया था। प्रधान मंत्री जी ने भी कैबिनेट के माध्यम से अनुसूचित जाति /जनजाति में उप वर्ग बनाने का माननीय सर्वोच्च न्यायलय द्वारा दिए गए सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि यह विधि सम्मत नही है, संविधान में कही इस तरह का वर्णन नही है। आगे श्री पासवान ने भारत बंद पर सभी दलों के समर्थन के सवाल का जबाब देते हुए कहा कि देश के अनुसूचित जाति / जन जाति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के उस व्यान के खिलाफ थे और चट्टानी एकता के साथ भारत बंद को सफल बनाया कुछ राजनीतिक पार्टी भारत बंद के नाम पर अपनी रोटियां सेकना शुरू किए थे जिसे जनता ने नकार दिया। लोजपा रामविलास भोजपुर ने माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवम लोजपा सुप्रीमो श्री चिराग पासवान जी का आभार प्रकट किया है। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान के साथ, मनोज पासवान, मनीष बुचीली, सुरेंद्र आजाद, संतोष पासवान,, ललन यादव, अधिवक्ता धीरज कुमार, कुंवर उपेंद्र सिंह, छात्र नेता विकास सिंह, रामजी प्रसाद, राजेश साहू, प्रमोद पासवान, संजय प्रसाद, प्रकाश कुमार, रंजित पासवान आदि दर्जनों लोजपा नेता शामिल थे।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण एवं विचार गोष्ठी आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भिखारी ठाकुर सांस्कृतिक मंच पर स्थापित भारत रत्न शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की प्रतिमा पर सामूहिक माल्यार्पण के पश्चात उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। अवसर था खां साहब की पुण्यतिथि का। कार्यक्रम का संचालन भिखारी ठाकुर सामाजिक शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष पत्रकार नरेंद्र सिंह ने किया। भिखारी ठाकुर सामाजिक शोध संस्थान के बैनर तले आयोजित विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ रंगकर्मी चंद्रभूषण पांडे ने कहा की खां साहब अपने नामाकुल अल्लाह/ईश्वर की राह पर चलते अपनी शास्त्रीयता के बल पर राज प्रासदो में सिमटे हुए वाद्य यंत्र शहनाई को विश्वस्तर तक पहुंचाया। जिस बल

पर इस महान भोजपुरिया ने भारत रत्न प्राप्त किया जो अनुकरणीय है। हमारी पीढ़ी को इस वाद्ययंत्र शहनाई वादन को संरक्षित करने पर भी विचार करना चाहिए। सीनियर सिटीजन एंड वेलफेयर के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा की खां साहब 1916 से 2006 तक शहनाई को कई तरह से ख्याति प्राप्त कराया। इस परंपरा को उनके परिवार के लोग आज भी समाज के बीच प्रस्तुत कर समाज को लाभांवित कर रहे हैं। मनोचिकित्सक डॉ अरविंद राय ने उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की वे आजीवन शहनाई वादन का कार्य मंदिरो और मस्जिदों में शोध कार्य के रूप में करते रहे। इसलिए इनकी जन्मतिथि हो या पुण्यतिथि उक्त अवसरों पर शहनाई वादकों की प्रतियोगिता आयोजित किया जाना चाहिए ताकि अब की पीढ़ी का रुझान इस ओर ज्यादा से ज्यादा हो सकें। माल्यार्पण सह विचार गोष्ठी कार्यक्रम में उमेश कुमार सुमन, हरेराम सिंह, दिनेश मिस्त्री, गांधी जी, गौतम कुमार आदि ने अपनी अपनी सहभागिता निभाई।

द बकिंघम मर्डर्स
बच्चे की हत्या की गुत्थी सॉल्व करेंगी करीना कपूर

करीना कपूर खान अभिनीत अपकमिंग सस्पेंस ड्रामा द बकिंघम मर्डर्स के निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का टीजर जारी किया, जिसमें एक मनोरंजक कहानी का वादा किया गया है। एक मिनट एक सेकंड के टीजर में करीना को जासूस सार्जेंट जसमीत भामरा के रूप में दिखाया गया है।

टीजर में करीना को ऐसे दिखाया गया है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। यह अपराध, रहस्य और रोमांच की एक मनोरंजक कहानी है। टीजर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए करीना ने लिखा, 13 सितंबर को सिनेमाघरों में। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म में फिल्म निर्माता को मनोरंजक कहानी के साथ सस्पेंस और थ्रिलर का तड़का लगाते हुए दिखाया गया है, जो करीना की सामान्य मनोरंजक भूमिकाओं के बिल्कुल अलग है। करीना एक ब्रिटिश-भारतीय जासूस की भूमिका निभा रही हैं, जिसने हाल ही में अपने बच्चे को खो दिया है। उसे बकिंघमशायर में 10 साल के एक बच्चे की हत्या की जांच का काम सौंपा गया है।
द बकिंघम मर्डर्स का टीजर हमें एचबीओ के लिए ब्रैड इंगल्सबी द्वारा निर्मित और लिखित अमेरिकी क्राइम ड्रामा मेयर ऑफ ईस्टटाउन की याद दिलाता है। क्रेग ज़ोबेल द्वारा निर्देशित, उस सीरीज में केट विंसलेट, ईस्टटाउन, पेंसिल्वेनिया में जासूसी सार्जेंट की भूमिका निभाती हैं, जो एक युवा लड़की की हत्या की जांच करती है।
यह एकता कपूर का प्रोजेक्ट है, और क्रू और वीरे दी वेडिंग के बाद उनके और करीना के बीच एक और सहयोग है। इसमें ऐश टंडन, सेलिब्रिटी शेफ रणवीर बरार और कीथ एलन भी हैं। इसे असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है।
द बकिंघम मर्डर्स का प्रीमियर 14 अक्टूबर, 2023 को 67वें बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में हुआ। यह 2023 मुंबई फिल्म फेस्टिवलम में थी। यह फिल्म महाना फिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स का प्रोडक्शन है, जो बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा प्रस्तुत और शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा निर्मित है, और 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अहम फैसलों पर कहा जाता है, औरत हो बीच में मत बोलो

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी को उडारियां से लोकप्रियता मिली, मगर वह और ज्यादा चर्चित हुईं बिग बॉस 16 से। सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहने वाली प्रियंका इन दिनों चर्चा में हैं ओटीटी की अपनी सीरीज 10 जून की रात से। उनसे एक खास बातचीत।

आप स्वयं आत्मनिर्भर और टैलेंटेड हैं, मगर एक लड़की होने के नाते आपको सबसे ज्यादा कौन-सी बात परेशान करती है?
मैंने खुद कभी हीनता महसूस नहीं की, क्योंकि मैं अपनी बात या पॉइंट रखने से बाज नहीं आती। मगर मेरी कई शादीशुदा फ्रेंड्स हैं। उनकी नई-नई शादी हुई है, मगर जब भी उनके घर में बिजनेस या कुछ जरूरी फैसले लिए जाते हैं, तो उन्हें शामिल नहीं किया जाता। जबकि वो पढ़ी-लिखी और समझदार हैं। वो अगर अपने पॉइंट्स रखती भी है, तो उन्हें कहा जाता है कि तुम बीच में क्यों बोल रही हो? तुम घर की औरत हो, बीच में मत बोलो। मुझे ये बात बहुत ही परेशान करती है। मैं अपनी दोस्तों से कहती हूं कि उन्हें अपनी बात रखनी होगी। फिर उन्होंने अपनी आवाज बुलंद की और आज उनकी राय ली जाती है, उन्हें महत्व दिया जाता है। लड़कियों को लेकर एक आम धारणा होती है कि उन्हें नॉलेज नहीं होगी या वे उन बातों से अनजान होंगी। मगर लड़कियों को अपनी बात रखनी होगी, अपना पॉइंट प्रूव करना होगा, तभी वे इस धारणा को बदल पाएंगी।

सोशल मीडिया पर आप काफी एक्टिव रहती हैं, आपके कई फॉलोअर्स हैं, मगर सभी जानते हैं सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार होती है, आप कैसे हैंडल करती हैं?
सच कहूं, तो मुझे ट्रोल्स इतना ज्यादा प्रभावित नहीं करते और अगर करते भी हैं, तो मैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। अपना दिमाग बदल देती हूं। मैं अपने दिमाग पर अपना कंट्रोल रखती हूं। सोशल मीडिया पर अपने होने को मैं इंजॉय भी करती हूं और कई बार ब्रेक भी ले लेती हूं। मुझे सज धज कर पोस्ट करना अच्छा लगता है। मैं कोई एक अच्छा-सा पोस्ट डाल देती हूं, तो मेरे फैंस खुश हो जाते हैं।

आपको लेकर ये खबर भी चल रही थी कि आप अपनी वेडिंग प्लान कर रही हैं? इस खबर में कितनी सचाई है?
ये बिलकुल झूठी खबरें हैं। शादी फिलहाल मेरे दिमाग में है ही नहीं। मैं पूरी तरह से अपने काम पर फोकस कर रही हूं। मैंने कई बार खंडन किया है कि मैं शादी नहीं कर रही, तो फिर लोग क्यों इस बात को इतना तूल देते हैं? शादी फिलहाल मेरे दिमाग में है ही नहीं। मैं पूरी तरह से अपने काम पर फोकस कर रही हूं। मैंने कई बार खंडन किया है कि मैं शादी नहीं कर रही।

अपनी सीरीज 10 जून की रात में तुषार कपूर के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?
काफी अच्छे को-एक्टर साबित हुए हैं तुषार कपूर। वह एक अच्छे अदाकार तो हैं ही, एक बेहद ही अच्छे इंसान भी हैं। वह बहुत अनुशासित और समय के पाबंद हैं। अपनी लाइंस के साथ हर तरह से तैयार रहते हैं। हमने सेट पर काफी मस्ती भी की, मगर काम भी खूब किया। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी और मुझे ये मौका मिला। इस कहानी की खासियत यही है कि ये बहुत ही अलग तरह की थ्रिलर स्पेस में है। इसमें हर किरदार बहुत दिलचस्प है। इसमें बहुत सारी लेयर्स हैं। मिस्ट्री है, फन है, तो कहानी और किरदारों के कारण मैंने हां कही।

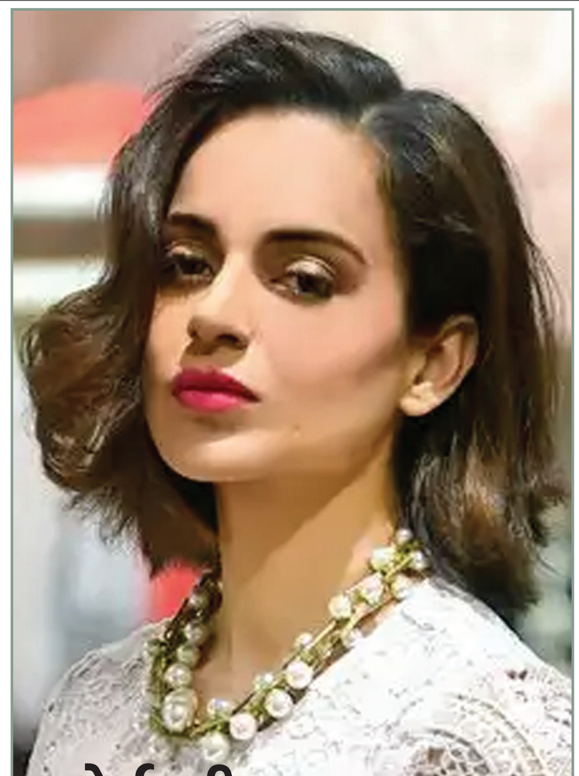

कोई भी खान, कुमार या कपूर आपको सफल नहीं बना सकता

अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रणौत अक्सर अपने बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। मुखर अभिनेत्री कंगना रणौत अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक बातचीत में, अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने फेयरनेस क्रीम ब्रांड्स से करोड़ों के विज्ञापन सौदे ठुकरा दिए और खान के साथ काम करने के ऑफर को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि वह दूसरी भूमिका नहीं निभाना चाहती थीं। उनका लक्ष्य यह साबित करना है कि बॉलीवुड के खान पर निर्भर हुए बिना भी एक महिला कलाकार का करियर फल-फूल सकता है।
हाल ही में, राज शमनी से बात करते हुए कंगना ने कहा, मैंने 10-15 करोड़ रुपये के सौदे ठुकरा दिए हैं क्योंकि वे फेयरनेस क्रीम का विज्ञापन करते हैं। मैं शुरू से ही ऐसी थी, सफल होने से पहले भी। मैंने बॉलीवुड के खान के साथ फिल्में ठुकराई हैं। लेकिन मैं बता दूं कि सभी खान मेरे साथ बहुत अच्छे रहे हैं। ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया है, लेकिन खान उनमें से नहीं थे। उन्होंने आगे कहा, मैंने उनके साथ काम करने से मना कर दिया क्योंकि उनकी फिल्मों में हीरोइनों के पास दो सीन और एक गाना होता है। और मैं एक ए-लिस्टर बनना चाहती थी, सबसे बेहतरीन अभिनेत्री जिसने बॉलीवुड के खान के साथ काम नहीं किया हो। मैं अपने बाद आने वाली महिलाओं के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं। अभिनेत्री ने आगे कहा, कोई भी खान, कुमार या कपूर आपको सफल नहीं बना सकता। मैंने रणबीर कपूर और अक्षय कुमार की फिल्मों के लिए मना कर दिया। मैं एक ऐसा प्रोटोटाइप नहीं बनना चाहती थी जो यह दिखाए कि एक हीरो आपको सफल बना सकता है। यह सच नहीं है। मैंने महिलाओं के लिए यही उदाहरण पेश किया है।

अल्फा में आलिया भट्ट के गुरु की भूमिका निभाएंगे ऋतिक रोशन

कियारा आडवाणी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और उनकी आने वाली फिल्में काफी आशाजनक लग रही हैं। उनके प्रशंसकों को जिस फिल्म का खास तौर पर इंतजार है, वह है वॉर 2। इसमें वह पहली बार एक्शन रोल में नजर आएंगी। हालांकि इसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर जैसे सितारे हैं, लेकिन निर्माताओं यानी निर्देशक अयान मुखर्जी और यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा ने सुनिश्चित किया है कि उनकी प्रमुख भूमिका के साथ-साथ एक धमाकेदार एंट्री सीन भी हो। दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंट्रोडक्शन सीन की शूटिंग की है। लेख में कहा गया है कि कियारा अपने एंट्री सीक्वेंस के लिए कमांडो फाइट करती नजर आएंगी। यह सीन हाल ही में मुंबई के मलाड स्थित इनफिनिटी मॉल में शूट किया गया। शूटिंग करीब 4 दिनों तक चली। वॉर 2 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और पठान, टाइगर और आने वाली अल्फा जैसी फ़िल्में भी इसी फ़्रैंचाइज़ का हिस्सा हैं।
दैनिक भास्कर की स्टोरी में बताया गया है कि ऋतिक का कबीर का किरदार अल्फा में भी नज़र आएगा और वह आलिया भट्ट के मेंटर की भूमिका निभाएंगे। आलिया भट्ट के अलावा, अल्फा में बॉबी देओल और अनिल कपूर के साथ मुंज्या और वेदा फेम शरवरी भी हैं। इसे शिव रवैल ने निर्देशित किया है और उम्मीद है कि यह 2025 में रिलीज़ होगी।
कियारा आडवाणी की बात करें तो वह शंकर की गेम चेंजर में भी नज़र आएंगी, जिसमें उनके साथ राम चरण भी होंगे।
रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने केजीएफ एक्टर यश की टॉक्सिक भी साइन की है।

'गदर 3' का भी हिस्सा होंगे सनी देओल

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा ने 'गदर 3' को लेकर एक अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार सनी देओल इसके तीसरे पार्ट का हिस्सा होंगे। शर्मा ने कहा, हमने गदर 3 पर काम शुरू कर दिया है। जब फिल्म से जुड़ी हर चीज हो जाएगी, तब हम शेयर करेंगे, अभी थोड़ा समय है। गदर 2 को बनने में 20 साल लग गए थे। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि यह फिल्म गदर- एक प्रेम कथा और गदर 2 की तुलना में भावनाओं के मामले में एक बड़ा पैकेज हो। गदर 2 2023 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और अब तक की आठवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म है। उन्होंने कहा, गदर 3 तब आएगी, जब स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी और मुझे लगता है कि यह सिर्फ भावनाओं का सैलाब नहीं बल्कि भावनाओं का एटम बम है। पहले दो पार्ट में सनी ने तारा सिंह के प्रतिष्ठित किरदार को निभाया। उनके साथ अमीषा पटेल थीं, जिन्होंने सकीना का किरदार निभाया। वहीं उत्कर्ष शर्मा उनके बेटे की भूमिका में थे। क्या तीसरे भाग में सनी देओल होंगे? इस पर फिल्म निर्माता ने कहा, मेरा मानना है कि कहानियों का सिलसिला जारी रहना चाहिए। मैं कहानी को आगे बढ़ाना चाहता हूं। 2001 में रिलीज हुई गदर- एक प्रेम कथा 1947 में भारत के विभाजन के समय की एक दुखद प्रेम कहानी थी। दूसरी किस्त 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सेट की गई थी। फिल्म में तारा सिंह को अपने बेटे जीते को बचाने के लिए पाकिस्तान लौटते हुए दिखाया गया, जिसे पाकिस्तान के अधिकारियों ने कैद कर लिया था।

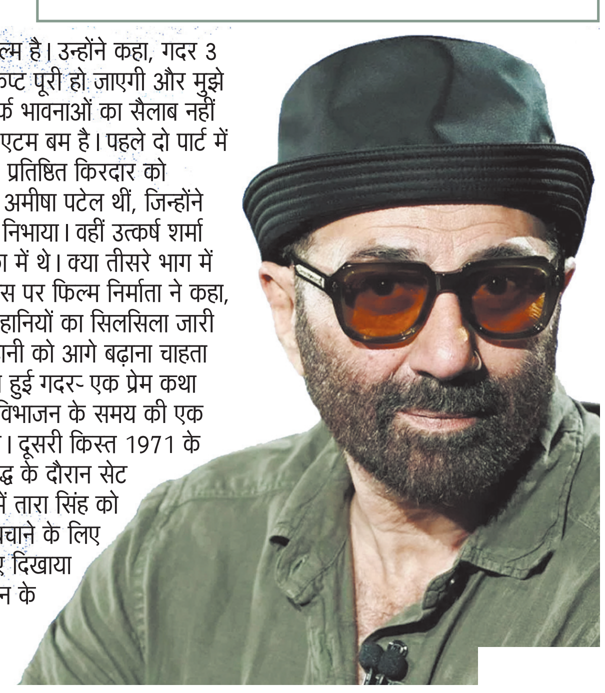

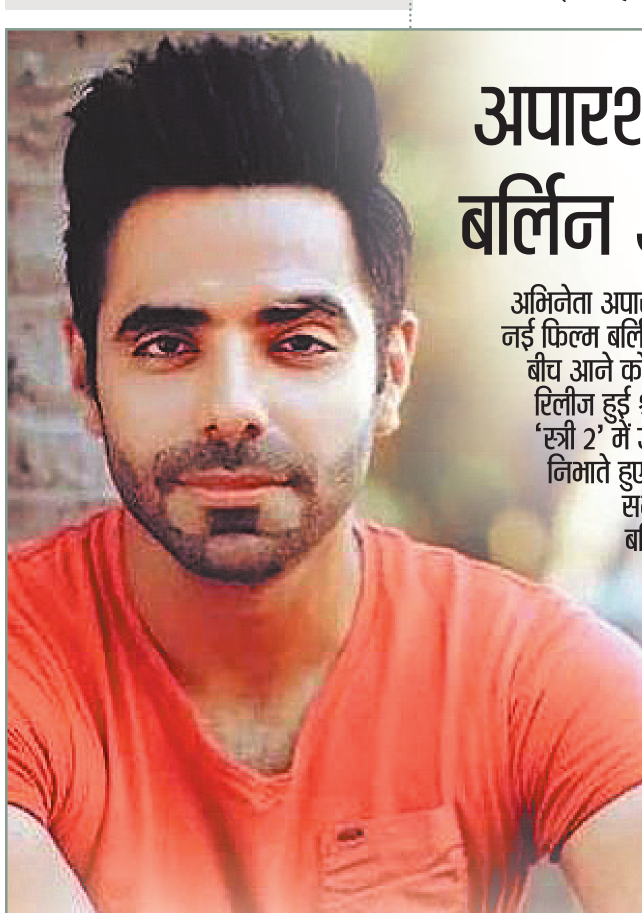

अपारशक्ति खुराना की फिल्म बर्लिन ओटीटी पर देगी दस्तक

अभिनेता अपारशक्ति खुराना अपनी नई फिल्म बर्लिन के साथ दर्शकों के बीच आने को तैयार हैं। हाल ही में रिलीज हुई श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' में उन्हें शानदार भूमिका निभाते हुए देखा गया है। अतुल सभरवाल द्वारा निर्देशित बर्लिन में इश्वाक सिंह, राहुल बोस, अनुप्रिया गोयनका और कबीर बेदी भी नजर आएंगे। यह फिल्म जल्द ही जी5 पर रिलीज होगी।

जी5 की टीम द्वार साझा की गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म दर्शकों को दिल्ली की 1990 की बर्फीली सर्दियों में ले जाती है, जहां जासूसी चल रही है।
फिल्म की कहानी तीन मुख्य किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक-दूसरे से अप्रत्याशित तरीके से टकराने वाले हैं।
इश्वाक सिंह एक असामान्य लेकिन चुनौतीपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। वह एक मूक-बधिर युवक जिस पर विदेशी जासूस होने का आरोप है का किरदार निभाते हुए दिखेंगे। वहीं, अपारशक्ति खुराना, अपने पुराने किरदारों से बाहर निकलकर, एक सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ के रूप में दिखाई देंगे, जिसे खामोशी में छिपे रहस्यों को उजागर करने का काम सौंपा गया है।
फिल्म में अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका एक रहस्यमय एजेंट के किरदार को निभाते हुए दिखेंगी। अभिनेता राहुल बोस भी एक खुफिया अधिकारी के रूप में नजर आएंगे, जो न केवल बाहरी खतरों से बल्कि अपनी एजेंसी के भीतर की चीजों से भी लड़ेंगे।
एएनआई के मुताबिक, दर्शक इस फिल्म से क्या उम्मीद कर सकते हैं, इस पर जी5 के चीफ बिजनेस ऑफिसर मनीष कालरा ने कहा, हम अपने प्लेटफॉर्म पर 'बर्लिन' को पेश करते हुए उत्साहित हैं, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को खुद से जोड़ेगी। बर्लिन, अपने शानदार कलाकारों, अपने प्लॉट और 1990 के दशक की दिल्ली की पृष्ठभूमि के साथ इस तरह की पहली कहानी के साथ, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में आलोचनात्मक प्रशंसा प्राप्त कर चुकी है। हमें विश्वास है कि यह भारतीय स्ट्रीमिंग बाजार के लिए जासूसी शैली में एक नया पैमाना स्थापित करेगी।'
फिल्म निर्माता अतुल सभरवाल ने भी बर्लिन के निर्देशन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'हमने एक जासूसी थ्रिलर बनाई है जो दर्शकों को बांध कर रखेगी। अपारशक्ति और इश्वाक के बीच ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री शानदार है। मुझे विश्वास है कि दर्शक इसका आनंद लेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'बर्लिन की स्क्रीनिंग पहले भी कई फिल्म समारोहों में हो चुकी है।'

प्रियंका चोपड़ा के होम प्रोडक्शन में बनी मराठी फिल्म पाणी

पूर्व मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा अब एक ग्लोबल एक्ट्रेस के रूप में पहचानी जाती हैं। प्रियंका ने बॉलीवुड में कई सुपरहिट फिल्में देने के बाद हॉलीवुड का रुख किया। वह पति निक जोनास के साथ अमेरिका में सैटल हो चुकी हैं। प्रियंका अक्सर अपने पति और बेटी मालती मैरी के साथ सोशल मीडिया पर फोटो व वीडियो शेयर करती रहती हैं। प्रियंका पर्पल पेबल पिक्चर्स बैनर तले कई मूवीज का निर्माण भी कर चुकी हैं। अब उनके होम प्रोडक्शन में मराठी फिल्म 'पाणी' बनी है। प्रियंका ने आज मंगलवार (20 अगस्त) को इसकी रिलीज डेट का खुलासा कर दिया। इस मूवी को लेकर काफी समय से तैयारियां चल रही थीं। प्रियंका ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर 'पाणी' का मोशन टीजर रिलीज करते हुए बताया कि यह 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पर्पल पेबल पिक्चर्स के साथ-साथ राजश्री मराठी प्रोडक्शन ने भी इस फिल्म को बनाने के लिए साझेदारी की है। निर्देशक आदिनाथ कोठारे की फिल्म हनुमंत केंद्रे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। वे किस तरह से अपने गांव में पानी की समस्याओं का निवारण करते हैं, वो इस फिल्म की स्टोरी को और भी असरदार बनाता है। इससे पहले पर्पल पेबल पिक्चर्स बैनर तले 'काय रे रास्कला' और 'फायरब्रांड' मूवी का निर्माण भी किया जा चुका है।

रिलायंस फाउंडेशन की प्रमुख नीता अंबानी को इस साल मिलेगा ज्यादा डिविडेंड

नीता अंबानी की डिविडेंड इनकम में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने वाली है

मुकेश अंबानी की पत्नी के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के 80,52,021 इक्विटी शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी को इस साल ज्यादा डिविडेंड मिलेगा। नीता अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमोटर भी हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में नीता अंबानी की डिविडेंड इनकम में अच्छी बढ़ोतरी होने वाली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे बड़ी कंपनी है। हर साल अपने शेयरधारकों को वह डिविडेंड देती है। वित्त वर्ष 2024 के लिए कंपनी ने अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के सभी पात्र शेयरधारकों को दिया जाएगा। नीता अंबानी एशिया के सबसे दौलतमंद व्यक्ति और रिलायंस के मुखिया मुकेश अंबानी की पत्नी हैं।

इस साल मई में कंपनी ने शेयरधारकों को 100 फीसदी डिविडेंड देने का ऐलान किया था। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा था, 31 मार्च, 2024 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के हिसाब से 10 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की गई है।

नीता अंबानी और हो जाएंगी अमीर–कंपनी के बोर्ड ने 100 फीसदी भुगतान के लिए पात्रता तय करने की रिकॉर्ड डेट 19 अगस्त, सोमवार तय की है। इस 100 फीसदी भुगतान से नीता अंबानी और भी अमीर बन जाएंगी। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए उनकी डिविडेंड आय बढ़कर 80 लाख रुपये हो जाएगी, जो वित्त वर्ष 2022-23 में उनकी कमाई से ज्यादा है।

नीता के पास आरआईएल के कतिने शेयर– आरआईएल के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के आंकड़ों के अनुसार, नीता के पास कंपनी के 80,52,021 इक्विटी शेयर हैं। इसका मतलब है कि उन्हें डिविडेंड आय के रूप में 8 करोड़ रुपये मिलेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2022-23 में प्रति शेयर 9 रुपये के डिविडेंड की घोषणा की थी। इसका मतलब है कि उन्हें उस वित्तीय वर्ष में डिविडेंड आय के रूप में 7.2 करोड़ रुपये मिले थे।

बीएसई पर रिलायंस के शेयर बुधवार को 2986.25 रुपये पर खुले। 2993.35 रुपये पर बंद होने से पहले इन्होंने 3007.65 रुपये के इंट्राडे हाई को छू लिया। भारत की सबसे बड़ी कंपनी का मार्केट कैप 20,25,245.24 करोड़ रुपये है।

भारतीय कंपनियां अगले एक-दो साल में बढ़ाने वाली हैं पूंजीगत खर्च : मूडीज

सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का करेंगी निवेश, रलियांस होगी सबसे आगे

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी खर्च में होगी 30 फीसदी

नई दिल्ली, एजेंसी। साख निर्धारण से जुड़ी मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कई बड़ी बातें कही हैं। उसने कहा कि भारतीय कंपनियां क्षमता बढ़ाने को अगले एक-दो साल में पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के तहत सालाना 45 से 50 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की इस खर्च में हिस्सेदारी 30 फीसदी होगी। मूडीज ने भारत और इंडोनेशिया में सक्रिय कंपनियों के ऊपर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा कि उत्पादन श्रृंखला एकीकरण को बढ़ाने और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए निवेश किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'अगले एक से दो साल में रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों का सालाना पूंजीगत व्यय लगभग 45 से 50 अरब डॉलर तक रहेगा। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी अकेले 30 फीसदी होगी। कंपनी ने विभिन्न कारोबार में निवेश को लेकर लगभग 15 अरब डॉलर का निर्धारण किया हुआ है।' इसके मुताबिक, तेल-गैस क्षेत्र और रिलायंस इंडस्ट्रीज मिलकर एक-दो साल में सामूहिक रूप से भारतीय कंपनियों के कुल व्यय का 60 फीसदी से अधिक खर्च करेंगी।

कहां पर कयिा जाएगा खर्च

मूडीज ने कहा कि भारत में रेटिंग वाली सात तेल और गैस कंपनियों की निवेश में हिस्सेदारी कुल निवेश का लगभग 30 फीसदी होगी। ये कंपनियां मौजूदा क्षमता का विस्तार करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए सालाना लगभग 15 अरब डॉलर खर्च करेंगी। मूडीज रेटिंग्स ने उदाहरण देते हुए कहा कि ओएनजीसी (बीएए-3 स्थिर) और इंडियन ऑयल अगले दो साल में भंडार बढ़ाने, वितरण गतिविधियों यानी आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण और ऊर्जा बदलाव पर छह अरब डॉलर और चार अरब डॉलर खर्च करेंगी।

भारत की ग्रोथ दूसरों से रहेगी ज्यादा

मूडीज ने कहा कि भारतीय और इंडोनेशियाई कंपनियों के लिए कर्ज गुणवत्ता बेहतर रहेगी। चीन को छोड़कर भारत और इंडोनेशिया एशिया की दो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में दोनों जी-20 देशों में रेटिंग वाली कंपनियों की संख्या और रेटिंग वाले कर्ज की मात्रा सबसे अधिक है। मूडीज ने कहा कि अगले दो साल में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) ग्रोथ रेट छह फीसदी से अधिक रहने का अनुमान है। भारत की आर्थिक बढ़ोतरी को गति देने में घरेलू मांग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। मूडीज रेटिंग्स को उम्मीद है कि अगले एक-दो साल में रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों की कमाई पांच फीसदी बढ़ेगी। मेटल, खनन और इस्पात, दूरसंचार तथा वाहन कंपनियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक वृद्धि से कंपनियों को लाभ होगा।

टाटा टी अग्नि के नए कैम्पेन में गृहिणियों के निस्वार्थ जोश का सम्मान

मुंबई, एजेंसी। टाटा टी के विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो का एक प्रमुख ब्रांड, टाटा टी अग्नि ने एक नया कैम्पेन शुरू किया है। बिना थके, पूरे निस्वार्थ भाव और अटूट जोश के साथ हर दिन काम करने वाली गृहिणियों का सम्मान टाटा टी अग्नि ने इस नए कैम्पेन में किया है। जोश जगाए हर रोज़ – टाटा टी अग्नि ब्रांड की इस पहचान को घर-घर की गृहिणियों की ऊर्जा के साथ जोड़कर हर गृहिणी की निष्ठा को अभिवादन किया गया है। पूरे परिवार के सपनों को सच बनाने के लिए दिन भर काम करने वाली गृहिणियों में हर दिन जोश जगाने का काम करके टाटा टी अग्नि उनकी सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसे इस कैम्पेन में उजागर किया गया है। जुनून के कई रूप होते हैं, हर व्यक्ति के जुनून के पीछे उसकी अनूठी भावना होती है। बाधाओं और रूढ़ियों

को तोड़कर साहस से आगे बढ़ रही खिलाड़ी की दहाड़ हो या शांत रहकर, दृढ़तापूर्वक काम करने वाली एक गृहिणी हो, उनका जोश ही उन्हें आगे लेकर जाता है। टाटा टी अग्नि के नए टीवीसी की नायिका है हर घर की गृहिणियां, जिनमें असीम जुनून और अटूट भाव भरा है। वह हर दिन भोर होने से पहले जगती है, बेजोड़ ऊर्जा से भरपूर होती है। उनका यह समर्पण और जुनून अविश्वसनीय है, यह दर्शाते हुए टीवीसी में कहा गया है – इतना जोश कहाँ से लाती हो तभी तो तुम अग्नि कहलाती हो। यह टीवीसी हर गृहिणी की कहानी को साकार करता है, जो परिवार की रीढ़ है, जो हर दिन अपनी ऊर्जा को बरक़रार रखती है। प्रसिद्ध कलाकार और प्रभावशाली वक्ता आशुतोष राणा की आवाज़ ने टीवीसी के प्रभाव को और भी बढ़ा दिया है। यह टीवीसी टाटा टी अग्नि की विशेषताओं को बखूबी दर्शाता है, ऐसा ब्रांड जो 10 प्रतिशत अतिरिक्त लंबी पत्तियों वाली जोश वाली चाय के लिए मशहूर है, और अपने उपभोक्ताओं की ऊर्जा और दृढ़ संकल्प को बढ़ाता है।

टीवीसी के लॉन्च के बारे में बोलते हुए, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के पैकेज्ड बेवरेजेस के अध्यक्ष पुनीत दास ने कहा, टाटा टी अग्नि टाटा टी पोर्टफोलियो के सबसे बड़े ब्रांडों में से एक है, जो पूरे देश भर में उपलब्ध है। इस नए कैम्पेन में हम भारत भर की गृहिणियों को सम्मानित कर रहे हैं, वे हमारी मुख्य उपभोक्ता भी हैं। हर गृहिणी की ऊर्जा और जोश असीम है और इसीलिए वे ब्रांड अग्नि की भीतर के जोश की भावना को दर्शाती हैं।

विनेश फोगाट से जुड़ने को तैयार कई कंपनियां

नई दिल्ली- महज सौ ग्राम ज्यादा वजन के कारण पेरिस ओलिंपिक 2024 से बाहर हुई पहलवान विनेश फोगाट इस समय काफी सुर्खियों में हैं। ज्यादा वजन के कारण वह पदक से चूक गई थीं। बावजूद इसके, उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है बल्कि वह और बढ़ गई है। इसका असर है कि कई कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ने के लिए लाइन में लगी हैं। कंपनियां सिर्फ विनेश फोगाट के साथ ही नहीं, ओलिंपिक में पदक जीतने वाले दूसरे खिलाड़ियों को भी अपने साथ लेने को बेताब हैं। इसके लिए वह इन खिलाड़ियों को काफी रकम ऑफर कर रही हैं। कई खिलाड़ी पहले से ही कुछ ब्रांड के साथ जुड़े हुए हैं। हमारे सहयोगी इकॉनमिक टाइम्स में प्रकाशित खबर के अनुसार इस मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक विनेश फोगाट को साइन करने के लिए कम से कम 15 ब्रांड कतार में हैं। भारतीय पहलवान और हाल ही में पेरिस ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाले अन्य भारतीय एथलीटों को पैकेज्ड फूड, स्वास्थ्य, पोषण, ज्वैलरी, बैंकिंग और एजुकेशन जैसी कैटेगिरी में ब्रांड का चेहरा बनाने की होड़ मची हुई है। अधिकारी के मुताबिक फोगाट की एंडोर्समेंट फीस खेलों से पहले प्रति डील 25 लाख रुपये थी जो अब बढ़कर 75 लाख से 1 करोड़ रुपये हो गई है। यह डील प्रति वर्ष की है। फोगाट अभी कई ब्रांड से जुड़ी हुई हैं। इनमें नाइक जैसे इंटरनेशनल ब्रांड भी शामिल हैं। वह सोशल मीडिया पर प्रचार करके भी अच्छी कमाई करती हैं। जानकारी के मुताबिक फोगाट इंस्टाग्राम पोस्ट या रील के 2 से 3 लाख रुपये लेती हैं। मार्केट की जानकारी रखने वालों को कहना है कि अब इनकी यह कीमत बढ़कर 10 से 15 लाख रुपये प्रति पोस्ट हो सकती है। इसका कारण है कि इनके इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या एक मिलियन (10 लाख) से ज्यादा हो गई है। वहीं 5 अगस्त को यह संख्या करीब 2.88 लाख थी। वहीं दूसरे प्लेटफॉर्म पर भी इनके फॉलोअर्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। पहलवान का प्रतिनिधित्व करने वाले बेसलाइन वेंचर्स के को-फाउंडर तुहिन मिश्रा ने कहा कि कई कंपनियां हमसे संपर्क कर रही हैं। पदक न जीतने के बावजूद ओलिंपिक की शुरुआत से पहले नाइकी स्पोर्ट्सवियर और कंट्री डिलाइट डेयरी का विज्ञापन करने वाली फोगाट, भाला फेंक में सिल्वर मेडल विजेता नीरज चोपड़ा और दो मेडल जीतने वालीं निशानेबाज मनु भाकर के साथ कई कंपनियां जुड़ने में दिलचस्पी दिखा रही हैं।

एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित किया

जमशेदपुर एजेंसी। एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने 17 अगस्त को एक्सएलआरआई ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम के अपने पहले दीक्षांत समारोह की सफल आयोजन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाया। प्रतिष्ठित टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉयचे बैंक में भारत की प्रबंध निदेशक और एचआर प्रमुख सुश्री माधवी लाल की गरिमामय उपस्थिति रही, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया। कुल 108 छात्रों ने तीन विशिष्ट कार्यक्रमों में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। कार्यक्रम में प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (व्यवसाय प्रबंधन) - ऑनलाइन के 63, प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (मानव संसाधन प्रबंधन) - ऑनलाइन के 23, प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (वित्त) - ऑनलाइन के 22 छात्रों ने उपाधि प्राप्त की। यह दीक्षांत समारोह न केवल उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की पराकाष्ठा को दर्शाता है, बल्कि नवीन ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक्सएलआरआई की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। स्वागत भाषण में, चेयरमैन टी. वी. नरेंद्रन ने कहा, आज, जब हम अपनी प्लेटिनम जुबली की भव्यता के बीच, एक्सएलआरआई के ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रमों के पहले दीक्षांत समारोह का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए हैं, तो मुझे उपलब्धि और गर्व की गहरी अनुभूति महसूस हो रही है। बीएम, एचआरएम और वित्त में हमारे 108 स्नातकों को, मैं हार्दिक बधाई देता हूं। एक्सएलआरआई हमेशा प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी रहा है, और यह पहल नवाचार के प्रति हमारी स्थायी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। ऑनलाइन सीखने की बढ़ती मांग उस दुनिया में बदलते समय को दर्शाती है जो लचीलेपन और अनुकूलनशीलता को महत्व देती है। हमारे स्नातकों, आपने अद्वितीय प्रतिबद्धता और अनुकूलनशीलता का प्रदर्शन किया है। आपकी यात्रा कठिन रही है, लेकिन आप अधिक मजबूत होकर उभरे हैं, उत्कृष्टता हासिल करने के लिए ज्ञान और कौशल से सुसज्जित हैं।

सिग्निफाई ने भारतीय सेना के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश में 25 सीमावर्ती गाँवों को रोशन किया

नईदिल्ली, एजेंसी। लाईटिंग के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी, सिग्निफाई ने अरुणाचल प्रदेश के तावंग जिले में 25 गाँवों में एनर्जी-एफिशियंट एलईडी स्ट्रीट लाईट्स लगाई हैं। इन लाईट्स की रोशनी से स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा बढ़ेगी। इस प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन भारतीय सेला और स्थानीय स्तर पर काम करने वाली एनजीओ, भारतकेयर्स के साथ साझेदारी में कंपनी के 'हर गाँव रोशन' सीएसआर प्रोग्राम के अंतर्गत किया गया। यह प्रोग्राम प्रकाश फैलाकर भारत में गाँवों का सस्टेनेबल विकास करने और महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने पर केंद्रित है।

इस सहयोग के बारे में निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रेट्जी, सरकारी मामले एवं सीएसआर, सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा हम भारतीय सीमा पर स्थित गाँवों में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए भारतीय सेना के साथ काम करके बहुत उत्साहित हैं। भारतीय सेना नागरिक प्राधिकरणों और इन्फ्रास्ट्रक्चर का सहयोग करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और हमारे देश के नागरिकों को एक सुरक्षित व समानतापूर्ण वातावरण प्रदान करती है। हमारे एनजीओ पार्टनर, भारतकेयर्स की सहयोग और इन स्ट्रीट लाईटिंग समाधानों के साथ खासकर रात के समय सुरक्षा बढ़ेगी और अध्ययन के लिए भरपूर प्रकाश वाले स्थानों की सहयोग से शैक्षणिक गतिविधियाँ आगे बढ़ेंगी, और साथ ही ज्यादा लंबे समय तक स्थानीय व्यवसाय चल सकेगा। तावंग के लोगों को भरोसेमंद और सस्टेनेबल लाईटिंग समाधान प्रदान करके, खासकर सीमा पर एलएसी के पास स्थित सबसे अंतिम गाँवों में से एक लंपो में रोशनी की व्यवस्था के साथ हमारा उद्देश्य यहाँ स्थित समुदायों के संपूर्ण विकास और समृद्धि में सहयोग करना है।'' इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य इन गाँवों की गलियों और सामुदायिक केंद्रों, जैसे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा भवनों, पूजास्थलों, एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी फैलाकर 1500 से ज्यादा परिवारों का जीवन स्तर बढ़ाना है।

एचडीएफसी बैंक ने एमपीऑनलाइन

मध्य प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भोपाल। भारत के प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने मध्य प्रदेश सरकार की एमपीऑनलाइन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत, एचडीएफसी

बैंक देश का पहला ऐसा वित्तीय संस्थान बन गया है जो एमपीऑनलाइन के माध्यम से अपनी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगा। एमपीऑनलाइन मध्य प्रदेश सरकार की एक ई-गवर्नेंस पहल है जिसे एमपीऑनलाइन लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।

इस समझौते के तहत, एमपीऑनलाइन अपने 55 जिलों में मौजूद 80,000 एजेंटों के नेटवर्क के माध्यम से एचडीएफसी बैंक के 40 से अधिक उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करेगा। इस साझेदारी से बैंक की राज्य में पहुंच बढ़ेगी और ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने में मदद मिलेगी।

समझौते पर एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष और व्यवसाय प्रमुख (उत्तर, पूर्व और मध्य), एबीसीपी (अल्टरनेट बैंकिंग चैनल और पार्टनरशिप) श्री सत्येन मोदी और एमपीऑनलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी श्री प्रशांत राठी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रमुख - प्रोडक्ट, डिजिटल सोल्यूशन और प्रोसेस, एबीसीपी (अल्टरनेट बैंकिंग चैनल और पार्टनरशिप) श्री मैराज उद्दीन, एमपीऑनलाइन के व्यवसाय प्रमुख श्री संदीप सिंह राजपाल और एचडीएफसी बैंक और एमपीऑनलाइन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक के श्री मैराज उद्दीन ने कहा, हमें एमपीऑनलाइन के साथ हाथ मिलाकर खुशी हो रही है। हमारा प्रयास ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है। मध्य प्रदेश तेजी से बढ़ता हुआ राज्य है और हमारे लिए प्राथमिक है। एमपीऑनलाइन के साथ हमारी साझेदारी से हमें राज्य में अंतिम छोर तक उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में मदद मिलेगी।

एमपीऑनलाइन के श्री प्रशांत राठी ने कहा, हमें एचडीएफसी बैंक के साथ साझेदारी करने और विकास की नई संभावनाओं को अनलॉक करने पर गर्व है। यह सहयोग हमें अपनी पेशकशों को बढ़ाने और राज्य के सभी नागरिकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। एचडीएफसी बैंक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता साझा करता है और साथ मिलकर हम बेहतर ग्राहक संतुष्टि के साथ नए अवसर पैदा करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे।

इंडेल मनी के डिस्बर्समेंट में तिमाही आधार पर 54 फीसदी की वृद्धि

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एयूएम में 16 फीसदी बढ़कर 1850 करोड़ रुपये पर

मुंबई, एजेंसी। इंडेल कॉरपोरेशन की फ्लैगशिप गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इंडेल मनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व में शानदार वृद्धि का ऐलान किया है. पहली तिमाही में कंपनी का परिचालन से प्राप्त कुल राजस्व 78.52 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 65.52 करोड़ रुपये की तुलना में 19.84 फीसदी ज्यादा है.

मुनाफे में 16.76 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई. तिमाही में कंपनी के डेट-टू-इक्विटी रेशियो में भी सुधार हुआ, जिससे पता चलता है कि कर्ज कम हुआ है और कैश फ्लो अच्छा रहा है.

इंडेली मनी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ उमेश मोहनन ने तिमाही परिणाम पर कहा, आरबीआई के प्रावधानों के चलते ब्याज दरें ज्यादा रहने और फंडिंग पर लगी पाबंदियों के बाद भी वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में हमारा प्रदर्शन बताता है कि हम हर तिमाही में लगातार वृद्धि करने और परिचालन को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हमारे सकल राजस्व और एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में उल्लेखनीय वृद्धि बताती है कि हम पारंपरिक क्षेत्रों से बाहर विस्तार करने और सभी संबंधित पक्षों के लिए वैल्यू बढ़ाने पर रणनीतिक फोकस बनाए हुए हैं. हमें इस बात का भरोसा है कि आने वाली तिमाहियों में भी इस रफ्तार को बनाए रखेंगे और मजबूत जीडीपी वृद्धि और कर्ज में वृद्धि से देश में गोल्ड लोन की मांग बढ़ेगी.

इंडेल मनी नियामक से जुड़ी सभी शर्तों को पूरा करते हुए कैपिटल एडीकेसी रेशियो (सीएआर) को अच्छा बनाए हुए है. कंपनी की योजना चालू वित्त वर्ष में 80 से अधिक शाखाएं खोलने की है. अभी 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंपनी की कुल 320 शाखाएं हैं.

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी- स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना ??है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।% ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।

सुमित अंतिल की सलाह

पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए। अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतक हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।% पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा। कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।

प्रियांश आर्य की शानदार पारी, डीपीएल में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रियांश आर्य की 51 गेंदों में 82 रन की शानदार पारी की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराया। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ध्रुव कौशिक (56) और यश ढुल (52) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने हालांकि आर्य और आयुष बडोनी (42) के बीच 101 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 177 रन बनाकर पांच गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर दिया। आर्य ने 32 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है।

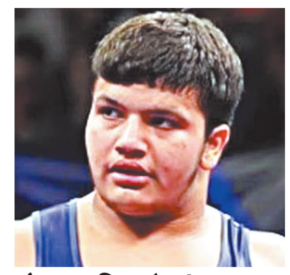

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन) (एजेंसी)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

जय शाह को अब मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, ग्रेग बार्कले की लेंगे जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है। इस फैसले के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

ग्रेग बार्कले का फैसला- ग्रेग बार्कले ने पुष्टि की है कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे। बार्कले ने 2020 में आईसीसी के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था और 2022 में फिर से चुने गए थे।

जय शाह की दावेदारी- जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उनकी दावेदारी की पुष्टि 27 अगस्त तक होगी, जो नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। अगर शाह चुनाव में सफल होते हैं, तो उनका कार्यकाल 1 दिसंबर 2024 से शुरू होगा।

आईसीसी चेयरमैन के चुनाव के नियम- आईसीसी के चुनाव में 16 वोट होते हैं और विजेता के लिए 51त्न साधारण बहुमत आवश्यक होता है। पहले दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती थी।

जय शाह का प्रभाव- शाह आईसीसी के बोर्ड में एक प्रभावशाली सदस्य माने जाते हैं और वर्तमान में आईसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं। उनके कई सदस्यों के साथ अच्छे संबंध हैं, जो उनकी उम्मीदवारी को मजबूत बनाते हैं।

आयु और पद का समय- यदि जय शाह चेयरमैन बनते हैं, तो वे आईसीसी के इतिहास में सबसे कम उम्र के चेयरमैन हो सकते हैं। उनकी आयु 35 वर्ष होगी और वे बीसीसीआई में अपने सचिव पद पर चार वर्ष और रहेंगे। इसके बाद, उन्हें अक्टूबर 2025 से तीन साल का अनिवार्य ब्रेक (कूलिंग ऑफ अवधि) लेना होगा। आईसीसी चेयरमैन बनने पर जय शाह के लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिससे उन्हें वैश्विक क्रिकेट के विकास और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलेगा।

पैरालिंपिक में 8 से 10 स्वर्ण पदकों की उम्मीद, खेलों से पहले पीसीआई उपाध्यक्ष ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के प्रमुख भारतीय पैरालिंपिक समिति के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सांगवान ने कहा कि इस बार आठ से दस स्वर्ण पदकों सहित कम से कम 25-30 पदकों का लक्ष्य है। पेरिस ओलंपिक के बाद 28 अगस्त से पेरिस पैरालिंपिक के साथ खेल गतिविधियां जारी रहेंगी। पीसीआई ने प्रतियोगिता के लिए भारतीय पैरालिंपिक टीम के प्रमुख के रूप में सत्य प्रकाश की नियुक्ति की घोषणा की। वह पैरालिंपिक में एक दशक से अधिक की समर्पित सेवा और अनुभव लेकर आए हैं।

सत्य प्रकाश ने कहा, यह दिन मेरे लिए ऐतिहासिक है। मुझे पेरिस पैरालिंपिक में भारतीय दल के लिए शेफ-डी-मिशन के रूप में चुना गया है। मैं इस कर्तव्य को बड़ी जिम्मेदारी के साथ पूरा करूंगा। मुझे इस काम के लिए योग्य मानने के लिए मैं पीसीआई और केंद्र सरकार का आभारी हूं।

पैरालिंपिक में पिछले कुछ वर्षों में भारत द्वारा की गई प्रगति को देखते हुए जिसमें 2016 में चार पदक और 2020 टोक्यो पैरालिंपिक में 19 पदक शामिल हैं, सत्य प्रकाश ने कहा, हमें इस बार कम से कम 25-30 पदक की उम्मीद है। हमें कम से कम 8 से 10 स्वर्ण पदक की उम्मीद है। यह हमारे लिए गर्व की बात होगी। एथलीटों ने वास्तव में अच्छी तैयारी की है। उन्हें जो कुछ भी चाहिए था, वह उन्हें प्रदान किया गया। हमें उम्मीद है कि वे वैश्विक स्तर पर हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। हमने अपने एथलीटों को उनके प्रशिक्षण के लिए बाहर भेजा, पूरे देश में शिविर आयोजित किए। तैयारी अच्छी रही।

उन्होंने एथलीटों को बेहतरीन उपकरण, सुविधाएं और तैयारी प्रदान करने के लिए पीसीआई के मुख्य कोच सत्यनारायण को श्रेय दिया। शेफ डी मिशन के रूप में सांगवान 12 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले 84 पैरा-एथलीटों के भारत के अब तक के सबसे बड़े दल का नेतृत्व करेंगे। उनकी भूमिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि भारतीय टीम को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक समर्थन और मार्गदर्शन मिले।

शेफ डी मिशन की स्थिति एक बहुआयामी भूमिका है जिसके लिए नेतृत्व, सलाह और रणनीतिक योजना की आवश्यकता होती है। सांगवान राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के निर्बाध संचालन की देखरेख, सकारात्मक और सहायक वातावरण को बढ़ावा देने और एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। 2020 टोक्यो पैरालिंपिक में भारत ने पांच स्वर्ण पदक, आठ रजत और छह कांस्य पदक जीते जिससे कुल 19 पदकों का रिकॉर्ड बना।

पुनर्निर्धारण की खबरों पर भड़का पीसीबी, कहा- नकवी की बातों को गलत तरीके से किया पेश

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पुनर्निर्धारण की खबरों को खारिज किया है। पीसीबी ने स्टेडियम के पुनर्विकास पर अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बयानों के बाद एक बयान जारी किया। जियो न्यूज के अनुसार आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जो पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी, से पहले पीसीबी ने 12.8 बिलियन रुपए की लागत से कराची में नेशनल स्टेडियम, रावलपिंडी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम के नवीनीकरण का निर्देश दिया है।

गद्दाफी स्टेडियम में नवीनीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नकवी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और पाकिस्तान के स्टेडियमों में बहुत अंतर है। जियो न्यूज ने नकवी के हवाले से कहा, %अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और हमारे स्टेडियमों में बहुत अंतर है, हमारा कोई भी स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं है। नकवी ने कहा, फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन की टीम दिन-रात काम कर रही है। हम अपने स्टेडियमों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्टेडियमों में से एक बनाएंगे। स्टेडियमों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना पहली प्राथमिकता है। भगवान की इच्छा से चैंपियंस ट्रॉफी निश्चित रूप से पाकिस्तान में होगी।

उन्होंने कहा, मैच की तारीखें बदल सकती हैं, लेकिन पीसीबी सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। मुख्य लक्ष्य यह है कि ये स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार हों। इसके बाद पीसीबी ने एक बयान जारी कर कहा, यह निराशाजनक है कि कुछ मीडिया आउटलेट्स ने कल की मीडिया बातचीत में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की टिप्पणियों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है, सुरक्षा चिंताओं के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तारीखों में बदलाव की संभावना पर उन्हें भ्रामक रूप से उद्धृत किया है, जिससे अनावश्यक सनसनी पैदा हो रही है। पीसीबी ने कहा कि मीडिया से बातचीत में नकवी ने कहा कि स्टेडियमों का पुनर्विकास और पुनः डिजाइनिंग तय समय पर पूरा किया जाएगा जिससे टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

भारत-पाक टी20 विश्व कप मुकाबले में इस्तेमाल की गई न्यूयॉर्क की पिच को आईसीसी ने दी रेटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के लिए पिच और आउटफील्ड को खेल की शासी संस्था से 'संतोषजनक' रेटिंग मिली है। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम में इन दो चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच बहुप्रतीक्षित मैच कम स्कोर वाला रोमांचक मैच था।

ऋषभ पंत के 42 रन की मदद से 119 रन पर ढेर होने के बाद पाकिस्तान अपने 20 ओवरों के कोटे में केवल 113/7 रन ही बना सका जिसमें जसप्रीत बुमराह ने चार ओवरों में 3/14 का खेल बदलने वाला स्पेल फेंका। कम स्कोर वाले मैचों और असमान, अप्रत्याशित उछाल के कारण पूरे टूर्नामेंट में न्यूयॉर्क की ड्रॉप-इन पिचों की जांच की गई। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए

मैच में श्रीलंका की टीम 19.1 ओवर में केवल 77 रन ही बना सकी और दक्षिण अफ्रीका ने 16.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत और आयरलैंड के बीच हुए मैच के बाद खेल की सतह की गुणवत्ता पर आईसीसी ने एक बयान जारी किया जिसमें रोहित शर्मा को हाथ में चोट लग गई थी। आईसीसी ने कहा, आईसीसी ने माना है कि नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अब तक इस्तेमाल की गई पिचें उतनी अच्छी नहीं रही हैं, जितनी हम चाहते थे। मंगलवार को आईसीसी ने प्रतियोगिता के लिए पिच और आउटफील्ड की रेटिंग जारी की, भारत-आयरलैंड मैच के दौरान इस्तेमाल की गई सतह को असंतोषजनक रेटिंग दी गई और भारत-पाकिस्तान मैच की पिच को संतोषजनक रेटिंग मिली।

न्यूयॉर्क में नासाउ काउंटी की पिच को श्रीलंका-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए असंतोषजनक रेटिंग मिली। साथ ही दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल किए गए ब्रायन लारा स्टेडियम में त्रिनिदाद के तारौबा में पिच को असंतोषजनक रेटिंग मिली। सेमीफाइनल में अफगानिस्तान की टीम 11.5 ओवर में मात्र 55 रन पर ढेर हो गई और दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

न्यूयॉर्क में आठ मैच हुए जिनमें से छह मैचों में इस्तेमाल की गई पिचों को संतोषजनक रेटिंग मिली। टूर्नामेंट के दौरान न्यूयॉर्क में सबसे अधिक स्कोर 137/7 था, जो कनाडा ने आयरलैंड के खिलाफ बनाया था। प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय खेल के बाद, आईसीसी को मैच रेफरी द्वारा विकेट और आउटफील्ड के लिए अंक मिलते हैं। आईसीसी के अनुसार, यदि किसी पिच या आउटफील्ड को घटिया के रूप में चिह्नित किया जाता है, तो संबंधित होम बोर्ड और आयोजन स्थल को यह बताना होगा कि पिच और/या आउटफील्ड ने आवश्यक मानक से नीचे प्रदर्शन क्यों किया।

आईसीसी के अनुसार, यदि किसी पिच या आउटफील्ड को असंतोषजनक या अनुपयुक्त की रेटिंग मिलती है, तो उसे घटिया माना जाता है। आईसीसी द्वारा ऐसे आयोजन स्थल पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए घटिया पिच या आउटफील्ड प्रस्तुत करता है।

संक्षिप्त समाचार

बलौदाबाजार हिंसा में गिरफ्तार कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को कोर्ट से भी झटका, जमानत नहीं

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में हुए हिंसक प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड को कोर्ट ने 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। मंगलवार को जिला सत्र न्यायालय बलौदाबाजार में न्यायाधीश अजय खाखा की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई हुई। कोर्ट ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र की जमानत याचिका खारिज करते हुए न्यायिक रिमांड अवधि को आगे बढ़ा दिया है। फिलहाल रुः देवेंद्र यादव अभी जेल में ही रहेंगे। मंगलवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव सहित 15 कांग्रेसी नेता विधायक देवेंद्र यादव से मिलने रायपुर सेंट्रल जेल गए थे। उधर बलौदाबाजार जिला सत्र न्यायालय ने विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड को 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया। अब वे 27 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में जेल में बंद रहेंगे। बता दें कि बलौदाबाजार में हिंसक प्रदर्शन मामले में विधायक देवेंद्र यादव को पुलिस 4 दिन पहले गिरफ्तार किया है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के खिलाफ छत्तीसगढ़ कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक की लड़ाई लड़ने की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालयों में 24 अगस्त को धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। विधायक की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस विधायक दल की बड़ी बैठक रायपुर के राजीव भवन में हुई, जिसमें प्रदर्शन की रणनीति पर मंत्रणा की गई। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बताया कि इस मामले को लेकर 23 अगस्त को सभी विधायक राज्यपाल से मुलाकात करने जाएंगे। वहीं सभी जिला मुख्यालय में संबंधित क्षेत्र के विधायक पीसी करेंगे। राजीव भवन में विधायक दल की बैठक के बाद कांग्रेसी नेता गिरफ्तार भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव से मिलने जेल पहुंचे। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रदेश सरकार पर देवेंद्र यादव को धोखे से गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। बघेल ने कहा कि देवेंद्र ने बताया है कि उसे स्त्रद्धक्रकी कॉपी नहीं दी है। किस अपराध पर गिरफ्तार किया यह भी नहीं बताया। बघेल ने कहा कि देवेंद्र यादव को जितनी भी नोटिस मिली वह धारा 160 के तहत थी, जो गवाही के लिए होती है। बता दें कि देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के बाद से भूपेश बघेल लगातार प्रदेश के विष्णुदेव साय सरकार पर हमला बोल रहे हैं।

कानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा : नेशनल हाईवे पर गाड़ी और ट्रक के बीच टक्कर

इटावा, एजेंसी। कानपुर हाईवे पर बुधवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला और तीन पुरुष शामिल हैं। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। इटावा के इकदिल में हुए इस हादसे के पीछे कहा जा रहा है कि कार चालक को झपकी लग गई थी। जिसके चलते वह कार पर संतुलन संभाल नहीं सका। बुधवार सुबह 6.30 बजे हुई इस घटना की सूचना मिलने पर इकदिल पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई। घंटों की मशक्कत के बाद दमकल विभाग के कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। पोस्टमार्टम के लिए चार शवों को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, अभी शवों की पहचान नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि दिल्ली से एक परिवार कार में सवार होकर हमीरपुर के लिए निकला था। यहां कार ने सड़क पर खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इटावा के जिला अस्पताल आपातकालीन विभाग के डॉक्टर के अनुसार, चार पहिया वाहन और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में एक बच्चा और एक महिला गंभीर रूप से घायल है। 4 शव भी अस्पताल लाए गए हैं। 2 घायलों को सैफई रेफर कर दिया गया है।

कसाब को दिलवा चुके हैं फांसी, अब बदलापुर रेप केस में पैरवी करेंगे उज्जवल निकम

मुंबई, एजेंसी।
अब तक आतंक और दुष्कर्म जैसे जघन्य मामलों में 628 आरोपियों को आजीवन कारावास और 37 को मौत की सजा दिलवाने वाले उज्जवल निकम बदलापुर केस की पैरवी सरकार की तरफ से करेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद इसकी जानकारी सार्वजनिक की है। डिप्टी सीएम के कार्यालय ने एक्स पर लिखा, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि बदलापुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की तेजी से जांच की जाएगी और मामला फास्ट-ट्रैक कोर्ट में जाएगा। वरिष्ठ वकील उज्जवल निकम को विशेष सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। उज्जवल निकम ने इससे पहले कई हाई-प्रोफाइल मामलों में बतौर वकील पैरवी की है।

26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में पकड़े गए एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी के फंदे तक उन्होंने अपनी मजबूत दलीलों से पहुंचाया था। लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य कसाब को नवंबर 2012 में पुणे की यरवदा जेल में फांसी दी गई थी। देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित उज्जवल निकम ने इस साल मुंबई उत्तर मध्य निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें बेहद करीबी मुकाबले में कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ ने हरा दिया। इस बीच, ठाणे जिले के बदलापुर में मंगलवार को दो चार वर्षीय लड़कियों के साथ उनके स्कूल के सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के मामले में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने बदलापुर रेलवे स्टेशन पर धावा बोल दिया और पटरियों को अवरुद्ध कर दिया। भीड़ ने पुलिस के साथ झड़प की और उस स्कूल में तोड़फोड़ की जहां यह अपराध हुआ था। कई घंटों की नाकेबंदी के बाद शाम को पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया और पटरियों को खाली कराया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री फडणवीस ने एफआईआर दर्ज करने में शुरुआती देरी के लिए तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित भी किया है।

बुलेट ट्रेन परियोजना पर तेजी से चल रहा काम

मुंबई, एजेंसी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। गुजरात के नवसारी जिले में नेशनल हाईवे 48 पर 260 मीटर लंबे पीएससी ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। इसके अनुसार, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का वायडक्ट गुजरात के नवसारी जिले के अमदपुर गांव में है, जो दिल्ली और चेन्नई के बीच नेशनल हाईवे-48 (गुजरात और महाराष्ट्र से होकर) के उपर से होकर गुजर रहा है। हाईवे पर पूरा किया गया पहला पीएससी बैलेंस्ड कैंटिलीवर ब्रिज है। इस ब्रिज में 104 सेग्मेंट्स हैं जिनमें 50, 80, 80, 50 मीटर के चार स्पेन हैं। यह ब्रिज सूरत और बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच स्थित है। एनएच-48 देश के सबसे व्यस्त हाईवे में से एक है। इसलिए हाईवे पर लॉन्चिंग सावधानी पूर्वक योजना बनाकर सटीकता के साथ पूरी की गई है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीते दिनों कहा था कि बुलेट ट्रेन परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेन में 2 कैटेगरी होंगी, पहली सामान्य और दूसरी स्पेशल वर्ग की। उन्होंने कहा कि 320 फिलर बनाने का काम पूरा हो गया है। समुद्र के नीचे करीब 50 मीटर गहरी सुरंग बनाने और स्टेशन बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि 1995 से 2012 तक दिल्ली मेट्रो के निदेशक रहे ई श्रीधरन ने एक बहुत अच्छी व्यवस्था मेट्रो में की कि श्रेणी का वर्गीकरण नहीं होना चाहिए।

बाल ठाकरे ने राजीव गांधी की आलोचना की, लेकिन ईडी ने उन्हें तंग नहीं किया: उद्धव

मुंबई, एजेंसी।
शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को पिता को याद कर इशारों-इशारों में केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कभी बाल ठाकरे के पीछे केंद्रीय एजेंसियां नहीं लगाईं। उन्होंने कहा कि अविभाजित शिवसेना और कांग्रेस अतीत में कट्टर प्रतिद्वंद्वी थीं, लेकिन दोनों दलों ने कभी भी एक-दूसरे के प्रति बदले की भावना से काम नहीं किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ठाकरे ने यह भी कहा कि केंद्रीय एजेंसियों ने कभी भी शिवसेना नेताओं के दरवाजे नहीं खटखटाए, जबकि पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के बारे में तीखी बातें कही थीं। सद्भावना दिवस कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस की मुंबई इकाई द्वारा किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के साथ 2019 में रिश्ते टूटने के बाद शिवसेना ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। उद्धव ठाकरे ने कहा, शिवसेना और कांग्रेस कट्टर प्रतिद्वंद्वी थीं, लेकिन दोनों दलों ने कभी भी एक-दूसरे के प्रति बदले की भावना से काम नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर राजीव गांधी कभी चुनौतियों का सामना करने से पीछे नहीं हटे, जबकि मौजूदा सरकार मणिपुर और कश्मीर में हिंसा भड़कने पर भी चिंतित नहीं है।

कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार भी मौजूद थे। तीनों ही दल विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी का हिस्सा हैं। राज्य में कुछ महीनों में ही चुनाव होने हैं, लेकिन अब तक एमवीए की तरफ से मुख्यमंत्री चेहरे के नाम का ऐलान नहीं किया गया है।

बंद होने वाला है एंबिएंस मॉल अंडरपास? नोटिस देकर जीएमडीए अधिकारी परेशान

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सिरहौल बॉर्डर के पास बने एंबिएंस मॉल यू टर्न अंडरपास को बंद करने की चेतावनी एंबिएंस डिवेलपर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और डीएलएफ साइबर सिटी डिवेलपर्स लिमिटेड को दी है। इस अंडरपास के निर्माण में खर्च राशि का 25-25 प्रतिशत का भुगतान इन दोनों कंपनियों ने करना था। डीएलएफ ने तो 50 प्रतिशत राशि दी, लेकिन एंबिएंस ने कोई राशि नहीं दी। पिछले तीन साल से इन दोनों कंपनियों को राशि की अदायगी के नोटिस देकर परेशान हो चुके जीएमडीए अधिकारियों ने इसे बंद करने का फैसला लिया है। गत 11 जून को जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.श्रीनिवास के नेतृत्व में एंबिएंस मॉल यू टर्न अंडरपास के निर्माण में खर्च राशि की वसूली को लेकर एक बैठक हुई थी। इसमें एंबिएंस और डीएलएफ कंपनी के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया था। इन दोनों कंपनियों को 30 जून तक राशि की अदायगी करने के आदेश जारी किए थे, लेकिन इन्होंने इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया। गत नौ अगस्त को इस मामले में जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। मौजूद अधिकारियों ने फैसला लिया कि दोनों कंपनियों को 23 अगस्त तक की मोहलत दी जाए। यदि इस समयावधि में यह राशि जमा नहीं करवाती हैं तो अंडरपास को यातायात के लिए बंद कर दिया जाए। इस

मामले में एंबिएंस डिवेलपर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राज सिंह से बात करने का प्रयास किया, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका। बता दें कि एनएचएआई की तरफ से जीएमडीए से इस राशि की मांग की जा रही है। पिछले महीने एनएचएआई अध्यक्ष संतोष कुमार आईएएस की अध्यक्षता में इस सिलसिले में बैठक भी बुलाई थी। वहीं, डीएलएफ के एक अधिकारी ने बताया कि जीएमडीए के सीईओ की बैठक में बताया है कि समझौते की शर्तों की पालना नहीं हुई है। समझौते में शर्त थी कि दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शंकर चौक से लेकर सिरहौल बॉर्डर तक यू टर्न को बंद किया जाएगा। सिर्फ यू टर्न अंडरपास से यातायात का आना-जाना होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। शंकर चौक के समीप यू टर्न अंडरपास बंद नहीं हुआ है। डीएलएफ साइबर सिटी से निकल रहे वाहनों को शंकर चौक यू टर्न पर यातायात जाम में फंसना पड़ता है। सड़क दुर्घटना होने का डर बना रहता है। यू टर्न अंडरपास की राशि जीएमडीए को चुकाने के लिए पिछले साल एंबिएंस कंपनी ने एंबिएंस आईलेंड और एंबिएंस लगून के फ्लैट मालिकों को नोटिस दिए थे। उन्हें 14.61 रुपये प्रति वर्ग फीट के हिसाब से यू टर्न अंडरपास के निर्माण की एवज में राशि देने के लिए कहा था, जिसका विरोध इन सोसाइटियों के फ्लैट मालिकों ने किया था। जीएमडीए के एक अधिकारी ने बताया कि इन दोनों बिल्डर से राशि रिकवर करने के लिए नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग की मदद ले सकते हैं। इस विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को अवगत करवा दिया है।

तो भाप बनकर मर भी सकती हैं सुनीता विलियम्स, एक्सपर्ट ने कहा

वाशिंगटन एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर दो महीने से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। स्पेस मामलों के जानकार, पूर्व अमेरिकी सैन्य कमांडर रूडी रिडोल्फी ने तीन भयावह संभावनाएं बताई हैं। रूडी ने कहा कि अगर वह इस खराब अंतरिक्षयान से वापस आने का प्रयास करते हैं तो वह घर्षण से उत्पन्न होने वाली गर्मी से भाप बनकर मर भी सकते हैं।

डेली मेल को दिए एक इंटरव्यू में रिडोल्फी ने बताया कि बोइंग स्टारलाइनर को सुरक्षित रूप से वापस धरती पर लाने के लिए तकनीकी रूप से इसे एक सही एंगल पर लाना होगा। जब तक कैप्सूल वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए सही एंगल पर है तब तो सब ठीक होगा लेकिन अगर यह सही नहीं है तो या तो वह जल जाएंगे या फिर वापस अंतरिक्ष में चले जाएंगे। इस परिस्थिति में उनेक साथ केवल 96 घंटे की ऑक्सीजन आपूर्ति होगी, जिसके साथ उनका बचना बहुत ही मुश्किल होगा। स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान का अंतरिक्ष में उछलना सबसे खराब स्थिति होगी क्योंकि तब वह अंतरिक्ष में ही वाष्पीकृत हो जाएंगे।

दोनों ही परिस्थितियों में उनके जीवन को खतरा हो सकता है।अगर इन्होंने बहुत तेज एंगल के साथ वायुमंडल में प्रवेश करने की कोशिश की तो वायु और स्टारलाइनर के घर्षण के कारण अंतरिक्ष यात्रियों के जलने का खतरा भी रहेगा।

अब रूस में भी हर ओर तबाही का मंजर, यूक्रेन से अपना घर बचा रहे पुतिन; लाखों रूसी भागे

मॉस्को एजेंसी।
हफ्तेभर से यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध में पलड़ा अब वलोडोमिर जेलेंस्की के पाले में जाता दिख रहा है। ढाई साल पहले कहां व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर राज करने का ख्वाब देखते हुए शेखी बघार रहे थे। अब पुतिन अपना ही इलाका बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वेस्ट और अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन अब रूस को लगातार चौंका रहा है। रूस के कुर्स्क शहर पर यूक्रेनियों का हमला जारी है। यहां यूक्रेन ने 1250 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। कुर्स्क शहर में हर ओर तबाही का मंजर दिख रहा है। आलम यह है कि कुर्स्क क्षेत्र से 1 लाख 22 हजार से ज्यादा रूसियों ने घर-बार छोड़ दिया है। जेलेंस्की ने एक बयान में यह भी कहा कि उसकी सेना ने इस क्षेत्र में 92 बस्तियों पर फतह हासिल कर ली है। रूसी मीडिया के अनुसार, यूक्रेन के कुर्स्क आक्रमण के बीच 122,000 से अधिक रूसी सीमावर्ती क्षेत्रों से भाग गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना

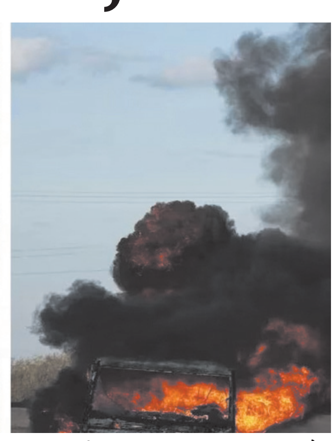

ने पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 92 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना कुर्स्क क्षेत्र के निर्दिष्ट क्षेत्रों में अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। गौरतलब है कि यूक्रेन ने छह अगस्त को कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियान शुरू किया। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के प्रमख ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने 15 अगस्त को दावा किया कि उनकी सेना ने इस क्षेत्र में 82 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। पश्चिमी टेरनोपिल क्षेत्र में मंगलवार तड़के रूसी लक्षित हवाई हमलों से ईंधन और लुब्रिकेट (स्नेहक) तेल भंडारण डिपो में आग लग गयी। क्षेत्रीय अधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। टेरनोपिल क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के मुताबिक रूसी सेना ने स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजे टेरनोपिल शहर के तेल भंडारण डिपो पर प्रक्षेप्य दागे गये। उन्होंने बताया गया कि आग पर काबू पाने के लिए 90 से अधिक बचाव दल और दो अग्निशमन गाड़ियों सहित 20 से अधिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने हालांकि लोगों से अपने घरों के अंदर रहने और खिड़कियां बंद करने का आग्रह किया।

कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने कहा कि रूस ने राजधानी में भी रात भर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमले किये। हालांकि हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शहर के बाहरी इलाके में सभी हवाई लक्ष्यों को आसमान में ही ध्वस्त कर दिया गया। यूक्रेन के वायु सेना ने कहा कि रूस ने 26 शहीद लड़ाकू ड्रोन, दो बैलिस्टिक मिसाइलें इस्कंदर एम/केएन-23, एक क्रूज मिसाइल इस्कंदर-के और कई गाइडेड मिसाइलें केएच-59 दागे। इंटरफैक्स-यूक्रेन समाचार एजेंसी के अनुसार, यूक्रेनी वायु सेना ने नौ क्षेत्रों में 25 ड्रोन, एक क्रूज मिसाइल और दो गाइडेड मिसाइलों को मार गिराया।

अब गाजा में नहीं रुकी जंग तो तृतीय विश्व युद्ध पक्का, अमेरिका क्यों हो रहा बैचेन

वाशिंगटन एजेंसी।
गाजा में चल रही जंग को 10 महीने से ज्यादा हो गए हैं और इजरायल-हमास के बीच महायुद्ध ने अकेले गाजा शहर में 40 हजार जिंदगियां लील ली हैं। हजारों मासूमों का कत्ल होने के बाद भी यहां हर दिन धमाके और लाशों के ढेर मिल रहे हैं। गाजा में युद्धविराम रोकने के कई प्रयास भी किए गए लेकिन, वो सभी नाकाम रहे। इजरायल और हमास इसके लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। अब अमेरिका ने हाल ही में यह बयान देकर दुनिया को दहशत में डाल दिया कि गाजा में जंग रोकने की यह आखिरी कोशिश है, 40 हजार मौतों के बाद भी अब अगर गाजा में कत्लेआम नहीं रुका तो तृतीय विश्व युद्ध रोकना लगभग असंभव होगा।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से भी मुलाकात की। अमेरिका को डर है कि हिजबुल्लाह और ईरान पहले से इजरायल पर तिलमिलाए हुए हैं और गाजा में इतने भीषण नरसंहार के बाद वो कुछ भी करने को तैयार होंगे। हालिया रिपोर्ट में पता लगता है

कि हिजबुल्लाह मध्य पूर्व में बड़ी जंग की तैयारी कर रहा है। उसने हथियारों से लैस और अपनी गुफाओं से जुड़े प्रमोशनल और प्रोपेगेंडा वीडियो पोस्ट कर इजरायल को चेतावनी दी है कि अब अगर वो गाजा में नहीं रुका तो इजरायल को कोई नहीं बचा सकता। उधर, ईरान भी इजरायल को लगातार धमका रहा है। हिजबुल्लाह अधिकारियों का कहना है कि इजरायल से अगर उनके बीच जंग होती है तो वो इजरायल को पुरानी लड़ाई के मुकाबले ज्यादा चोट देंगे। हिजबुल्लाह इस युद्ध को करो या मरो की स्थिति बताता है। उसके साथ इस जंग में ईरान का भी समर्थन है। 2006 के मुकाबले ईरान इस बार खुलकर हिजबुल्लाह को समर्थन करेगा क्योंकि हमास चीफ इस्माइल हानियेह की तेहरान में कत्ल के बाद ईरान पहले ही इजरायल पर कहर बरपाने को आतुर है। कुछ दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अली अयातुल्ला खामेनेई ने एक बयान में कहा था कि अगर अब वो पीछे हटे तो अल्लाह भी उन्हें माफ नहीं करेगा। ईरान ने अपनी कसम दोहराई कि वो शांत नहीं है बल्कि इजरायल पर बड़े और अब तक के सबसे घातक हमले की तैयारी कर रहा है। 2006 में लेबनान युद्ध की बात करें तो इस लड़ाई को 34 दिन बाद अमेरिकी की मध्यस्थता के बाद रोका गया। 12 जुलाई 2006 को हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने इजरायली धरती पर रॉकेट दागे। इस हमले में तीन इजरायली सैनिक मारे गए थे। दो इजरायली सैनिकों को पकड़कर लेबनान लाया गया। इजरायल ने फिर लेबनान पर हवाई कहर बरपाया और 34 दिनों तक दोनों तरफ से जमकर खून बहाया गया। इस युद्ध में करीब 1300 लेबनानी लोग मारे गए और दूसरी तरफ 165 इजरायलियों की मौत हुई। इस युद्ध में इजरायल ने लेबनान शहर में जमकर तबाही मचाई थी। संघर्ष के परिणामस्वरूप 1 मिलियन लेबनानी और 5 लाख इजरायलियों को विस्थापित का दंश झेलना पड़ा। गाजा में युद्धविराम को लेकर अमेरिका अब पूरा जोर लगा रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और उनसे हमास से समझौता करने का आग्रह किया। अमेरिका का कहना है कि इजरायल हमास के साथ युद्धविराम अपनी शर्तों पर करने को तैयार है। अमेरिका ने हमास से भी समझौते पर अपनी हामी भरने का आह्वान किया। हालांकि हमास का आरोप है कि इजरायल हर बार नई शर्तों के साथ समझौता लेकर आता है ताकि युद्धविराम हो ही न। इस बीच उसके सैनिक गाजा में लगातार कत्ल कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129